वार्षिक प्रतिवेदन

2020-21

भारतीय विज्ञान
कांग्रेस संस्था
कोलकाता

ISCA कार्यालय में हिन्दी सप्ताह समारोह

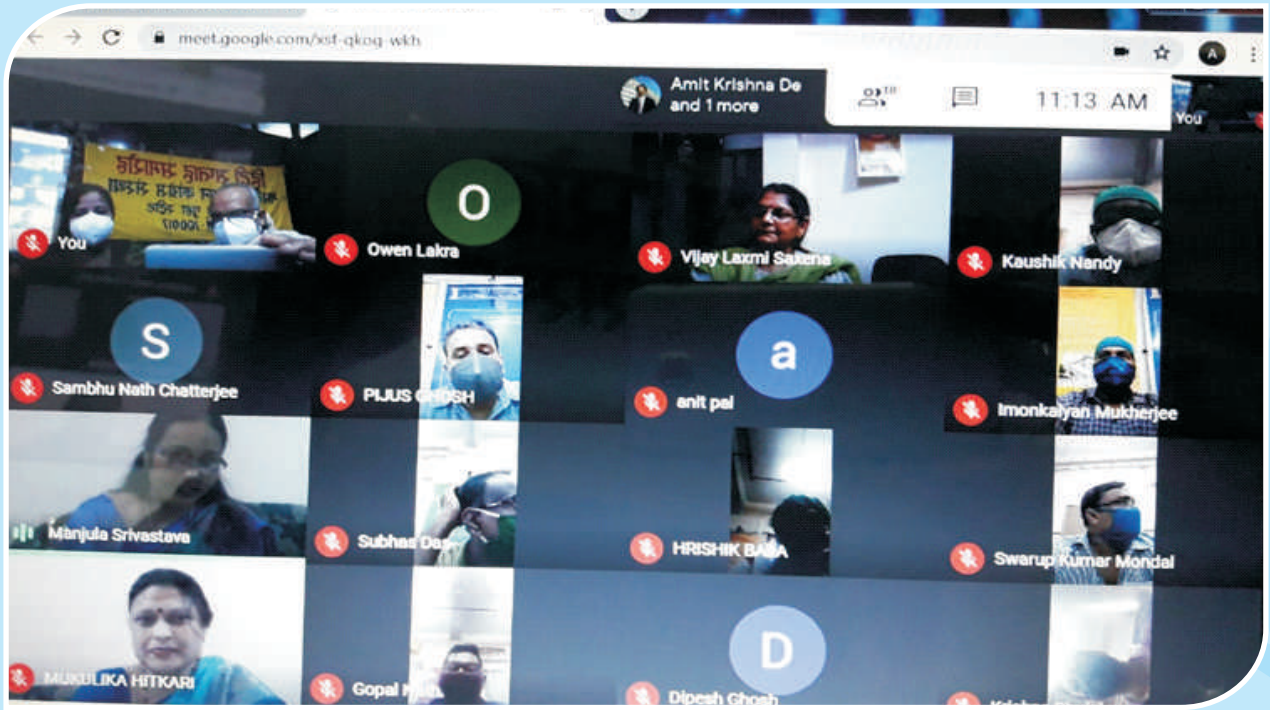

वार्षिक प्रतिवेदन

2020 - 2021

(विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत एक व्यावसायिक संस्था,
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार)
14 डॉ. बिरेश गुहा स्ट्रीट, कोलकाता - 700 017, भारत

विषय वस्तु

	पृष्ट संख्या
प्रस्तावना	5 – 6
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था की रूपरेखा	7 – 8
कार्यकलाप	13
ISCA शाखाएँ	13 – 23
हिन्दी कार्यक्रम समारोह	24
प्रकाशन	24
अन्य विषयक्रम	24
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था की बैठकें	24
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था का अन्य संस्थाओं में प्रतिनिधित्व	25 – 27
सदस्यता	28
संगठनात्मक आकृति	28 – 29
अभिस्वीकृति	30
परिशिष्ट -I	35 – 36
वर्ष 2020–21 के लिए परिषद के सदस्य	
परिशिष्ट -II	37 – 38
वर्ष 2021–22 के लिए परिषद के सदस्य	
परिशिष्ट -III	39
कार्मिक	
परिशिष्ट -IV	40 – 44
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महाध्यक्ष	
परिशिष्ट -V	45
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महासचिव	
परिशिष्ट -VI	46
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के कोषाध्यक्ष	
लेखा परीक्षा रिपोर्ट एवं लेखें	47 – 79

प्रस्तावना

2020–2021 के वर्ष ने वैश्विक महामारी COVID-19 के प्रकोप से दुनिया को स्तब्ध कर दिया, गंभीर तीव्र श्वसन सिंड्रोम कोरोना वायरस के कारण होने वाली अत्यधिक संक्रामक वायरल बीमारी (SARS-CoV-2), का दुनिया की जनसांख्यिकी पर विनाशकारी प्रभाव पड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप से अधिक का परिणाम हुआ है। दुनिया भर में 3.8 मिलियन मौतें, सबसे अधिक परिणामी वैश्विक स्वास्थ्य संकट के रूप में उभर रही हैं। 1918 की इन्फ्लूएंजा महामारी का युग वैश्विक महामारी घोषित होने के बाद से, COVID-19 ने दुनिया भर में कई देशों को तबाह कर दिया है और कई स्वास्थ्य प्रणालियों को प्रभावित किया है। NS महामारी के कारण लंबे समय तक बंद रहने के कारण आजीविका का भी नुकसान हुआ है, जिसके कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था पर एक लहरदार प्रभाव पड़ा है। इस जानलेवा वायरस के हमले से भारत भी बुरी तरह प्रभावित हुआ था, और इसने 108वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस को स्थगित कर दिया।

इस वायरस और इसके रूपों के निरंतर प्रसार को सीमित करना एक बढ़ती हुई समस्या बन गया है। चिंता का विषय है, क्योंकि कई देशों के साथ SARS-Cov-2 दुनिया भर में कहर बरसा रहा है। इस वायरल बीमारी के प्रकोप की दूसरी या तीसरी लहर को सहन करना मुख्य रूप से इसका कारण होता है वायरस के उत्परिवर्ती रूपों का उद्भव। इस संदर्भ में पुरानी कहावत भी 'रोकथाम इलाज से बेहतर है' को समकालीन पाया गया है। यह साबित हो गया है कि छोटेकदम जैसे उचित दूरी बनाए रखना, मास्क का उपयोग करना, बार–बार हाथ धोना, सैनिटाइजेशन आदि से इस बीमारी से बचाव संभव है। महामारी के समय भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था (ISCA) की भूमिका बहुत हो जाती है।

अखिल भारत से बड़ी संख्या में सदस्यों के कारण महत्वपूर्ण और दूरगामी छब्बीस ISCA शाखाओं ने इस महामारी से लड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विभिन्न वेबिनार, जागरुकता कार्यक्रम आयोजित करके, आम लोगों की मदद करने की पेशकश करने लोग आदि इसके अलावा, छब्बीस आईएससीए शाखाओं ने इस दौरान अपनी गतिविधियों को जारी रखा।

108वें आईएससी के फोकल थीम, संगोष्ठी, व्याख्यान, प्रश्नोत्तरी पर संगोष्ठियों का आयोजन कर रिपोर्ट के तहत वर्ष प्रतियोगिता, आदि विभिन्न गतिविधियों के बीच, शाखाओं ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, योग दिवस, विश्व आर्द्रभूमि दिवस, पृथ्वी दिवस, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस, विश्व एड्स दिवस, राष्ट्रीय बाल दिवस, शिक्षक दिवस आदि मनाया।

विभाग से सक्रिय वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए संस्था बहुत सम्मानित महसूस करता है। भारत की विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सरकार अपनी कई इच्छित गतिविधियों को अंजाम देने और निष्पादित करने के लिए अपने मौजूदा बुनियादी ढांचे में सुधार, संसाधन आधार का विस्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं और प्रभावी वित्तीय प्रबंधन द्वारा निधि की स्थिति में सुधार करना, संघ की ताकत निहित सदस्यों का भरपूर समर्थन मिल रहा है।

दिनांक : 05.11.2021

एस. रामकृष्ण

(डॉ0 एस. रामकृष्ण)
महासचिव (सदस्यता मामले)
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

भारतीय विज्ञान कांग्रेस की रूप रेखा

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था 1914 में स्थापित देश की प्रमुख वैज्ञानिक संस्था है। यह संस्था अपने विविध कार्यकलापों के माध्यम से विज्ञान का संवर्धन एवं वैज्ञानिक मनोभाव का संचार कर रही है। इस संस्था की बैठक जनवरी के प्रथम सप्ताह में वैज्ञानिकों, विज्ञान प्रबंधकों, नीति-निर्माताओं एवं जनसाधारण के वार्षिक सम्मेलन में होती है, ताकि वैज्ञानिक अन्वेषण को अत्याधिक गति व अधिक सुव्यवस्थित दिशा प्रदान की जा सके, देश के विभिन्न भागों में समाज एवं व्यक्ति के मध्य पारस्परिक संबंध को बढ़ावा दिया जा सके तथा पूर्णत: वैज्ञानिक एवं अनुप्रयुक्त उद्देश्यों की और जनसाधारण का ध्यान आकर्षित किया जा सके। यह संस्था भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिकों में राष्ट्रीय विकास के उद्देश्य से अन्त: संबंध स्थापित करती है। 1914 से ही प्रति वर्ष संस्था का वार्षिक आशिवेशन बुलाया जाता है, जिसका महाध्यक्ष, अतिप्रतिष्ठित वैज्ञानिक होता है।

संस्था का गठन निम्नलिखित उद्देश्यों से किया गया :

1. भारत में विज्ञान को उन्नत करना एवं उसे बढ़ावा,
2. भारत में उपयुक्त स्थान पर वार्षिक सम्मेलन का आयोजन करना,
3. ऐसी कार्यवाहियों, पत्रिकाओं, कार्य-विवरण एवं अन्य प्रकाशनों को प्रकाशित करना जिन्हें वांछनीय माना जा सकता है,
4. विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए धन एवं वृतिदान को सुरक्षित तथा प्रबंधन करना सहित संस्था की संपत्ति के किसी भी हिस्से की बिक्री अथवा निपटान का अधिकार,
5. कोई एक या सभी अन्य कार्य करना तथा किसी मामले या विषय को निष्पादित करने में प्रेरक का कार्य करना स्थापना के समय से ही संस्था ने अपने उच्च उद्देश्यों की पुष्टि के लिए दृढ़तापूर्वक कार्य किया है। आशा के अनुरूप 1914 से अब इसके कार्यकलाप का कई गुना विस्तार हो गया है।

कांग्रेस की पहली बैठक एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के परिसर में 15 से 17 जनवरी 1914 तक हुई जिसके महाध्यक्ष कलकत्ता विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति माननीय न्यायमूर्ति सर आशुतोष मुखर्जी थे। भारत एवं विदेश के विभिन्न भागों से आए एक सौ पाँच वैज्ञानिकों ने बैठक में भाग लिया और छ: अनुभागीय अध्यक्षों के अधीन वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, नृजती विज्ञान, भू-विज्ञान, भौतिक विज्ञान एवं प्राणी विज्ञान अनुभागों में विभाजित 35 लेख प्रस्तुत किए गए। प्रारम्भ में कम सदस्यों वाली भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था में अब सदस्यों की संख्या बढ़कर लगभग पचास हजार हो गई है। भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था का स्वतंत्रता के पश्चात ब्रिटिश विज्ञान उन्नति संस्था, बीजिंग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्था जैसी विभिन्न विदेशी वैज्ञानिक अकादमियों/संस्थाओं तथा अन्य संस्थाओं से सक्रिय अन्त: संबंध रहा है, ताकि पारस्परिक हित वाले विषयों पर उपयोगी विचार-विमर्श हो सके।

वर्ष 1976 में कांग्रेस के दौरान विचार-विमर्श के स्तर पर महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला। कुछ समय से महसूस किया जा रहा था, कि व्यापक आधार वाले वैज्ञानिकों के इस तरह सम्मेलन में वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय प्रभाव वाले राष्ट्रीय मुद्दों को भी लिया जाए। भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के तत्कालीन महाध्यक्ष डॉ0 एम. एस. स्वामीनाथन ने 1976 में राष्ट्रीय प्रासंगिकता के केंद्रीय थीम कि संकल्पना का सूत्रपात किया, जिस पर अब वार्षिक अधिवेशन के दौरान प्रत्येक कांग्रेस में चर्चा होती है। इसके अतिरिक्त, केन्द्रीय थीम के विभिन्न पहलुओं पर कई पूर्ण अधिवेशन आयोजित किए जाते हैं, जिनमें वैज्ञानिकों एवं प्रौद्योगिकीविदों के साथ-साथ नीति-निर्माता व प्रशासक

परस्पर विचार-विमर्श करते हैं। इस तरह से संस्था ऐसा मंच बन गई है, जहाँ विभिन्न शाखाओं एवं जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के लोग केंद्रीय थीम पर चर्चा भाग लेते हैं।

दूसरी महत्वपूर्ण सफलता 1980 में मिली जब भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने सचिव की अध्यक्षता में स्थायी कार्यदल गठित किया, जिसमें संस्था के उन प्रतिनिधियों तथा विभिन्न एजेंसियों एवं स्वैच्छिक संगठनों के उन प्रमुखों को शामिल किया गया, जो केन्द्रीय थीम संबंधी विभिन्न संस्तुतियों पर अनुवर्ती कार्रवाई के लिए उत्तरदायी होंगे। पूर्ववर्ती विज्ञान कांग्रेस में की गई संस्तुतियों संबंधी अनुवर्ती कार्रवाई पर प्रति वर्ष विज्ञान कांग्रेस संस्था सामान्यत: विज्ञान एवं विशिष्टत: राष्ट्रीय विज्ञान नीति के विकास में योगदान कर रही है।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस ने संस्था 1981 में अपने 68वें अधिवेशन से युवा वैज्ञानिकों के लाभार्थ कार्यक्रम का शुभारंभ किया है, जिसके अंतर्गत युवा वैज्ञानिक अपने प्रस्तावित अनुसंधान कार्य को प्रस्तुत कर सकेंगे और संगत वैज्ञानिकों समस्याओं के संबंध में अपने समकक्ष व्यक्तियों एवं विशेषज्ञों से विचारों का आदान-प्रदान कर सकेंगे। उत्कृष्ट प्रस्तुतियों के लिए ऐसे वैज्ञानिकों को भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्रदान किया जाता है। प्रतिभावान युवा वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने के लिए 2006 से युवा वैज्ञानिक पुरस्कार की राशि रू. 5,000/- से बढ़ाकर रू. 25,000/- कर दी गई है।

कुछ विशेषज्ञों की सहायता से अनुभागियों अध्यक्षों द्वारा सावधानी से की गई छानबीन के आधार पर स्वीकार किए गए अधिकांश लेख पोस्टरों के माध्यम से प्रस्तुत किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने के लिए यह निर्णय लिया गया, कि 1999 के अधिवेशन से प्रत्येक अनुभाग की सर्वोत्तम प्रस्तुति के लिए प्रमाणपत्र सहित रू. 1,000/- की नगद राशि के अधिक से अधिक दो पुरस्कार प्रदान किए जाएगें। वर्ष 2007 से इन पुरस्कारों की राशि से बढ़ाकर रू. 5,000/- कर दिया गया है। दिये गए कुछ चुनिंदा लेखों की मौखिक प्रस्तुति को भी प्रत्येक अनुभाग के कार्यक्रम में शामिल किया जाता है।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था ने भारत में वैज्ञानिकों को सम्मानित एवं प्रोत्साहित करने के लिए कई पुरस्कारों को देना प्रारम्भ किया है। ये पुरस्कार मुख्यत: व्यक्ति-विशेष एवं समूहों से प्राप्त विशेष अक्षय निधि एवं संस्था की निजी निधि से प्रदान किए जाते हैं। पुरस्कार की संकल्पना का आविर्भाव 1965 से हुआ और इस समय भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था द्वारा लगभग 33 से अधिक पुरस्कार दिये जाते हैं। 2013 से आशुतोष मुखर्जी फेलोशिप वरिष्ठ वैज्ञानिकों के लिए शुरू किया गया है। वर्तमान में 10 नियमित फेलो हैं।

डॉ. विजयलक्ष्मी सक्सेना
महाध्यक्ष 108वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

डॉ. विजयलक्ष्मी सक्सेना, पूर्व महासचिव, ISCA समन्वयक हैं: DBT, भारत सरकार, जैव सूचना विज्ञान अवसंरचना सुविधा केंद्र, दयानंदगर्ल्स (पी.जी.) कॉलेज, कानपुर के आईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर की अकादमिक परिषद के सदस्य, मैसूर विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद, मैसूर, समन्वयक एन.एस.एस., सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर, प्रमुख, विभाग, प्राणी विज्ञान विभाग, दयानंदगर्ल्स (पी.जी.) कॉलेज, कानपुर और संयोजक, आईएससीए, कानपुर शाखा। उन्होंने अखिल भारतीय एन.एस.एस. में आकस्मिक नेता के रूप में भाग लिया है। गणतंत्र दिवस परेड और शिविर, नई दिल्ली और उन्होंने राष्ट्रीय एकता शिविर, सी.एस.जे.एम. विश्वविद्यालय, कानपुर का आयोजन किया है।

डॉ. सक्सेना के पास 46 वर्षों का शोध अनुभव और 40 वर्षों का शिक्षण अनुभव है, उनके मार्गदर्शन में 32 छात्रों ने पीएचडी की डिग्री प्राप्त की है, 40 छात्रों ने एमएससी का शोध प्रबंध प्रस्तुत किया है। उनकी देखरेख में उनके पास राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति की पत्रिकाओं में 104 शोध पत्र हैं और 10 समीक्षा लेख हैं और 20 पुस्तकों का संपादन किया है। डॉ. सक्सेना ने विभिन्न विश्वविद्यालयों जैसे बैंगलोर विश्वविद्यालय, वीकेएसयू विश्वविद्यालय, आरा, बिहार, मगध विश्वविद्यालय बोधगया, बिहार, नागपुर विश्वविद्यालय और बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल आदि के पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन किया है। उन्होंने व्याख्याताओं और सहायक प्राध्यापक के चयन समिति के सदस्य के रूप में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी और सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर में भी काम किया है।

डॉ. सक्सेना कई पेशेवर निकायों के सदस्य हैं और उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी / संगोष्ठियों में सम्मानीय मुख्य अतिथि / सम्मान के अतिथि के रूप में भाग लिया है। उन्होंने एसकेके विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया में आमंत्रित वार्ता दी और दुनिया भर की यात्रा यानी श्रीलंका, दक्षिण कोरिया, अमेरिका, इटली, पेरिस, जर्मनी, इंसब्रुक, मलेशिया, ऑस्ट्रिया, सिंगापुर और हांगकांग में की। उन्होंने कई सत्रों की अध्यक्षता की है और विभिन्न संगोष्ठियों में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भी उन्होंने यू.जी.सी., डी.एस.टी. द्वारा वित्त पोषित कई शोध परियोजनाओं का संचालन किया है। नई दिल्ली और जे.एस.पी.एस. (जापानी सोसायटी फॉर प्रमोशन ऑफ साइंस),

जापान में उन्होंने कानपुर में 35 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय संगोष्ठी / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं का आयोजन किया है।

डॉ. सक्सेना को कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं जैसे- भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था आईएससीए (2018) के सर आशुतोष मुखर्जी मेमोरियल अवॉर्ड, सीएसजेएम यूनिवर्सिटी कानपुर द्वारा मैरीक्यूरी गोल्ड मेडल, मस्कराय कानपुर द्वारा सारस्वत सम्मान, महिला वैज्ञानिक पुरस्कार और विभिन्न द्वारा स्वर्णपदक पुरस्कार। संगठन उन्हें सकल जैन समाज, कानपुर, मत्स्य पालन कॉलेज, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा, जूनागढ़, गुजरात सहित कई विश्वविद्यालयों / संस्थानों / संगठनों द्वारा राष्ट्रीय सम्मेलन के आईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, उड़ीसा, सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर, सिटी कॉलेज, कोलकाता, सीआईएफआरआई द्वारा सम्मानित किया गया है। बैरकपुर, कोलकाता, वनस्पति विज्ञान विभाग, जयपुर विश्वविद्यालय, जयपुर, गुरूनानक गर्ल्स कॉलेज, चेन्नई, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, एमएस, बड़ौदा विश्वविद्यालय, वड़ोदरा, गुरूकुलकांगरी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखण्ड, कोंगुनाडु कला और विज्ञान कॉलेज, कोयंबटूर, एमडी विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा। इनके अलावा, वह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली, पटना और राजकोट के शरीर संस्थान की सदस्य भी हैं।

डॉ. विजय लक्ष्मी सक्सेना वर्तमान युवाओं (लड़कियों और महिलाओं) की शिक्षा को विशेष रूप से मानव कल्याण, समाज कल्याण और आर्थिक कल्याण के लिए अनुसंधान के लिए तैयार करने के लिए आकांक्षात्मक रूप से आकार देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जैव सूचना विज्ञान की बहुआयामी भूमिका राष्ट्रीय और साथ ही सतत विकास में निहित है। वह पूरी तरह से सशक्त केंद्रित और उद्यमशील सरकार चलाने में शामिल है। केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसी नीतियाँ उनके लाभ के लिए और आने वाली पीढ़ी के लिए जैव सूचना विज्ञान अवसंरचना सुविधा केन्द्र भी ग्रामीण और शहरी महिलाओं को कौशल विकास, रोजगार, डिजिटल साक्षरता, स्वास्थ्य और पोषण जैसे महिला शक्तिकेंद्र के अवसरों के साथ सशक्त बना रहा है, जिसे सरकार द्वारा सभी की भागीदारी से सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है।

ISCA शाखाओं के माध्यम से राष्ट्रव्यापी गतिविधियाँ (2020-2021)

ISCA
इलाहाबाद शाखा

ISCA
बैंगलोर शाखा

ISCA
बड़ौदा शाखा

ISCA शाखाओं के माध्यम से राष्ट्रव्यापी गतिविधियाँ (2020-2021)

ISCA
भुवनेश्वर शाखा

ISCA
चेन्नई शाखा

ISCA
कोचीन शाखा

गतिविधियाँ ISCA अन्यान्य शाखाएँ

संस्था ने 1962-63 से भारत में विभिन्न केंद्रों में लोकप्रिय विज्ञान व्याख्यान आयोजित करना शुरू किया। यह योजना वर्ष भर विज्ञान के लोकप्रियकरण और उन्नति के लिए रचनात्मक कार्यों की परिकल्पना करती है। 1985-86 तक ये व्याख्यान पूरे देश में फैले सत्रह केंद्रों में वितरित किए जाते थे। हालांकि, 1986-1987 से क्षेत्रीय अध्यायों के गठन के साथ इसका पुनर्गठन किया गया था। ISCA का एक प्रमुख उद्देश्य लोगों के बीच वैज्ञानिक स्वभाव को विकसित करना और युवा वैज्ञानिकों को इस दिशा में मौलिक, प्रयोगात्मक और परिचालन गतिविधियों से संबंधित कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना है। इन उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, ISCA ने भारत में अलग-अलग स्थानों पर 1986-87 से अध्याय शुरू किए। वर्तमान में छब्बीस ISCA शाखाएँ इलाहाबाद, अमरावती, बैंगलोर, बड़ौदा, भुवनेश्वर, कोचीन, चेन्नई,कोयंबटूर, दिल्ली, धर्मनगर, हरिद्वार, हैदराबाद, इम्फाल, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, पटियाला, पटना, पांडिचेरी, रोहतक, सागर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर, तिरुपति में हैं।

ISCA शाखाओं की संक्षिप्त रिपोर्ट (2020-21)

इलाहाबाद शाखा

संयोजक: प्रो. आई.आर. सिद्दीकी

17-18 मार्च, 2021 के बीच ''आम आदमी की सेवा में विज्ञान और प्रौद्योगिकी'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना, आईएससीए के महाध्यक्ष मुख्य अतिथि थे और डॉ. ए.के. सक्सेना, पूर्व महाध्यक्ष संगोष्ठी के उद्घाटन के अवसर पर ISCA के विशिष्ट अतिथि थे। एमआरएस स्कूल और कॉलेज, पटेल नगर, झांसी, प्रयागराज में IX, X, XI और XII के छात्रों के लिए 25 मार्च, 2021 को विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी और ''विज्ञान और प्रौद्योगिकी: राष्ट्र का विकास'' पर वाद-विवाद का आयोजन किया गया था।

अमरावती शखा

संयोजक: डॉ. अतुल केशवराव बोडके

25 मार्च 2021 को गवर्नमेंट साइंस कॉलेज, गढ़चिरौली के सहयोग से ''महिला सशक्तिकरण के साथ सतत विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी'' पर एक दिवसीय राष्ट्रीय ई-सम्मेलन का आयोजन किया। डॉ. सैयद अबरार अहमद-आयोजन सचिव ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और डॉ अतुल बोदखे ने रेखांकित किया। शाखा की गतिविधियों और उद्घाटन आईएससीए के महाध्यक्ष डॉ. विजय लक्ष्मी सक्सेना ने किया और आईएससीए के पूर्व महाध्यक्ष डॉ. ए के सक्सेना सम्मानीय अतिथि थे। एमआरएस स्कूल और कॉलेज, पटेल नगर, झूंसी, प्रयागराज में नौवीं, दसवीं, ग्यारहवीं और बारहवीं के छात्रों के लिए ''विज्ञान और प्रौद्योगिकी: राष्ट्र का विकास'' पर विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी और वाद-विवाद का आयोजन किया गया। मुख्य भाषण डॉ. देवेश वालिया प्राध्यापक, पर्यावरण अध्ययन विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग ने दिया। डॉ. नेहा शर्मा, प्रोफेसर और डीन माइक्रोबायोलॉजी, महर्षि मार्कंडेश्वर विश्वविद्यालय, सोलन इस सम्मेलन के आमंत्रित वक्ता थे। ई-सम्मेलन की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. हेमलता चौधरी वानखेड़े ने की। धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. मंदारपेनगंका ने प्रस्तुत किया। सम्मेलन के लिए 218 से अधिक प्रतिभागियों और देश भर में 173 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया था।

बैंगलोर शाखा

संयोजक: प्रो. गंगाधर

जुलाई 2020 में डॉक्टर विजय लक्ष्मी सक्सेना, महाअध्यक्ष ने कोविड-19 महामारी पर संगठित अंतरराष्ट्रीय वेबीनार, आई एस सी ए वेबीनार का उद्घाटन किया और कोरोना वायरस की वजह से विनाशकारी प्रभाव पर बात की। प्रो. के एस रंगप्पा, तत्काल भूतपूर्व महाअध्यक्ष ने मुख्य भाषण दिया। वेबिनार में प्रोफेसर सुषमा यादव, कुलपति, बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, हरियाणा, नॉटिंघम विश्वविद्यालय, यूके, से डॉक्टर मोहन बाबू, इजराइल से प्रोफेसर मॉरिशियो मार्टिनेलीलूपेन, एम्स रायपुर से प्रोफेसर नितिन एन नागरकर ने भाग लिया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, बेंगलुरु ऑक्सफोर्ड कॉलेज के सहयोग से 1 मार्च 2021 को मनाया गया था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर के एस रंगप्पा ने भारत में विज्ञान के भविष्य पर बात की और इस क्षेत्र में एक अधिक विकसित समाज की ओर बढ़ने के लिए नवाचार की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर आई आईटी कानपुर के डॉ हर्षवर्ध नवानारे द्वारा 'प्रकाश की एक अंतहीन खोज' पर एक आभासी वार्ता का आयोजन किया गया। इसके अलावा 'नोबेल पुरस्कार विजेताओं की वैज्ञानिक यात्रा' विषय पर ई पोस्टर प्रतियोगिता और छात्र संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 23 और 24 मार्च 2020-21 पर दो दिन राष्ट्रीय सम्मेलन पर 'जैव विविधता, सरंक्षण और भविष्य रणनीतियां' जीव विज्ञान, गुलबर्गा विश्वविद्यालय के विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुलबर्गा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दयानंद ने की। सम्मेलन का उद्घाटन पूर्व कुलपति प्रोफेसर ई पुट्टैय ने किया। इस अवसर पर उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में कलिंग सेंटर फॉर रेन फॉरेस्ट इकोलॉजी के संस्थापक निदेशक डॉ. गौरी शंकर, पुणे विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के प्रोफेसर के सी मोईते और प्रोफेसर राघवेंद्र कुलकर्णी, आशुतोष मुखर्जी फेलो आईएससीए शामिल थे। पूर्ण सत्र और आमंत्रित वार्ता के अलावा विभिन्न पर्यावरणीय पहलुओं पर लगभग 120 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए

बड़ौदा शाखा

संयोजक: प्रो. (श्रीमती) जी. संध्या किरण

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून 2020 को एक ऑनलाइन स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, और प्रतियोगिता का विषय ''पृथ्वी माँ - कई पर्यावरणीय मुद्दों के लिए एक खजाना'' था। अंग्रेजी, हिंदी और गुजराती के तीन सर्वश्रेष्ठ नारों को चमक दिया गया। सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर, गुजरात के सहयोग से ''राष्ट्रीय विकास पर ध्यान देने के साथ क्रॉस अनुशासनात्मक अनुसंधान और सामाजिक विज्ञान के लिए प्रतिमान और अवसर'' पर 6 मार्च 2021 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रोफेसर शिरीष कुलकर्णी और मुख्य अतिथि ने की थी। कार्यक्रम में प्रोफसर विजय लक्ष्मी सक्सेना, महाध्यक्ष और माननीय सम्मानीय अतिथि प्रोफेसर अशोक सक्सेना, पूर्व महाध्यक्ष, भारतीय विज्ञान कांग्रेस, थे। संगोष्ठी में 140 प्रतिभागियों ने भाग लिया। बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में 8 मार्च 2021 को ऑनलाइन महिला दिवस समारोह का आयोजन किया गया। श्रीमती भाग्य अरविन्द वक्ता थीं जिन्होंने सफलता की परिभाषा पर व्याख्यान दिया।

भुवनेश्वर शखा

संयोजक: डॉ. काजल पराशर

कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटलसांइसेज, केआईआईटीडीम्डटूबी यूनिवर्सिटी नेशनल साइंसडे 2021 के सहयोग से 28 फरवरी को ''फ्यूचर ऑफ एसटीआई: इम्पैक्ट ऑन एजुकेशन स्किल्स एंड वर्क'' पर आयोजित किया गया। डॉ. काजल पाराशर, संयोजक, आईएससीए भुवनेश्वर शाखा ने सभा को संबोधित किया। प्रोफेसर डॉ. ज्ञान रंजन मोहंती,

रजिस्ट्रार, केआईआईटीडीम्डटूबी यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर ने स्वागत भाषण दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शांति स्वरूप भटनागर अवार्डी प्रो. डॉ. गोपाल सी कुंडू, निदेशक आर एंड डीकेआईआईटीडीम्डटूबी यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, भुवनेश्वर पूर्व निदेशक, नेशनल सेंटर फॉर सेल साइंस, पुणे ने मुख्य भाषण दिया। इस संबोधन के बाद ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और सर्वश्रेष्ठ नवाचार पुरस्कार की घोषणा और सम्मान किया गया। सभा को डॉ. चित्तरंजन मिश्रा, प्रख्यात रासायनिक वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीविद्, स्तंभकार, टेलीविजन एंकर, लेखक, वक्ता और राष्ट्रीय विज्ञान संचारक ने संबोधित किया। कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटलसाइंसेज, केआईआईटीडीम्डटूबी यूनिवर्सिटी नेशनल वेबिनार के सहयोग से 2 मार्च 2021 को ''आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान और प्रोद्योगिकी'' पर एक संयुक्त आभासी और भौतिक मंच पर आयोजित किया गया। उद्घाटन भाषण डॉ. विजय लक्ष्मी सक्सेना, महाध्यक्ष ने दिया, जहां उन्होंने छात्रों के समुदाय के उत्थान के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के महत्व के बारे में बताया। डीम्ड यूनिवर्सिटी के आईआईटी के कुलपति, प्रोफेसर हृषिकेश मोहंती और डॉ. अभिषेक पांडा, संकाय और अनुसंधान समिति के प्रमुख, कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटलसाइंसेज, प्रो पीपी माथुर, कुलपति, बिड़लाग्लोबल यूनिवर्सिटी और पूर्व महासचिव, वैज्ञानिक गतिविधियों आईएससीए ने दिया। व्याख्यान में दो तकनीकी सत्र थे। कार्यक्रम का समापन कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटलसाइंसेज के संकाय, डॉ. धीरेंद्र सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया था।

चेन्नई शाखा

संयोजक: प्रो. एस.व्ही. कश्मीर राजा

समाज के बीच वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने और मानव जाति की बेहतरी के लिए सभी के लिए शिक्षा के फोकल विषय के तहत 11 अलग-अलग गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें अंबेडकर कॉलेज, चेन्नई में एक 4-दिवसीय कार्यशाला, एक 2-दिवसीय कार्यशाला शामिल है। गुरुनानक कॉलेज, चेन्नई में कार्यशाला, विशेष रूप से एनआईआरएफ के लिए एक दिवसीय कार्यक्रम में भारत के शीर्ष इंटरमीडिएट और तृतीयक स्कूल / कॉलेज के छात्रों को ''सीडिंगनैनोसाइंस इन यंगमाइंड्स: लाइव इंटरेक्शन विद नैनोसाइंटिस्ट्स'' पर स्थान दिया गया, जो एसआरएमआईएसटी में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एसआरएम आईसीओएनएन-2021 का हिस्सा था। कट्टनकुलथुर और चेन्नई और उसके आसपास अलग-अलग प्रतिष्ठित कॉलेजों में आठ 1-दिवसीय कार्यशालाएं / सेमिनार गतिविधियों का उद्देश्य शिक्षा और समाज के बीच की खाई को कैसे पाटना है, इस तरह के अल्प विकसित क्षेत्रों में ज्ञान का प्रसार कैसे करना है, इस पर आलोचनाएँ हुई हैं। महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के लिए सर्वोपरि महत्व गतिविधियों का उच्च प्रकाश रहा है।

कोचीन शाखा

संयोजक: प्रो. (डॉ.) के.व्ही. जयचन्द्रन

30 नवम्बर 2020 को एस.एन. कॉलेज, कोल्लम में पारंपरिक उच्च शिक्षा प्रणाली में स्टार्टअप इनोवेशन पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार का उद्घाटन डॉ. विजय लक्ष्मी सक्सेना, महाध्यक्ष ने किया। डॉ. अमित के दे, सलाहकार और पूर्व कार्यकारी सचिव ISCA ने मसालों के जीवन के अमृत पर बात की। उद्योग के लिए सुरक्षित खाद्य उत्पादन और प्रसंस्करण में उद्यमिता, किचन गार्डन / टैरेस फार्मिंग, स्वास्थ्य और आय के लिए मछली पालन, खाद्य प्रसंस्करण और खाद्य सुरक्षा विधियों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम बीज कार्यालय, अलाप्पुझा में मास्क पहनकर आयोजित किया गया। मास्क व सैनिटाइजर का वितरण किया गया। 21.02.2021 को बीज कार्यालय, अलाप्पुझाा में एक

ऑफलाइन किसान सम्मेलन आयोजित किया गया था। ड्रग्स से जीन पर 7 दिवसीय कार्यशाला: एमईएस कॉलेज, एर्नाकुलम में 15–22 मार्च 2021 तक जैव सूचनात्मक दृष्टिकोण का आयोजन किया गया, डॉ. विजयलक्ष्मी सक्सेना, महाध्यक्ष ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। बौद्धिक संपदा अधिकारों पर एक वेबिनार और पर्यावरण विज्ञान पर राष्ट्रीय वेबिनार 25.03.2021 को एस एन कॉलेज, कोल्लम में आयोजित किया गया था। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं पर एक विशेष कार्यक्रम: 27.03.2021 को अगोरा संगोष्ठी श्रंखला के भाग के रूप में एस एन कॉलेज, कोल्लम में कैरियर और अवसर आयोजित किया गया था। विशेष महत्व का एक अन्य कार्यक्रम अलग–अलग विकलांग लोगों और उनके माता–पिता के लिए जनवरी से जुलाई 2021 तक 6 महीने के लिए चल रहा एक ऑनलाइन कार्यक्रम है।

कोयंबटूर शाखा
संयोजक: डॉ. सी.ए. वासुकी

17.10.2020 को आयोजित ''राष्ट्र निर्माण के लिए विज्ञान और तकनीकी नवाचारों पर ज्ञान की खोज'' पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग स्वर्ण जयंती स्मारक वेबिनार का आयोजन किया गया, जहाँ डॉ. विजयलक्ष्मी सक्सेना, महाध्यक्ष ने अध्यक्षता की और प्रो. डॉ. पी. कालीराज, वाइस कार्यक्रम का उद्घाटन भारथिअर विश्वविद्यालय, कोयंबटूर के कुलाधिपति ने किया। उस वेबिनार में चार वक्ताओं ने तकनीकी सत्रों को संभाला है। डॉ. आर.बी. सुब्रमण्यम, प्राध्यापक, बीआरडी स्कूल ऑफ बायोसाइंसेज, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, गुजरात ने ''स्ट्रोबिलुरिन और पौधों की रक्षा और विकास में उनकी भूमिका'' पर एक व्याख्यान दिया। डॉ. आर. करवेम्बु, प्राध्यापक, रसायन विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरूचिरापल्ली, तमिलनाडु ने ''उत्प्रेरण में नैनोमटेरियल्स'' विषय पर एक व्याख्यान दिया। डॉ. एन. अय्यादुरी, प्रधान वैज्ञानिक, सहायक प्राध्यापक–एसीएसआईआर, जैव रसायन और जैव प्रौद्योगिकी, सीएसआईआर केंद्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु ने ''हरित फ्लोरोसेंट प्रोटीन–एक खोज के लिए नोबेल पुरस्कार विजेता'' विषय पर व्याख्यान दिया। अंत में, डॉ. एम. रामसुब्रमण्यम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, आईआईएम, काशीपुर, उत्तराखण्ड ने ''समुद्री युद्ध में प्रौद्योगिकी नवाचार'' पर व्याख्यान दिया। 08.03.2021 को डॉ. उषा नंदिनी, निदेशक, एआरएएन डायग्नोस्टिक इमेजिंग, कोयंबटूर और कंसल्टेंट डॉक्टर, कोंगुनाडु आर्ट्स साइंस कॉलेज द्वारा 'महिलाओं के स्वास्थ्य मुद्दे और समाधान' विषय पर विशेष व्याख्यान कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। भौतिक विज्ञान विभाग, कोंगुनाडु कला विज्ञान महाविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से 9.03.2021 को आयोजित विज्ञान दिवस समारोह के उपलक्ष्य में 'विज्ञान और समाज' पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। डॉ. जे.आर. पझानीस्वामी, जिला विज्ञान अधिकारी, क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, कोयंबटूर, डॉ. बी. रामकृष्णन, सहायक प्रोफेसर, वन्यजीव विज्ञान विभाग, गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, उधगमंडलम और डॉ. एस. कुमारसन, सहायक प्राध्यापक, भौतिकी विभाग, ए.ए. गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, चेय्यार वक्ता थे। वेबिनार में दो सौ चालीस प्रतिभागियों ने भाग लिया और लाभान्वित हुए।

धर्मनगर शाखा
संयोजक: डॉ. मणिक भट्टाचार्य

शारीरिक शिक्षा विभाग जीडीसी, धर्मनगर के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, ''छात्रों के आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम'' का अवलोकन, इसके बाद त्रिपुरा के स्कूली छात्रों के बीच मास्क और सैनिटाइजर वितरण किया गया। अर्थशास्त्र, बंगला और शारीरिक शिक्षा विााग के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का अवलोकन–सरकारी डिग्री कॉलेज ने एनएसएस इकाई जीडीसी के साथ जागरुकता कार्यक्रम और मास्क और सैनिटाइजर वितरण का आयोजन किया, शारीरिक शिक्षा विभाग के साथ ''विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से महिला सशक्तिकरण'' पर जागरुकता कार्यक्रम,

जीडीसी, बंगला और शिक्षा विभाग के साथ ''घरेलू हिंसा के खिलाफ महिलाओं के कानूनी अधिकार'' पर संगोष्ठी, शारीरिक शिक्षा विभाग, जीडीसी के साथ ''स्वास्थ्य और व्यक्तिगत स्वच्छता'' पर जागरूकता कार्यक्रम, अंबेडकर कॉलेज, फातिक्रोय, उनाकोटी में विज्ञान जागरूकता कार्यक्रम, त्रिपुरा में किया गया। मानव शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, जीडीसी के साथ 'रक्तदान' पर कार्यक्रम, जीडीसी के साथ 'सतत विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी' पर संगोष्ठी, विभाग के साथ ''महिला सशक्तिकरण के साथ सतत विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी'' पर राष्ट्रीय वेब सम्मेलन का भी आयोजन रसायन विज्ञान और शारीरिक शिक्षा विभाग, जीडीसी, धर्मनगर में किया।

हरिद्वार शाखा

संयोजक: श्री संजीव कुमार लाम्बा

21 जून 2020 की वर्चुअल भीड़ में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया , जहां देश के विभिन्न हिस्सों से विभिन्न आयु समूहों के 200 से अधिक प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम के दौरान भाग लिया। शाखा ने वर्ष 2015 में गोद लिए गए गांव में शौचालय , स्नानागार और अन्य कार्यों का ध्यान रखा । 26 दिसंबर, 2020 को अश्वनलाइन ''सतत विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी'' विषय के साथ ई पोस्ट प्रतियोगिता आयोजित की गई । 28 फरवरी, 2021 को '' एसटीआई का भविष्य: शिक्षा, कौशल और कार्य पर प्रभाव'' विषय पर एफ ई टी, जीकेवीइन्नोवेशन सेल के सहयोग से राष्ट्रीय विज्ञान दिवस अश्वनलाइन मनाया गया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च 2021 को '' नेतृत्व में महिलाएं : एक कोविड-19 में एक समान भविष्य प्राप्त करना '' विषय के साथ अश्वनलाइन मनाया गया। 21 मार्च 2021 को एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन ''विज्ञान कांग्रेस के लिए'' विषय पर आम आदमी का उत्थान होटल रे मेंटाअश्वर्किस, मोतीचूर हरिपुरकलां, देहरादून में किया गया था।

इंफाल शाखा

संयोजक: प्रो. अरुण कुमार

बच्चों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकसित करने के लिए प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। लॉकडाउन के दौरान वन्यजीवों के संरक्षण के प्रयास किए गए। कई गोद लेने के कार्यक्रम और सामुदायिक खिलाने पर चर्चा की गई। 5 जून 2020 को बच्चों के लिए प्रश्नोत्तरी समापन और चित्रकला समापन, पर्यावरण जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। जुलाई और अगस्त 2020 के महीने के दौरान मणिपुर विश्वविद्यालय परिसर के साथ-साथ आस-पास के इलाकों के बच्चों को COVID 19 से खुद को जागरूक करने के लिए अलग-थलग करने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्हें इन गतिविधियों के लिए प्रेरित करने के लिए इस विषय पर प्रश्नोत्तरी और चित्रकला समापन का आयोजन किया गया और उनके घरों के लिए फेसमास्क और सैनिटाइजर का वितरण किया गया। भारत में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस क्यों और कैसे मनाया जाता है, 2021 का विषय क्या है, इस पर चर्चा के साथ 28 फरवरी, 2021 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है।

जयपुर शाखा

संयोजक: डॉ. पायल लोधा

पृथ्वी दिवस, राष्ट्रीय शिक्षा दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस, छात्र दिवस, महिला दिवस, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। 22 दिसंबर 2020 को पक्षी दौड़ के सर्वश्रेष्ठ क्लिक के लिए एक दिवसीय आभासी व्याख्यान और प्रतियोगिता का आयोजन और इंटरएक्टिव सत्र चौधरी पब्लिक स्कूल के उच्च

माध्यमिक छात्रों के साथ 1 मार्च 2021 को वर्तमान समस्याओं को पूरा करने के लिए नवाचार की आवश्यकता पर जोर देने के उद्देश्य से बालिका विद्यालय, जवाहर नगर में 8 मार्च, 2021 को कोविड-19 पर लड़कियों के लिए एक इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया गया। पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कार वितरित किए गए। 13 मई, 2021 को 'कोविड-19 एण्ड वैक्सीनेशन: एवरीथिंग वर्थ नोइंग' नामक एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इस सत्र में डॉ. कपिल माथुर ने प्रतिभागियों के साथ कोविड-19 के बारे में अपना अनुभव और ज्ञान साझा किया और वैक्सीन अनुसंधान और डिजाइनिंग की अपनी यात्रा की। भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड की टीम का एक अभिन्न अंग है। मासिक वृक्षारोपण अभियान चलाया गया और झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले गरीब परिवारों को मास्क और सैनिटाइजर का वितरण किया गया।

जम्मू शाखा

संयोजक: प्रो. जनक सिंह तारा

21 जून, 2020 को सरकार के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया। डिग्री कॉलेज उखराल के डॉ. रणविजय सिंह कॉलेज के प्राचार्य ने उद्घाटन किया और प्रो. एम.के. ज्योति, सदस्य कार्यकारी समिति ISCA ने भाषण दिया। संसाधन व्यक्ति और प्रशिक्षक श्री थंडू राम ने कुछ योगाभ्यासों का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने योग भी किया। प्रो. जे.एस. तारा, संयोजक ने धन्यवाद ज्ञापित किया। 6 अक्टूबर 2020 को गैलेक्सी कॉलेज ऑफ एजुकेशन जम्मू में वन्य जीवन सप्ताह मनाने के लिए इंटर-कॉलेज संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। संगोष्ठी का विषय ''सुरक्षित वन बचाओ वन्यजीव'' था। प्रो. धरविंदर कुमार सहायक प्रोफेसर सरकार महिला कॉलेज जम्मू के रिसोर्स पर्सन थे। कॉलेज के अध्यक्ष श्री अरूण कुमार ने अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। कॉलेज परिसर में चैप्टर द्वारा पौधारोपण अभियान भी चलाया गया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी 2021 को आर.के. पब्लिक स्कूल, जम्मू में भारत के महान वैज्ञानिकों के जीवन और कार्यों पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रो. के.के. शर्मा पूर्व संयोजक ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और भारतीय वैज्ञानिकों के योगदान पर प्रकाश डाला। प्रश्नोत्तरी का आयोजन स्कूल की प्राचार्या श्रीमती स्नेह ज्योति की देखरेख में किया गया। शाखा ने चिनाब कॉलेज ऑफ एजुकेशन जम्मू की एनएसएस यूनिट के सहयोग से 8 मार्च 2021 को महिला दिवस मनाया। प्रो. जे.एस. तारा और प्रो. दर्शन शर्मा विशिष्ट अतिथि थे। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. इंद्रजीत कौर ने अतिथियों और छात्रों का स्वागत किया। प्रो. दर्शन शर्मा ने भारत की प्रतिष्ठित महिलाओं के बारे में बताया। प्रो. जे.एस.तारा, संयोजक ने अपने बहुमूल्य विचार प्रस्तुत किए। छात्रों ने समाज को आकार देने में महिलाओं की भूमिका से संबंधित कविताओं, गीतों और भाषणों का पाठ किया।

कानपुर शाखा

संयोजक: डॉ. अशोक कुमार सक्सेना

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया जहां आनंदराम जयपुरिया स्कूल, कानपुर ने अन्य स्कूलों के साथ भाग लिया और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21वीं कार्यशाला पर जून 2020, 24 और 25 अगस्त, 2020 से, ऑन-लर्न जबकि भौतिकी विभाग, सेठ द्वारा अन्य छात्रों के साथ चर्चा, जांच, निर्माण और खोज आनंदराम जयपरिया स्कूल, कानपुर के साथ किया। कार्यशाला का विषय ''दबाव'' था। कक्षा IX के छात्र द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया। मेंटर्स ने अवधारणा को समझाने के लिए पीपीटी और वीडियो तैयार किए, छात्रों को कनेक्ट करने के लिए और उनमें रुचि पैदा करने के लिए व्यवहारिक व क्रियाशील गतिविधियाँ की और अंत में आईसीटीटूल यानी कहूत ऑनलाइन क्विज का उपयोग करें ताकि अवधारणा की समझ का आंकलन किया जा सके। कार्यशाला बहुत समृद्ध और विभिन्न उपकरणों

का समामेलन था। आभासी प्रस्तुतियों की संतोषजनक आवश्यकता थी। 7 से 12 दिसम्बर 2020 तक कक्षा 8 के छात्रों के लिए ऑनलाइन कार्यशालाओं की एक श्रंखला सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल कानपुर के भौतिकी विभाग द्वारा आभासी माध्यम से आयोजित की गयी, कार्यशाला को छात्रों द्वारा उचित मार्गदर्शन में लिया गया था। कवर किए गए विषय ऊष्मा, बल और प्रकाश थे। कार्यशाला में विद्यार्थियों ने पूरे जोश और आत्मविश्वास के साथ भाग लिया। प्रस्तुतकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया 28 फरवरी 2020 जहां ब्लॉग लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। आठ स्कूलों के बच्चों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया था। विषय था राष्ट्र का युनाइटेड द्वारा स्थायी लक्ष्यों को लागू करने में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विजेताओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कोलकाता शाखा

संयोजक: डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती

'विज्ञान में भारतीय महिलाओं का योगदान' और 'कैंसर अनुसंधान में हालिया प्रगति' पर दो अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किए गए। चार ऑफलाइन कार्यक्रम जैसे विज्ञान दिवस का जश्न, मास्क और सैनिटाइजर के वितरण के साथ जागरूकता कार्यक्रम, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस और प्रदर्शनी और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के साथ फोकल थीम पर एक संगोष्ठी आयोजित की। 13 –14 अगस्त, 2020 को प्रवात कुमार कॉलेज, कोंटाई, पश्चिम बंगाल के सहयोग से 'विज्ञान में भारतीय महिलाओं के योगदान' पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन डॉक्टर विजय लक्ष्मी सक्सेना महाध्यक्ष ने किया। कोंटाई कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर अमित कुमार दे और डॉक्टर मनोज कुमार चक्रवर्ती ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया। इस अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में कॉलेज के शिक्षकों, वैज्ञानिकों और छात्रों सहित लगभग 300 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। विक्टोरिया इंस्टीट्यूशन कॉलेज के साथ डीएसटी का स्वर्ण जयंती वर्ष मनाने के लिए 12 सितंबर , 2020 को कैंसर अनुसंधान में हालिया प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।वेबिनार के लिए संसाधन व्यक्तियों में प्रोफेसर अनिमेष धर, वैज्ञानिक सलाहकार जैनजादा फार्मास्युटिकल्स, हचिंसन, कंसास, यूएसए और डॉक्टर श्रीकांत अनंत, कैनसस मेसन प्रोफेसर और चेयर, कैंसर जीव विज्ञान विभाग, स्कूल ऑफ मेडिसिन कैंसास विश्वविद्यालय थे। वेबिनार का उद्घाटन महाध्यक्ष डॉक्टर विजय लक्ष्मी सक्सेना ने किया। विक्टोरिया इंस्टीट्यूशन कॉलेज, कोलकाता में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने के लिए 27 फरवरी को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन डॉ. निवेदिता चक्रवर्ती, प्राचार्य, द्वारा स्वागत भाषण के साथ किया गया। डॉक्टर ममता चावला सरकार, वैज्ञानिक, एन आई सी ई डी ने कोविड–19 महामारी के विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान दिया। 2 मार्च, 2021 को विष्णुपुर के कृष्णाबाध क्षेत्र में कोविड–19 पर जागरूकता कार्यक्रम और ग्रामीणों को मास्क और सैनिटाइजर का वितरण, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च 2021 को आईएससीए कार्यालय, कोलकाता में आयोजित किया गया जिसका उद्घाटन डॉक्टर विजय लक्ष्मी सक्सेना, महाध्यक्ष और सम्मानीय अतिथि प्रो. जूली बनर्जी ने किया।

पटियाला शाखा

संयोजक: डॉ. परमवीर सिंह

राज्य के स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में क्रम से चार कार्यक्रम आयोजित किए गए यानी ऑफलाइन स्तन कैंसर जागरूकता अभियान, मानव आनुवंशिकी विभाग और एनएसएस, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला और माता साहिब कौर खालसा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पटियाला की मदद से एसजीटीबीके कॉलेज, आनंदपुर साहिब में एक विज्ञान उत्सव आयोजित किया गया, जहां 20 कॉलेजों ने ''शिक्षा, कृषि और कौशल विकास पर एसटीआई का

प्रभाव'' विषय पर भाग लिया। विभिन्न कॉलेजों के प्रतिभागियों में लगभग 250 व्यक्ति और टीमें अपनी प्रतिभा और कुशल गतिविधियों से पूरी तरह से जुड़ी हुई थीं और इसके बाद नकद राशि के पुरस्कार दिए गए। संरचनात्मक विकास के विचार के तहत एक सरकार ग्रामीण क्षेत्र में पीएसईबी, मोहाली से संबद्ध स्कूल ने स्कूल प्रयोगशालाओं के निर्माण के लिए सहायक सुविधा दी थी जो बदले में स्कूली बच्चों को वैज्ञानिक ज्ञान विकसित करने में मदद करती है। एसजीजीएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी, फतेहगढ़ साहिब, पंजाब में ''सतत भविष्य के लि अंतर-अनुशासनात्मक अनुसंधान में प्रगति'' विषय पर विज्ञान दिवस मनाया गया। मानव कल्याण के लिए निवारक स्वास्थ्य देखभाल मुद्दों के लिए समाज के माध्यम से साहित्य प्रदर्शन भी किए गए।

पटना शाखा

संयोजक: डॉ. ज्योतिर्मयी रंजना

28.02.2021 को आईसीएस, भागलपुर शाखा के साथ ''भविष्य का विज्ञान, प्रौद्योगिकी नवाचार: शिक्षा, कौशल और कार्यों पर प्रभाव'' पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया । डॉ. जे रंजना और डॉ. शिव सत्य प्रकाश ने अतिथियों का स्वागत किया और डॉ. अशोक कुमार सक्सेना ने विषयों का परिचय दिया। डॉ. विजय लक्ष्मी सक्सेना, महाध्यक्ष, आईएससीए ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार की आवश्यकता और समाज के सर्वांगीण विकास के लिए इसके प्रभाव पर ध्यान केंद्रित किया। प्रो. अशोक कुमार सक्सेना, पूर्व महाध्यक्ष, आईएससीए ने विज्ञान के भविष्य के बारे में विस्तार से बताया। प्रो. डी.सी. मुखर्जी मुख्य वक्ता थे जिन्होंने समाज के कल्याण के लिए विज्ञान में नवीन प्रथाओं पर चर्चा की। डॉ. देबद्युति मुखर्जी, न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय, ब्रुकलिन, यूएसए ने अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार की प्रगति पर बात की। अन्य वक्ताओं में प्रो. विश्वपति मुखर्जी, सचिव, असीमा चटर्जी फाउंडेशन, कोलकाता, प्रो. मिताली सरकार, कल्याणी विश्वविद्यालय, डॉ. संचयित तारा राजबारो, जोरहाट प्रौद्योगिकी संस्थान, असम, डॉ. नंदिता दास, प्रो. वी.के. तिवारी, और भूवरंसी और प्रो. ध्यानेंद्र कुमार, आरा, डॉ. उषा शर्मा और डॉ. बी. सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। वेबिनार में लगभग 100 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

पांडिचेरी शाखा

संयोजक: श्री एम. सुंदरा मोहन

बिग डाटा एनालिटिक्स और एएमपी पर एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया । 25 – 27 मार्च के बीच क्लाउडकंप्यूटिंग2021, जहां 150 से अधिक व्यक्तियों ने भाग लिया। डॉक्टर ए दिनकारा राव, सेंटर हेड, सेंटर फॉर जैव सूचना विज्ञान ने सभा का स्वागत किया और डॉक्टर वी अमोदा आई एस सी ए पांडिचेरी के कोषाध्यक्ष शाखा ने कार्यशाला के दायरे को प्रस्तुत किया। प्रोफेसर केवी देवी प्रसाद, डीन, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज ने अध्यक्षीय भाषण दिया और समारोह की अध्यक्षता की। प्रोफेसर एस बालकृष्णन, निदेशक, पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। श्री एम सुंदर मोहन, संयोजक ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। डॉ. एस सुंदरा पांडियन, टंडम सर्टिफिकेशन सेंटर, चेन्नई ने व्याख्यान और प्रशिक्षण में हाथ दिए बिग डाटा एनालिटिक्स और एएमपी के उभरते क्षेत्र और क्लाउडकंप्यूटिंग। कवर किए गए विषय विज्ञान और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी शुरुआत और आवश्यकता थे। बिगडेटाएनालिटिक्स को लागू करने के लिए हडूपप्लेटफार्म पर सत्र को पूरा करें। प्रो. ए दिनकारा राव, केंद्र प्रमुख, जैव सूचना विज्ञान केंद्र ने समापन भाषण दिया। डॉ. वी अमौदा, कोषाध्यक्ष, ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला की कार्यवाही का समापन किया।

रोहतक शाखा

संयोजक: प्रो. एस. पी. खटकर

रसायन विज्ञान विभाग एमडी विश्वविद्यालय रोहतक के छात्रों के साथ 21 जून को ऑनलाइन योग दिवस मनाया गया, रसायन विज्ञान विभाग के सहयोग से 5 सितंबर को शिक्षक दिवस ऑनलाइन, रसायन विज्ञान विभाग में 'विज्ञान में महिलाओं और लड़कियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस' चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा हरियाणा 11 फरवरी 2021 को, 15 फरवरी 2021 को गांधी मेमोरियल नेशनल कॉलेज, अंबाला कैंट द्वारा 'शांति और विकास के लिए विज्ञान' विषय पर ऑनलाइन इंटर कॉलेज राज्य स्तरीय पोस्टर मेकिंग और स्लोगन लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। महारानी किशोरी जाट कन्या, रोहतक के सहयोग से 3 मार्च 2021 को 'शांति और विकास के लिए विज्ञान' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार और 18 और 19 फरवरी 2021 को अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार' विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रगति' का आयोजन किया गया। वेबिनार का उद्घाटन डॉक्टर विजय लक्ष्मी सक्सेना, महाध्यक्ष ने किया और इसमें 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ. अशोक सक्सेना पूर्व महाध्यक्ष आईएससीए सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल हुए। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस सीनियर सेकेंडरी स्कूल ग्राम मोखरा जिला के बालिकाओं ने मनाया। 26 फरवरी 2021 को रोहतक में स्वच्छ भारत, स्मार्ट डस्टबिन, इकोफ्रेंडली स्मार्ट सिटी, स्पीड सेंसर और कंट्रोलर, वाटर हार्वेस्टिंग सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट आदि जैसे लगभग 40 मॉडलों का प्रदर्शन किया गया। स्वच्छ भारत अभियान के तहत लड़कियों के लिए शौचालय निर्माण के लिए शाखा ने मदद की। 8 मार्च 2021 को कॉलेज के महिला प्रकोष्ठ के सहयोग से के एल मेहता दयानंद कॉलेज फॉर विमेन फरीदाबाद में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया जिसमें कालेज की लगभग 100 छात्राओं और स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

शिलांग शाखा

संयोजक: डॉ. देवेश बालिया

5 जून, 2020 को विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया, विश्व योग दिवस 21 जून 2020 को है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर वेबिनार: उभरते भारत में 25 अगस्त 2020 को डॉ. आलोक पांडे, राष्ट्रीय समन्वयक, एसएचओडीएच द्वारा य प्रो. सी. एल. गुप्ता, उपाध्यक्ष, आईएएस, शिमलाय प्रो. एम. के. तिवारी, निदेशक, नीति, मुंबई, श्री अतुल कुलकर्णी, सदस्य, बीओजी, आईआईएम, शिलांग ने व्याख्यान के साथ इस वेबिनार में भाग लिए ।

31 अगस्त 2020 को महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर वेबिनार, डॉ. सूरत होराचिकुल, चुलालोंगकोर्न विश्वविद्यालय, थाईलैंड के व्याख्यान के साथ पेश किया गया ।

31 अगस्त 2020 को महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर वेबिनार डॉ. फैबियोसियालपी, इस्मेओ, इटली के व्याख्यान के साथ IIT गुवाहाटी में 16 से 18 नवंबर 2020 तक शिलांग शाखा, ISCA के साथ संयुक्त रूप से 5वां नार्थईस्ट ग्रीन समिट 2020 (5th NEGS 2020) आयोजित किया गया।

भूकंप जोखिम न्यूनीकरण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और प्रशिक्षण कार्यक्रम: धारणा, शमन और प्रबंधन 16 से 18 फरवरी 2021 को EWMI, गुवाहाटी के सहयोग से आयोजित किया गया।

20 फरवरी 2021 को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के साथ मेघालय युग के भूवैज्ञानिक और खनिज महत्व पर ISCA

व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की गयी।

विश्व जल दिवस 23 मार्च 2021 को मनाया गया।

26 मार्च 2021 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन रेखाचित्र और योगदान पर वेबिनार। व्याख्यान डॉ. हेमंत आर कुशवाहा, जेएनयू, नई दिल्ली और श्री एमकिकॉन, माननीय विधायक (भंडारी), नागालैंड द्वारा दिए गए थे।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ भूवैज्ञानिक डा. बी. महंत के व्याख्यान के साथ 27 मार्च 2021 को भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष का स्मरणोत्सव पालन किया गया ।

शिमला शाखा

संयोजक: डॉ. (श्रीमती) नीरज शर्मा

8 मार्च 2021 को ''ग्रामीण विकास: महिला सशक्तिकरण के साथ सतत विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी'' पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन एचपी यूनिवर्सिटी समरहिल, शिमला के महिला अध्ययन और विकास केंद्र के सहयोग से प्रमुख थीम ''चुनौतियों का चयन करें'' के साथ किया गया। प्रोफेसर सिकंदर कुमार, माननीय कुलपति, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला मुख्य अतिथि थे, 21 जून 2021 को विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी, हिमाचल विभाग के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस ऑनलाइन मनाया गया। कार्यक्रम का विषय ''इनहेल'' था। ''सकारात्मकता और साँस छोड़ते नकारात्मकता'' और प्रदर्शन विवेकानंद केंद्र के श्री हार्दिकजिया जीवन-व्रत कार्यकर्ता द्वारा किया गया था। सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल समरहिल, शिमला, एचपी यूनिवर्सिटी मॉडल स्कूल और विवेकानंद शिक्षा निकेतन साधुपुल, जिला सोलन, एचपी ने विज्ञान और कोविद पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें मास्क, सैनिटाइजर, दस्ताने और स्टेशनरी सामान वितरित किए गए। विवेकानंद केंद्र शिमला के सहयोग से 11 सितंबर 2020 को ऑनलाइन ''सार्वभौमिक ब्रदरहुड डे'' मनाया गया। विज्ञान भारती, हिमाचल प्रदेश और संस्था की मदद से विशेष ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किए गए। हिमाचल प्रदेश के जैव प्रौद्योगिकी-विदों के राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के बारे में जागरूकता के लिए विशेष सत्र आयोजित किए गए जहां माननीय 'बल शिक्षा मंत्री, सरकार, एचपी और सचिव शिक्षा, निदेशक उच्च शिक्षा, सरकार,एचपी और कुलपति, एचपी विश्वविद्यालय, एचपी तकनीकी विश्वविद्यालय- हमीरपुर, हिमाचल केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला और एचपी क्लस्टर विश्वविद्यालय, मंडी ने दर्शकों को संबोधित किया। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एचपी विश्वविद्यालय, शिमला और जैव प्रौद्योगिकी ऊष्मायन केंद्र और राज्य उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ, उद्योग विभाग, सरकार के सहयोग से विचार प्रतियोगिता का आयोजन किया। हिमाचल प्रदेश के, और 3 सर्वश्रेष्ठ विचारों को पुरस्कार वितरित किए, जिनकी सिफारिश राज्य उद्योग विभाग को वित्त पोषण सहायता के लिए भी की गई थी।

श्रीनगर शाखा

संयोजक: डॉ. उल्फत जान

आंचलिक चिकित्सा अधिकारी, बटमालू, श्रीनगर के कार्यालय के सभागार में स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, कश्मीर के सहयोग से 8 मार्च 2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन, क्षेत्रीय चिकित्सा अधिकारी, प्रो. उल्फत जान के स्वागत भाषण के बाद संयोजक ने वर्तमान महामारी के समय में आयोजन के महत्व और इसकी आवश्यकता पर प्रकाश डाला। डॉ. उफ्फाक ने महिला समानता के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर बात की। डॉ. आसिया ने राष्ट्रीय और

वैश्विक कोविड -19 महामारी संकट में फ्रंट लाइन कार्यकर्ताओं के रूप में महिलाओं के प्रतिनिधित्व और भूमिका पर बात की। अन्य वक्ताओं में डॉ. मुदासिर, डॉ. समीना जान, डॉ. बिलकिस, डॉ. मुजमिल, डॉ. रुकाया, डॉ. अनीता और अन्य क्षेत्रीय चिकित्सा अधिकारी डॉ. समीना जान ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। विभिन्न संबद्ध स्वास्थ्य केंद्रों से 50 से अधिक महिला प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसके अलावा, 22 मार्च 2021 को मैक्सवेल शिक्षा संस्थान, पुलवामा के सहयोग से एक वृक्षारोपण अभियान भी आयोजित किया गया और वन विभाग के स्वामित्व वाले संस्थान के आसपास के क्षेत्र में 500 से अधिक पौधे लगाए गए।

तिरुपति शाखा

संयोजक: डॉ. के. पूर्णचन्द्र राव

18 जून, 2020 को गंगीरेड्डीपल्ली गांव, आर सी मंडल, चित्तूर जिला, (आंध्र प्रदेश) में एक ''फील्ड ट्रिप'' का आयोजन किया गया। प्रो. आर. राममूर्ति, पूर्व महाध्यक्ष, आईएससीए ने डॉ. के. गंगाधर ग्रामीण विकास, सचिव, कल्याण संगठन, ग्रामीण विकास के सहयोग से गांव के किसानों को प्राकृतिक खेती और जैविक उर्वरक खेती के महत्व के बारे में जागरूक किया। 24 जून, 2020 को प्राकृतिक और जैविक खेती का अवलोकन किया गया इसमें प्रो. आर. राममुथि और ISCA के अन्य सदस्यों द्वारा किसानों को कई प्रकार के बीज वितरित किए गए। 5 अगस्त 2020 को तिरुपति नगर निगम के साथ एक समुदाय आधारित शिविर का आयोजन किया गया। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली के स्वर्ण जयंती समारोह को चिह्नित करने के लिए 29 अक्टूबर 2020 को फोकलथीम पर जैव-प्रौद्योगिकी विभाग, श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय, तिरुपति के साथ संयुक्त रूप से अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। वर्चुअल लेक्चर कार्यक्रम का आयोजन भूगोल विभाग, एस.वी. प्राकृतिक संसाधनों की निगरानी के लिए भौगोलिक अध्ययन के लिए रिमोट सेंसिंग तकनीकों के अनुप्रयोगों पर विश्वविद्यालय, तिरुपति विभाग के डॉ. एन. चंद्रायुडु ने व्याख्यान दिया। (WORD) सोसायटी के साथ संयुक्त रूप से स्कूली बच्चों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 6 और 7 फरवरी 2021 को जूलॉजी विभाग, एस.वी. विश्वविद्यालय, तिरुपति के साथ संयुक्त रूप से कैंसर जीव विज्ञान और चिकित्सा विज्ञान में नए क्षितिज पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया जहां कैंसर जीव विज्ञान में नए प्रतिमानों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था में हिन्दी सप्ताह समारोह का आयोजन

हिन्दी सप्ताह समारोह का अवलोकन

14 से 20 सितंबर, 2020 तक हिन्दी सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। हिन्दी कार्यशाला और अलग – अलग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था में वेब माध्यम से 14 सितंबर, 2020 को हिन्दी सप्ताह का उद्घाटन किया गया।

इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महाध्यक्ष डॉ. श्रीमती विजयलक्ष्मी सक्सेना, विशेष अतिथि पूर्व महाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, विशिष्ट वक्ता पूर्व महासचिव (वैज्ञानिक कार्य) प्रो. अरुण कुमार और पूर्व कोषाध्यक्ष प्रो. रंजीत कुमार वर्मा थे। महासचिव (सदस्यताकार्य) डॉ. एस. रामकृष्ण, महासचिव (वैज्ञानिककार्य) डॉ. अनूप कुमार जैन एवं कोषाध्यक्ष डॉ. शिव सत्य प्रकाश भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे और सभी ने अपना वक्तव्य पेश किया।

डॉ. आशा पाण्डेय, संस्कृत विभाग, डीजी (पीजी) महाविद्यालय, कानपुर वाद-विवाद प्रतियोगिता में निर्णायक रही। डॉ. पप्पी मिश्रा, राजनीति विज्ञान विभाग, डीजी (पीजी) महाविद्यालय, कानपुर और डॉ. रेणु दीक्षित, प्रधान, हिन्दी विभाग, डीएवी महाविद्यालय, कानपुर हिन्दी अंताक्षरी प्रतियोगिता के संयुक्त संयोजक एवं निर्णायक थे। डॉ. रमेश वर्मा, हिन्दी विभाग, डीएवी महाविद्यालय, कानपुर ने हिन्दी में कार्यशाला ली। डॉ. मुकुलिका हितकारी, प्रधान, अर्थशास्त्र विभाग, डीजी (पीजी) महाविद्यालय, कानपुर और डॉ. मंजुला श्रीवास्तव, हिन्दी विभाग, डीजी (पीजी) महाविद्यालय, कानपुर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के संयुक्त संयोजक एवं निर्णायक थे।

अनुवाद अधिकारी, श्रीमती देवश्री दत्ता (साहा) ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण से हुआ।

प्रकाशन

द्विवार्षिक जर्नल एवरी मैनसाइंस (वॉल्यूम LIV एवं LV) को तैयार किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकाशन थे : आई एस सी ए डायरेक्टरी : 2020–2021 वार्षिक प्रतिवेदन: 2019–2020।

अन्य विषय क्रम

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था की बैठकें

वर्ष 2020–21 में विभिन्न निकायों की निम्नलिखित बैठकें आयोजित की गई।

निकायों के नाम	आयोजित बैठकों की तिथि
सलाहकार समिति	जून,10, 2020
कार्यकारणी समिति	जून, 15, 2020
कार्यकारणी समिति	अगस्त, 22, 2020
कार्यकारणी समिति	अक्तूबर, 19, 2020
वित्त एवं स्थापन समिति	जनवरी, 19, 2021
कार्यकारणी समिति	जनवरी, 20, 2021

2020 - 2021 के दौरान अन्य संगठनों में ISCA का प्रतिनिधित्व

भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए), नई दिल्ली:

प्रो. आर. राममूर्ति, महाध्यक्ष (2007-2008), आईएससीए; अध्यक्ष, आरएफएसडी-आरसीई, तिरुपति; आईएनएसए मानद वैज्ञानिक, पूर्व कुलपति, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति; (धर्माधिकारी, श्री श्रृंगेरी शंकर मठ), ए-9, वैकुंतापुरम, एम.आर.पल्ली, तिरुपति-517 502।

पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़:

प्रो.के.एस. रंगप्पा, महाध्यक्ष (2019-2020), ISCA; यूजीसी-बीएसआर फैकल्टी फेलो, मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार, सिनोटर फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड, चीन; पूर्व कुलपति, मैसूर विश्वविद्यालय और कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, मैसूर; विशिष्ट प्रोफेसर, मैसूर विश्वविद्यालय, उत्कृष्टता संस्थान, विज्ञान भवन, मानस गंगोत्री, मैसूर-570 006, कर्नाटक।

जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (JIPMER), पुडुचेरी:

डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, महाध्यक्ष (2015-2016), ISCA, पूर्व सर आशुतोष मुखर्जीफेलो (ISCA); सर आशुतोष मुखर्जीमेमोरियल अवार्ड के प्राप्तकर्ता; पूर्व एमेरिटसफेलो, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, डीन, विज्ञान संकाय, सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर; प्राणी विज्ञान विभाग, डीएवी कॉलेज, कानपुर, सलाहकार, एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नई; सलाहकार, केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर; एडिटर इन चीफ, एवरीमैन साइंस; केंद्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान, मुंबई के अकादमिक परिषद सदस्य और पूर्व प्राचार्य, डीएवी कॉलेज, कानपुर, 7/182, स्वरूप नगर, कानपुर-208 002, यू.पी.

इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग (आईएनएई), गुड़गांव:

डॉ. नीलांशु भूषण बसु, महासचिव (2013-2016), आईएससीए; भूतपूर्व। तकनीकी सलाहकार और प्रधान मुख्य अभियंता, कोलकाता नगर निगम, 7ए, तिनकारी घोष लेन, कालीघाट, कोलकाता-700 026।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), मदुरै:

प्रो. डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना, महाध्यक्ष, आईएससीए; समन्वयक-जैव सूचना विज्ञान अवसंरचना सुविधा केंद्र डीबीटी (भारत सरकार) नई दिल्ली; सदस्य, संस्थान निकाय, एम्स, नई दिल्ली; सदस्य: अकादमिक परिषद, केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर; संपादक, एवरीमैन साइंस, आईएससीए, कोलकाता; सर आशुतोष मुखर्जी मेमोरियल अवार्ड के प्राप्तकर्ता; पूर्व प्रमुख, प्राणी विज्ञान विभाग, दयानंदगर्ल्स (पी.जी.) कॉलेज, कानपुर, समन्वयक, एन.एस.एस., सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर; सदस्य: अकादमिक परिषद, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, 7/182, स्वरूप नगर, कानपुर-208 002, (उ.प्र.)।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली:

प्रो. डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना, महाध्यक्ष, आईएससीए; समन्वयक-जैव सूचना विज्ञान अवसंरचना सुविधा केंद्र डीबीटी (भारत सरकार) नई दिल्ली; सदस्य, संस्थान निकाय, एम्स, नई दिल्ली; सदस्य: अकादमिक

परिषद, केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर; संपादक, एवरीमैन साइंस, आईएससीए, कोलकाता; सर आशुतोष मुखर्जी मेमोरियल अवार्ड के प्राप्तकर्ता; पूर्व प्रमुख, प्राणी विज्ञान विभाग, दयानंदगर्ल्स (पी.जी.) कॉलेज, कानपुर, समन्वयक, एन.एस.एस., सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर; सदस्य: अकादमिक परिषद, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, 7/182, स्वरूप नगर, कानपुर–208 002, (उ.प्र.)।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), भुवनेश्वर:

प्रो.के.एस. रंगप्पा, महाध्यक्ष (2019–2020), ISCA; यूजीसी–बीएसआर फैकल्टीफेलो, मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार, सिनोटर फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड, चीन; पूर्व कुलपति, मैसूर विश्वविद्यालय और कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, मैसूर; विशिष्ट प्रोफेसर, मैसूर विश्वविद्यालय, उत्कृष्टता संस्थान, विज्ञान भवन, मानस गंगोत्री, मैसूर–570 006, कर्नाटक।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), जोधपुर:

डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, महाध्यक्ष (2015–2016), ISCA, पूर्व सर आशुतोष मुखर्जीफेलो (ISCA); सर आशुतोष मुखर्जीमेमोरियल अवार्ड के प्राप्तकर्ता; पूर्व एमेरिटसफेलो, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, डीन, विज्ञान संकाय, सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर; प्राणी विज्ञान विभाग, डीएवी कॉलेज, कानपुर, सलाहकार, एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नई; सलाहकार, केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर; एडिटर इन चीफ, एवरीमैन साइंस; केंद्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान, मुंबई के अकादमिक परिषद सदस्य और पूर्व प्राचार्य, डीएवी कॉलेज, कानपुर, 7/182, स्वरूप नगर, कानपुर–208 002, यू.पी.

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), पटना:

प्रो. डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना, महाध्यक्ष, आईएससीए; समन्वयक–जैव सूचना विज्ञान अवसंरचना सुविधा केंद्र डीबीटी (भारत सरकार) नई दिल्ली; सदस्य, संस्थान निकाय, एम्स, नई दिल्ली; सदस्य: अकादमिक परिषद, केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर; संपादक, एवरीमैन साइंस, आईएससीए, कोलकाता; सर आशुतोष मुखर्जी मेमोरियल अवार्ड के प्राप्तकर्ता; पूर्व प्रमुख, प्राणी विज्ञान विभाग, दयानंदगर्ल्स (पी.जी.) कॉलेज, कानपुर, समन्वयक, एन.एस.एस., सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर; सदस्य: अकादमिक परिषद, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, 7/182, स्वरूप नगर, कानपुर–208 002, (उ.प्र.)।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायपुर:

प्रो. गंगाधर, महासचिव (2016–2019), आईएससीए; सचिव, सोसायटी ऑफ एडवांसमेंट ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज; सदस्य, संस्था निकाय, एम्स, रायपुर, छत्तीसगढ़; सलाहकार ट्रस्टी बीटीएल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, बैंगलोर; बैंगलोर विश्वविद्यालय के सिंडिकेट और अकादमिक परिषद सदस्यय अध्यक्ष, बंगलौर विश्वविद्यालय प्राणीशास्त्र शिक्षक मंच; डीन और प्रिंसिपल, बीटीएल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, बैंगलोर यूनिवर्सिटी; नंबर 59, III मेन, आई क्रॉस, इनकम टैक्स लेआउट, विजयनगर, बैंगलोर–560040, कर्नाटक।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), ऋषिकेश:

डॉ. अनूप कुमार जैन, महासचिव (वैज्ञानिक गतिविधियां), आईएससीएय 251 आनंदपुरी, कानपुर–208 023।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), भोपाल:

डॉ. एस.रामकृष्ण, महासचिव (सदस्यता कार्य), आईएससीएय प्रोफेसर, प्राणी विज्ञान विभाग, ज्ञानभारती कैंपस, बैंगलोर विश्वविद्यालय, बेंगलुरु -560056, कर्नाटक; नं. 608, 10वीं मुख्य, कॉफी बोर्ड लेआउट, हेब्बलकेम्पापुरा, बेंगलुरु-560024, कर्नाटक।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), राजकोट:

प्रो. डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना, महाध्यक्ष, आईएससीए; समन्वयक-जैव सूचना विज्ञान अवसंरचना सुविधा केंद्र डीबीटी (भारत सरकार) नई दिल्ली; सदस्य, संस्थान निकाय, एम्स, नई दिल्ली; सदस्य: अकादमिक परिषद, केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर; संपादक, एवरीमैन साइंस, आईएससीए, कोलकाता; सर आशुतोष मुखर्जी मेमोरियल अवार्ड के प्राप्तकर्ता; पूर्व प्रमुख, प्राणी विज्ञान विभाग, दयानंदगर्ल्स (पी.जी.) कॉलेज, कानपुर, समन्वयक, एन.एस.एस., सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर; सदस्य: अकादमिक परिषद, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, 7/182, स्वरूप नगर, कानपुर-208 002, (उ.प्र.)।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), कल्याणी:

डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, महाध्यक्ष (2015-2016), ISCA, पूर्व सर आशुतोष मुखर्जीफेलो (ISCA); सर आशुतोष मुखर्जीमेमोरियल अवार्ड के प्राप्तकर्ता; पूर्व एमेरिटसफेलो, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, डीन, विज्ञान संकाय, सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर; प्राणी विज्ञान विभाग, डीएवी कॉलेज, कानपुर, सलाहकार, एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नई; सलाहकार, केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर; एडिटर इन चीफ, एवरीमैन साइंस; केंद्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान, मुंबई के अकादमिक परिषद सदस्य और पूर्व प्राचार्य, डीएवी कॉलेज, कानपुर, 7/182, स्वरूप नगर, कानपुर-208 002, यू.पी.

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), बिलासपुर:

प्रो. गंगाधर, महासचिव (2016-2019), आईएससीए; सचिव, सोसायटी ऑफ एडवांसमेंट ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज; सदस्य, संस्था निकाय, एम्स, रायपुर, छत्तीसगढ़; सलाहकार ट्रस्टी बीटीएल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, बैंगलोर; बैंगलोर विश्वविद्यालय के सिंडिकेट और अकादमिक परिषद सदस्यय अध्यक्ष, बंगलौर विश्वविद्यालय प्राणीशास्त्र शिक्षक मंच; डीन और प्रिंसिपल, बीटीएल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, बैंगलोर यूनिवर्सिटी; नंबर 59, III मेन, आई क्रॉस, इनकम टैक्स लेआउट, विजयनगर, बैंगलोर-560040, कर्नाटक।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), गुवाहाटी:

प्रो. के.एस. रंगप्पा, महाध्यक्ष (2019-2020), ISCA; यूजीसी-बीएसआर फैकल्टीफेलो, मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार, सिनोटर फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड, चीन; पूर्व कुलपति, मैसूर विश्वविद्यालय और कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, मैसूर; विशिष्ट प्रोफेसर, मैसूर विश्वविद्यालय, उत्कृष्टता संस्थान, विज्ञान भवन, मानस गंगोत्री, मैसूर-570 006, कर्नाटक।

सदस्यता

विभिन्न सदस्यता वर्गों का झुकाव निम्नोक्त तालिका से प्रदर्शित होता है।

	106 वाँ सत्र (2018–19)	107 वाँ सत्र (2019–20)	108 वाँ सत्र (2020–21)
आजीवन सदस्य	37,750	40,137	40,202
वार्षिक सदस्य	8,562	8,919	2,965
सत्रात्मक सदस्य	2,296	2,214	30
छात्र सदस्य	3,085	1,211	94
विशिष्ट दाता	29	30	30
संस्थागत सदस्य	36	37	37
संस्थागत दाता	11	14	2
कुल	**51,769**	**52,562**	**43,360**

संगठनात्मक आकृति*

जीबी / जीसी / एफसी की रचना: भारतीय विज्ञान कांग्रेस के महासभा (जनरल बॉडी) की रचना में सभी सदस्यों (मतदान के अधिकार युक्त) और संस्था के सभी प्रतिष्ठित सदस्यों को समाहित किया है।

परिषद में सन्निहित है – (1) कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्य (2) संस्था के सभी वैसे सदस्य या प्रतिष्ठित सदस्य जो कि संस्था में महा अध्यक्ष, महासचिव या कोषाध्यक्ष (3) अनुभागीय अध्यक्षगण (4) महा सभा द्वारा निर्वाचित संस्था के 7 सदस्यगण (5) कोलकाता म्यूनिसिपल कारपोरेशन द्वारा नामित एक सदस्य (6) वित्त एवं स्थापन समिति के सहयोजित (को अपडेट) सदस्यगण, (7) एवरीमैन्स साइंस के संपादक प्रमुख (एडिटर–इन–चीफ) और इंडियन नेशनल साइंस अकादमी (आई.एन.एस.ए.) परिषद के एक नामित व्यक्ति जो कि राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के सदस्य हों।

कार्यकारी समिति में सम्मिलित हैं – महाध्यक्ष, इससे शीघ्र के भूतपूर्व महाध्यक्ष, महाध्यक्ष (निर्वाचित), दो महा सचिवगण, कोषाध्यक्ष, महासभा द्वारा निर्वाचित 10 सदस्यगण, विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, भारत सरकार के सचिव या उनके द्वारा नामित एक व्यक्ति तथा संभावित सत्र आयोजन के दो स्थानीय सचिवगण।

*विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी.एस.टी.) के दिनांक 31.03.2007 के पत्रांक ए.आई/ए. आर/004/2007 दिए गए सुझाव के अनुसार संगठनात्मक ढाँचा संबंधी उपर्युक्त सामग्री भी प्रस्तुत की जा रही है।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस के पाँच: **संवैधानिक समितियाँ** (1) परामर्शदात्री समिति (2) वित्त एवं स्थापना समिति (3) प्रकाशन समिति (4) अक्षय दान (इनडाउमेंट) समिति एवं (5) विज्ञान एवं समाज की स्थाई समिति।

कर्मचारी कल्याणकारी कारवाई: सूचना के आधार पर इस वर्ष कर्मचारी कल्याण मद में कोई कार्य नहीं हुआ।

आरक्षण नीति का अनुपालन

कर्मचारी चयन के मामले में भारत सरकार द्वारा निर्धारित आरक्षण नीति का संस्था द्वारा अनुपालन किया जाता है।

राजभाषा नीति का अनुपालन

संस्था ने भारत सरकार की राजभाषा नीति के प्रावधान को ध्यान में रखते हुए उसका समय पर परिवर्तन के आधार पर पत्र के शीर्ष मुद्रण, उनके रजिस्टर के शीर्ष, नाम प्लेट जो अनेक अनुभागों से संबंधित है, सदस्यता फार्म, वार्षिक रिपोर्ट आदि द्विभाषीय (हिंदी और अंग्रेजी) रूप में बनाने का प्रयास किया गया। एक कनिष्ठ हिंदी अनुवादक की देख रेख में उपर्युक्त कार्यों का निष्पादन होता है।

सूचना उपलब्धता अधिकार अधिनियम

सूचना उपलब्धता अधिकार के अंतर्गत वर्तमान अधिकारियों की सूची से उपयुक्त जन सूचना अधिकारी की पहचान की गई और आई.एस.सी.ए. वेबसाइट पर प्रदर्शित किया गया है। उपर्युक्त अधिकारी द्वारा आर.टी.आई. संबंधित सभी गवेषणाओं का निष्पादन किया जाता है।

जन शिकायत निराकरण तंत्र: संस्था के सदस्यों से प्राप्त किसी शिकायत पर समुचित कारवाई करने के लिए कार्यकारी सचिव नामित किए गए हैं, साथ ही सतर्कता अधिकारी भी हैं, जिनका नामन आई.एस.सी.ए. वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जा चुका है।

नागरिकीय चार्टर

औद्योगिकी सामाजिक समाजिक दायित्व संबंधित आरक्षण नीति: अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़े वर्ग के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति संबंधी विषयों पर भारत सरकार द्वारा निर्धारित आरक्षण नीति का संस्था द्वारा अनुपालन किया जाता है, और इस मामले में तत्संबंधी रोस्टर किये जाते हैं।

अभिस्वीकृति

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था की कार्यकारी समिति विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, को संस्था के उदार अनुदान सहायता के लिए आभारी है। समिति डी एस टी के अधिकारियों और कर्मचारियों से प्राप्त निरंतर मदद और सहयोग पर अपनी गहरी प्रशंसा भी दर्ज कराना चाहती है।

कार्यकारिणी समिति परिषद और सामान्य निकाय के सदस्यों के साथ-साथ विभिन्न समितियों और उप समितियों, अनुभागीय अध्यक्षों, अनुभागीय रिकॉर्डर, स्थानीय अनुभागीय सचिवों, शाखा शिक्षकों और अनुभागीय समितियों के सदस्यों के मार्गदर्शन के लिए भी अपनी आभार व्यक्त करती है।

अतिंम लेकिन वर्षभर में संस्था के कर्मचारियों द्वारा किए गए कार्यों की गहरी सराहना व्यक्त किए बिना पावती का कोई रिकॉर्ड पूरा नहीं हो सकता है।

ISCA शाखाओं के माध्यम से राष्ट्रव्यापी गतिविधियाँ (2020-2021)

ISCA

हरिद्वार शाखा

ISCA

जयपुर शाखा

ISCA

जम्मू शाखा

ISCA शाखाओं के माध्यम से राष्ट्रव्यापी गतिविधियाँ (2020-2021)

ISCA

कानपुर शाखा

ISCA

कोलकाता शाखा

ISCA

पटियाला शाखा

ISCA शाखाओं के माध्यम से राष्ट्रव्यापी गतिविधियाँ (2020-2021)

ISCA

पटना शाखा

ISCA

रोहतक शाखा

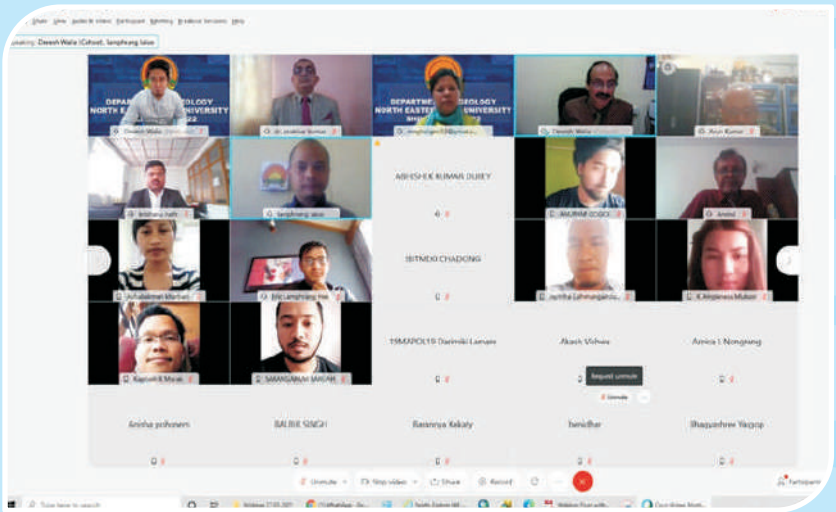

ISCA

शिलांग शाखा

ISCA शाखाओं के माध्यम से राष्ट्रव्यापी गतिविधियाँ (2020-2021)

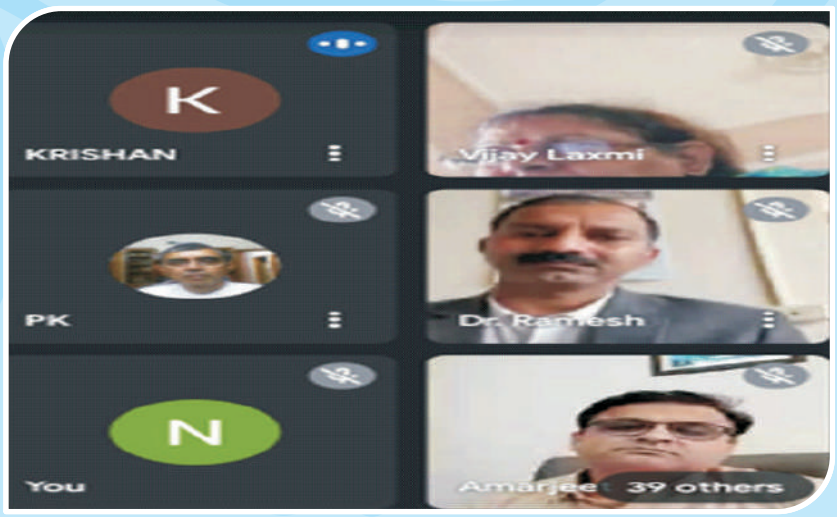

ISCA

शिमला शाखा

ISCA

श्रीनगर शाखा

ISCA

तिरुपति शाखा

परिशिष्ट-I

2020 - 2021 के लिए परिषद के सदस्य

■ **महाध्यक्ष**
डॉ॰ (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना, कानपुर

■ **तत्काल पूर्व महाध्यक्ष**
प्रो॰ के.एस.रंगप्पा, मैसूर

■ **महाध्यक्ष निर्वाचित**
प्रो॰ अरविंद कुमार सक्सेना, जयपुर

■ **महासचिव (सदस्यता कार्य)**
डॉ॰ एस. रामकृष्ण, बेंगलुरू

■ **महासचिव (वैज्ञानिक कार्य)**
डॉ॰ अनूप कुमार जैन, मुम्बई

■ **कोषाध्यक्ष**
डॉ॰ शिव सत्य प्रकाश, पटना

■ **कार्यकारिणी समिति के निर्वाचित सदस्य**

डॉ॰ अशोक कुमार सक्सेना, कानपुर
श्री गौरवेन्द्र स्वरूप, कानपुर
प्रो॰ आर.रामामूर्ति, तिरूपति
प्रो॰ एम. के. ज्योति, जम्मू
डॉ॰ निवेदिता चक्रवर्ती, कोलकाता
प्रो॰ सुनील प्रकाश त्रिवेदी, लखनऊ
डॉ॰ एम. जी. रघुनाथन, चेन्नई
डॉ॰ बसंत कुमार दास, कोलकाता
प्रो॰ सस्मिता रानी सामंत, भुवनेश्वर
प्रो॰ सी. मुथमीज़चेलवन, कट्टनकुलाथूर

■ **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार के प्रतिनिधि**

डॉ॰ राजीव कुमार तायल, नई दिल्ली

■ **स्थानीय सचिव**
डॉ॰ विद्या येरवडेकर, पुणे
डॉ॰ राजीव येरवडेकर, पुणे

■ **भूतपूर्व महाध्यक्ष**
प्रो॰ एम.एस.स्वामीनाथन, चेन्नई
प्रो॰ आर. पी. बंबा, चंडीगढ़
प्रो॰ सी. एन. आर. राव, बैंगलोर
प्रो॰ डी. के. सिन्हा, कोलकाता

■ **भूतपूर्व महाध्यक्ष (जारी है)**
डॉ॰ पी रामा राव, हैदराबाद
डॉ॰ (श्रीमती) मंजू शर्मा, नई दिल्ली
डॉ॰ आर.ए.मशेलकर, पुणे
डॉ॰ आर.एस.परोडा, नई दिल्ली
डॉ॰ के.कस्तूरीरंगन, बेंगलुरु
प्रो॰ आशीष दत्ता, नई दिल्ली
प्रो॰ एन.के. गांगुली, फरीदाबाद
प्रो॰ हर्ष गुप्ता, हैदराबाद
डॉ॰ टी. रामासामी, चेन्नई
डॉ॰ जी.माधवन नायर, त्रिवेंद्रम
प्रो॰ गीता बाली, बेंगलुरु
डॉ॰ मनमोहन सिंह, नई दिल्ली
प्रो॰ रनबीर चंदर सोबती, लखनऊ
प्रो॰ डी. नारायण राव, गुंटूर
डॉ॰ अच्युता सामंता, भुवनेश्वर
डॉ॰ मनोज कुमार चक्रवर्ती, कोलकाता

■ **भूतपूर्व महासचिव**
डॉ॰ (सुश्री) शशि प्रभा आर्य, नई दिल्ली
प्रो॰ एच.पी.तिवारी, इलाहाबाद
प्रो॰ एसपी मुखर्जी, कोलकाता
डॉ॰ (श्रीमती) योगिनी पाठक, वडोदरा
प्रो॰ उमा कांत, जयपुर
प्रो॰ बी. सत्यनारायण, हैदराबाद
प्रो॰ बी.पी.चटर्जी, कोलकाता
प्रो॰ एस.पी. सिंह, कुरुक्षेत्र
प्रो॰ अभिजीत बनर्जी, कोलकाता
डॉ॰ नीलांशु भूषण बसु, कोलकाता
प्रो॰ अरुण कुमार, इंफाल
प्रो॰ गंगाधर, बंगलौर
प्रो॰ प्रेमेंदु पी. माथुर, पांडिचेरी

■ **भूतपूर्व कोषाध्यक्ष**
डॉ॰ शशि भूषण महातो, कोलकाता
प्रो॰ ध्यानेन्द्र कुमार, आरा
प्रो॰ रंजीत कुमार वर्मा, मुंगेर

■ **अनुभागीय अध्यक्ष**

डॉ० दीपक रंजन विश्वास, नई दिल्ली
प्रो० कमल जायसवाल, लखनऊ
डॉ० मनोज कुमार सिंह, दिल्ली
प्रो० रंजना अग्रवाल, नई दिल्ली
प्रो० अतुल कुमार वर्मा, धनबाद
प्रो० बी.शांतवीर गोड़, बैंगलोर
प्रो० (डॉ०) अमर प्रकाश गर्ग, मेरठ
डॉ० पास नाथ सिंह, बैंगलोर
प्रो० गुडुरु प्रसाद, हैदराबाद
प्रो० शिशिर गुप्ता, धनबाद
प्रो० (डॉ०) गौतम पॉल, कल्याणी
डॉ० आर.कव्यश्री, बैंगलोर
प्रो० (डॉ०) सुरेश चंद्र, नोएडा
प्रो० सुनील कुमार चतुर्वेदी, लूमनी

■ **परिषद के निर्वाचित सदस्य**

श्रीमती कुमकुम स्वरूप, कानपुर
प्रो० भूपति नायडू, तिरुपति
डॉ० के.टी.चंद्रशेखर, मैसूरु
डॉ० श्रीसंतस्वामी, मैसूरु
डॉ० अनंद मुरारी सक्सेना, लखनऊ
प्रो० (डॉ०) रजनीश दत्त कौशिक, हरिद्वार
श्री एल.के.जीते, पुणे

■ **कोलकाता नगर निगम के प्रतिनिधि**

श्री ज्योति प्रकाश सरकार, कोलकाता

■ **एवरीमैन्स साइंस के मुख्य संपादक**

डॉ० अशोक कुमार सक्सेना, कानपुर

■ **भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आई. एन. एस. ए) परिषद के प्रतिनिधि**

डॉ० हेमंता कुमार मजुमदार, कोलकाता

परिशिष्ट-II

2021 - 2022 के लिए परिषद के सदस्य

■ **महाध्यक्ष**

डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना, कानपुर

■ **तत्काल पूर्व महाध्यक्ष**

प्रो.के.एस. रंगप्पा, मैसूर

■ **महाध्यक्ष निर्वाचित**

प्रो. अरविंद कुमार सक्सेना, जयपुर

■ **महासचिव (सदस्यता कार्य)**

डॉ. एस. रामकृष्ण, बेंगलुरु

■ **महासचिव (वैज्ञानिक गतिविधियां)**

डॉ. अनूप कुमार जैन, मुंबई

■ **कोषाध्यक्ष**

डॉ. शिव सत्य प्रकाश, पटना

■ **कार्यकारिणी समिति के निर्वाचित सदस्य**

डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, कानपुर
श्री गौरवेंद्र स्वरूप, कानपुर
प्रो. आर. राममूर्ति, तिरुपति
प्रो.एम.के. ज्योति, जम्मू
डॉ. निवेदिता चक्रवर्ती, कोलकाता
प्रो. सुनील प्रकाश त्रिवेदी, लखनऊ
डॉ. एम जी रघुनाथन, चेन्नई
डॉ. बसंत कुमार दास, कोलकाता
प्रो. सस्मिता रानी सामंत, भुवनेश्वर
प्रो. सी. मुथमिजचेलवन, कट्टनकुलथुर

■ **विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के प्रतिनिधि**

डॉ. मनोरंजन मोहंती, नई दिल्ली

■ **पूर्व महाध्यक्ष**

प्रो. एम.एस. स्वामीनाथन, चेन्नई
प्रो. आर.पी. बंबा, चंडीगढ़
प्रो. सी.एन.आर. राव, बैंगलोर
डॉ. पी. रामा राव, हैदराबाद

■ **पूर्व महाध्यक्षों (जारी)**

डॉ. (श्रीमती) मंजू शर्मा, नई दिल्ली
डॉ. आर.ए. माशेलकर, पुणे
डॉ. आर.एस. परोदा, नई दिल्ली
डॉ. के. कस्तूरीरंगन, बेंगलुरु
प्रो. आशीष दत्ता, नई दिल्ली
प्रो. एन.के. गांगुली, फरीदाबाद
प्रो. हर्ष गुप्ता, हैदराबाद
डॉ. टी. रामासामी, चेन्नई
डॉ. जी. माधवन नायर, त्रिवेंद्रम
प्रो. गीता बाली, बेंगलुरु
डॉ. मनमोहन सिंह, नई दिल्ली
प्रो. डॉ. रणबीर चंदर सोबती, लखनऊ
प्रो. डी. नारायण राव, गुंटूर
डॉ. अच्युता सामंत, भुवनेश्वर
डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती, कोलकाता

■ **पूर्व महासचिव**

डॉ. (सुश्री) शशि प्रभा आर्य, नई दिल्ली
प्रो. एच.पी. तिवारी, इलाहाबाद
प्रो. एस.पी. मुखर्जी, कोलकाता
डॉ. (श्रीमती) योगिनी पाठक, वडोदरा
प्रो. उमा कांत, जयपुर
प्रो. बी. सत्यनारायण, हैदराबाद
प्रो. बी.पी. चटर्जी, कोलकाता
प्रो. एस.पी.सिंह, कुरुक्षेत्र
प्रो. अभिजीत बनर्जी, कोलकाता
डॉ. नीलांशु भूषण बसु, कोलकाता
प्रो. अरुण कुमार, इंफाल
प्रो. गंगाधर, बंगलौर
प्रो. प्रेमेंदु पी. माथुर, पांडिचेरी

■ **पूर्व कोषाध्यक्ष**

डॉ. एस.बी. महाती, कोलकाता
प्रो. ध्यानेंद्र कुमार, आरा
प्रो. रंजीत कुमार वर्मा, मुंगेर

■ **अनुभागीय अध्यक्ष**

डॉ. दीपक रंजन बिस्वास, नई दिल्ली
प्रो. कमल जायसवाल, लखनऊ
डॉ. मनोज कुमार सिंह, दिल्ली
प्रो. रंजना अग्रवाल, नई दिल्ली
प्रो. अतुल कुमार वर्मा, धनबाद
प्रो. बी. संथावीरना गौड़, बैंगलोर
प्रो. (डॉ.) अमर प्रकाश गर्ग, मेरठ
डॉ. पारस नाथ सिंह, बैंगलोर
प्रो. गुदुरु प्रसाद, हैदराबाद
प्रो. शिशिर गुप्ता, धनबाद
प्रो. (डॉ.) गौतम पॉल, कल्याणी
डॉ. आर. काव्यश्री, बैंगलोर
प्रो. (डॉ.) सुरेश चंद्र, नोएडा
प्रो. सुनील कुमार चतुर्वेदी, लुमानी

■ **परिषद के निर्वाचित सदस्य**

श्रीमती कुमकुम स्वरूप, कानपुर
प्रो. एम. भूपति नायडू, तिरुपति
डॉ. के टी चंद्रशेखर, मैसूर
डॉ. एस. श्रीकांत स्वामी, मैसूर
डॉ. आनंद मुरारी सक्सेना, लखनऊ
प्रो. (डॉ.) रजनीश दत्त कौशिक, हरिद्वार
श्री एल.के. गीते, पुणे

■ **कोलकाता नगर निगम के प्रतिनिधि**

श्री ज्योति प्रकाश सरकार, कोलकाता

■ **एवरीमैन्स साइंस के प्रधान संपादक**

डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, कानपुर

■ **भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) परिषद के प्रतिनिधि**

डॉ. नाहिद अली, कोलकाता

परिशिष्ट-III

कार्मिक

31 मार्च, 2021 को कर्मचारियों की संख्या

सहायक कार्यकारी सचिव
डॉ. अरुण कुमार पाण्डेय

कार्यालय सहायक I
श्री संतु कुमार घोष

कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक
श्रीमती देवश्री दत्ता (साहा)

कार्यालय सहायक I
श्री पीजुष घोष

कार्यालय सहायक II
श्री कौशिक कुमार नंदी
श्री सुदीप कुमार बाला
श्री शंभु नाथ चटर्जी

कार्यालय सहायक III
श्री ओएन मेकाबियस लकरा
श्री अनित पाल
श्री कृष्ण भुजेल
श्री सुधांशु चौधुरी
श्री प्रभु दयाल सिंह
श्री सुभाष दास
श्री स्वरूप कुमार मंडल
श्री गोपाल नाथ
श्री दीपेश चन्द्र घोष

बहुकार्य कर्मचारी
श्री सैकत मंडल
श्री अनुपम सरकार
श्री इमनकल्याण मुखर्जी

स्टाफ कार ड्राइवर
श्री मनोजीत शंकर दासगुप्ता

परिशिष्ट-IV

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महाध्यक्ष

अधिवेशन	वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय का भाषण का शीर्षक
पहला	1914	कलकत्ता	माननीय. न्यायमूर्ति सर आशुतोष मुखर्जी	विज्ञान कांग्रेस के बारे में
दूसरा	1915	मद्रास	माननीय. महासर्जन डब्लू. बी. बैनरमान	उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में कार्य कर रहे चिकित्साकर्मियों एवं वैज्ञानिकों के लिए जैविकी के ज्ञान का महत्व
तीसरा	1916	लखनऊ	कर्नल सर सिडनी जी. बर्राड	उत्तर भारत के मैदानी भागों और हिमालय अनुश्रृंखला
चौथा	1917	बंगलोर	सर अल्फ्रेड जिब्स बोर्न	वैज्ञानिक अनुसंधान पर
पाँचवाँ	1918	लाहौर	गिल्बर्ट टी. वाकर	विज्ञान - शिक्षा पर
छठा	1919	बंबई	लेफ्टिनेंट कर्नल सर लियोनार्ड रोजर्स	हैजा संबंधी अनुसंधान
सातवाँ	1920	नागपुर	आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय	आधुनिक भारत में विज्ञान का प्रारम्भ
आठवाँ	1921	कलकत्ता	सर राजेंद्र नाथ मुखर्जी	विज्ञान और उद्योग पर
नौवाँ	1922	मद्रास	श्री एस. एस. मिडिलमिस	सापेक्षता
10वाँ	1923	लखनऊ	सर एम. वीश्वेश्वराय	वैज्ञानिक संस्था एवं वैज्ञानिक
11वाँ	1924	बंगलोर	डॉ॰ टी. एन अन्नाडेल	अभिसारी एवं अपसारी विकास
12वाँ	1925	बनारस	डॉ॰ एम. ओ. फॉस्टर	प्रायोगिक प्रशिक्षण पर
13वाँ	1926	बंबई	श्री. अल्बर्ट हावर्ड	कृषि एवं विज्ञान
14वाँ	1927	लाहौर	सर जे. सी. बोस	जीवन की एकता
15वाँ	1928	कलकत्ता	डॉ॰ जे. एल. साइमनसन	प्राकृतिक उत्पाद रसायन पर
16वाँ	1929	मद्रास	प्रो॰ सी. वी. रमन	रमन प्रभाव पर
17वाँ	1930	इलाहाबाद	कर्नल एस. आर. क्रिस्टोफर	विज्ञान और रोग
18वाँ	1931	नागपुर	लेफ्टिनेंट कर्नल आर. बी. सेमूर सेवेल	विकास की समस्य- शारीरिक संरचना का प्रौद्योगिक रूपान्तरण
19वाँ	1932	बंगलोर	राय बहादुर लाल शिवराम कश्यप	हिमालय और तिब्बत की ऊँचाई पर पाई जानेवाली वनस्पति संबंधित कुछ पहलू
20वाँ	1933	पटना	श्री. लुईस एल. फरमोर	राष्ट्रीय जीवन में भूविज्ञान के स्थान
21वाँ	1934	बंबई	प्रो॰ एम. एन. साहा	आधारभूत ब्रह्मांडीय समस्याएं
22वाँ	1935	कलकत्ता	डॉ॰ जे. एच. हट्टन	मानवविज्ञान और भारत
23वाँ	1936	इंदौर	सर यू. एन. ब्रह्मचारी	चिकित्सा की नवीनतम प्रगति में विज्ञान की भूमिका
24वाँ	1937	हैदराबाद	राव बहादुर टि. एस. वेंकटरमन	भारतीय गाँव - भूत, वर्तमान और भविष्य

अधिवेशन	वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय का भाषण का शीर्षक
25वाँ	1938	कलकत्ता	श्री. जेम्स जीन्स (नेल्सन के लॉर्ड रदरफोर्ड की असामयिक मृत्यु हो गई)	भारत में और ग्रेट ब्रिटेन में अनुसंधान
26वाँ	1939	लाहौर	प्रो॰ जे. सी. घोष	भारत में रसायनिक अनुसंधान
27वाँ	1940	मद्रास	प्रो॰ बी. साहनी	द डेक्कन ट्रैप्स: तृतीय युग की घटना
28वाँ	1941	बनारस	सर अर्देशिर दलाल	विज्ञान और उद्योग
29वाँ	1942	बड़ौदा	डॉ॰ डी. एन. वाडिया	भारत-निर्माण
30वाँ	1943	कलकत्ता	डॉ॰ डी. एन. वाडिया	युद्ध में खनिजों का शेयर
31वाँ	1944	दिल्ली	प्रो॰ एस. एन. बोस	संतुलित नियतत्ववाद और क्वांटम सिद्धान्त
32वाँ	1945	नागपुर	सर शांति एस. भटनागर	विज्ञान को एक मौका दें
33वाँ	1946	बंगलोर	प्रो॰ एम. अफ़ज़ल हुसैन	भारत की खाद्य समस्या
34वाँ	1947	दिल्ली	पंडित जवाहर लाल नेहरू	राष्ट्र की सेवा में विज्ञान
35वाँ	1948	पटना	कर्नल सर राम नाथ चोपड़ा	भारत में दवा का औचत्य - स्थापन
36वाँ	1949	इलाहाबाद	श्री. के. एस. कृष्णन	-----
37वाँ	1950	पूना	प्रो॰ पी. सी. महालानोबिस	आँकड़े क्यों
38वाँ	1951	बंगलोर	डॉ॰ एच. जे. भाभा	प्राकृतिक दुनिया की वर्तमान संकल्पनाएँ
39वाँ	1952	कलकत्ता	डॉ॰ जे. एन. मुखर्जी	विज्ञान और हमारी समस्याएँ
40वाँ	1953	लखनऊ	डॉ॰ डी. एम. बोस	सजीव और निर्जीव
41वाँ	1954	हैदराबाद	डॉ॰ एस. एल. होरा	वैज्ञानिकों को एक अवसर दें
42वाँ	1955	बड़ौदा	प्रो॰ एस. के. मित्रा	विज्ञान और प्रगति
43वाँ	1956	आगरा	डॉ॰ एम. एस. कृष्णन	खनिज संसाधन और उनकी समस्याएँ
44वाँ	1957	कलकत्ता	डॉ॰ बी. सी. राय	मानव-कल्याण और देश के विकास के लिए विज्ञान
45वाँ	1958	मद्रास	प्रो॰ एम. एस. थैकर	वैज्ञानिक विकास का व्याकरण
46वाँ	1959	दिल्ली	डॉ॰ ए. एल. मुदलियार	आधारभूत विज्ञान की प्रसंशा
47वाँ	1960	बंबई	प्रो॰ पी. परिजा	विज्ञान और समाज का प्रभाव
48वाँ	1961	रुड़की	प्रो॰ एन. आर. धर	नाइट्रोजन समस्या
49वाँ	1962	कटक	डॉ॰ बी मुखर्जी	मनुष्य को जीवविज्ञान का प्रभाव
50वाँ	1963	दिल्ली	प्रो॰ डी. एस.कोठारी	विज्ञान एवं विश्वविद्यालयों
51वाँ	1964	कलकत्ता	प्रो॰ हुमायूं कबीर	विज्ञान एवं राज्य
52वाँ	1965	कलकत्ता	प्रो॰ हुमायूं कबीर	----------
53वाँ	1966	चंडीगढ़	प्रो॰ बी. एन. प्रसाद	भारत में विज्ञान
54वाँ	1967	हैदराबाद	प्रो॰ टि. आर. शेषाद्री	विज्ञान और राष्ट्रीय कल्याण

अधिवेशन	वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय का भाषण का शीर्षक
55वाँ	1968	वाराणसी	डॉ॰ आत्माराम	भारत में विज्ञान - कुछ पहलू
56वाँ	1969	बंबई	डॉ॰ एके जोशी (प्रो॰ ए. सी. बनर्जी का असामयिक निधन हो गया)	चैन की साँस: मानव की सेवा में पादप विज्ञान
57वाँ	1970	खड़गपुर	डॉ॰ एल. सी. वर्मन	मानकीकरण: त्रिसूत्री विषय
58वाँ	1971	बंगलोर	डॉ॰ बी. पी पाल	कृषि विज्ञान एवं मानव-कल्याण
59वाँ	1972	कलकत्ता	प्रो॰ डब्लू. डी. वेस्ट	भारत की सेवा में भूविज्ञान
60वाँ	1973	चंडीगढ़	डॉ॰ एस भगवंतम	भारत में विज्ञान के 60 वर्ष
61वाँ	1974	नागपुर	प्रो॰ आर. एस. मिश्रा	गणित – रानी या नौकरानी
62वाँ	1975	दिल्ली	प्रो॰ (श्रीमती) असिमा चटर्जी	भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी: वर्तमान एवं भविष्य
63वाँ	1976	वाल्टेयर	डॉ॰ एम. एस. स्वामीनाथन	विज्ञान एवं एकीकृत ग्रामीण विकास
64वाँ	1977	भुवनेश्वर	डॉ॰ एच. एन सेतना	संसाधनों का सर्वेक्षण एवं उपयोग
65वाँ	1978	अहमदाबाद	डॉ॰ एस. एम. सरकार	विज्ञान शिक्षा एवं ग्रामीण विकास
66वाँ	1979	हैदराबाद	प्रो॰ आर. सी. मेहरोत्रा	आगामी दशक में विज्ञान और प्रौद्योगिकी
67वाँ	1980	यादवपुर	प्रो॰ ए. के. साहा	भारत के लिए ऊर्जा रणनीति
68वाँ	1981	वाराणसी	प्रो॰ ए. के. शर्मा	विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास का पर्यावरण पर प्रभाव
69वाँ	1982	मैसूर	प्रो॰ एम. जी. के मेनन	विज्ञान और प्रौद्योगिकी के स्वावलंबी आधार के अभिन्न घटक के रूप में आधारभूत अनुसंधान
70वाँ	1983	तिरुपति	प्रो॰ बी. रामचंद्र राव	मानव और महासागर - संसाधन एवं विकास
71वाँ	1984	राँची	प्रो॰ आर. पी. बंबा	भारत में बेहतर विज्ञान – उद्देश्य और साधन
72वाँ	1985	लखनऊ	प्रो॰ ए. एस. पेंटल	उत्तुंगता - अध्ययन
73वाँ	1986	दिल्ली	डॉ॰ टी. एन खोशू	पर्यावरण प्रबंधन में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका
74वाँ	1987	बंगलोर	प्रो॰ (श्रीमती) अर्चना शर्मा	संसाधन और मानवकल्याण - विज्ञान और प्रौद्योगिकी का योगदान
75वाँ	1988	पुणे	प्रो॰ सी. एन. आर. राव	विज्ञान और प्रौद्योगिकी की सीमाएँ
76वाँ	1989	मदुरै	डॉ॰ ए. पी. मित्रा	भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मिशन
77वाँ	1990	कोचीन	प्रो॰ यशपाल	सोसायटी में विज्ञान
78वाँ	1991	इंदौर	प्रो॰ डी. के. सिन्हा	प्राकृतिक आपदा से सामना: एक एकीकृत दृष्टिकोण
79वाँ	1992	बड़ौदा	डॉ॰ वसंत गोवारिकर	विज्ञान, जनसंख्या और विकास

अधिवेशन	वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय का भाषण का शीर्षक
80वाँ	1993	गोवा	डॉ॰ एस. जेड कासिम	विज्ञान और बेहतर जीवन
81वाँ	1994	जयपुर	प्रो॰ पी. एन. श्रीवास्तव	भारत में विज्ञान: उत्कृष्टता एवं जवाबदेही
82वाँ	1995	कलकत्ता	डॉ॰ एस. सी. पक्राशी	भारत में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और उधोग का विकास
83वाँ	1996	पटियाला	प्रो॰ यू. आर. राव	खाद्य, आर्थिक और स्वस्थ सुरक्षा के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी
84वाँ	1997	दिल्ली	डॉ॰ एस. के. जोशी	विज्ञान और अभियंत्रिकी की सीमाएँ और राष्ट्रीय विकास में उनकी प्रासंगिकता
85वाँ	1998	हैदराबाद	प्रो॰ पी. रामाराव	स्वतंत्र भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी: भूत एवं भविष्य
86वाँ	1999	चेन्नई	डॉ॰ (श्रीमती) मंजु शर्मा	नवजीवविज्ञान: नई सहस्राब्दी में अवसर और चुनौतियाँ
87वाँ	2000	पुणे	डॉ॰ आर. ए. माशेलकर	आगामी सहस्राब्दी में भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी
88वाँ	2001	दिल्ली	डॉ॰ आर. एस. परोदा	खाद्य, पोषण और पर्यावरण- सुरक्षा
89वाँ	2002	लखनऊ	प्रो॰ एस. एस. कटियार	स्वास्थ्य- रक्षा, शिक्षा एवं सूचना प्रौद्योगिकी
90वाँ	2003	बंगलोर	डॉ॰ के. कस्तूरीरंगन	फ्रंटियर साइन्स एवं अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी
91वाँ	2004	चंडीगढ़	प्रो॰ अशीष दत्ता	21वीं शताब्दी में विज्ञान और समाज: उत्कृष्टता की तलाश
92वाँ	2005	अहमदाबाद	प्रो॰ एन. के. गांगुली	स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी - राष्ट्र के विकास का आधार
93वाँ	2006	हैदराबाद	प्रो॰ आई. वी. सुब्बाराव	एकीकृत ग्रामीण विकास: विज्ञान और प्रौद्योगिकी
94वाँ	2007	अन्नामलाई नगर	डॉ॰ हर्ष गुप्ता	पृथ्वीग्रह
95वाँ	2008	विशाखापटनम	प्रो॰ आर. राममूर्ति	पर्यावरण अनुकूल विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग ज्ञान आधारित समाज
96वाँ	2009	शिलांग	डॉ॰ टी. रामासामी	विज्ञान की शिक्षा और अनुसंधान की विशिष्टता के लिए प्रतिभा का आकर्षण
97वाँ	2010	तिरुवनंतपुरम	डा. जी. माधवन नायर	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की 21 वीं सदी में चुनौतियाँ

अधिवेशन	वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय का भाषण का शीर्षक
98वाँ	2011	चेन्नई	प्रो॰ के. सी. पाण्डेय	गुणवत्ता शिक्षा और भारतीय विश्वविद्यालयों में वैज्ञानिक अनुसंधान में उत्कृष्टता
99वाँ	2012	भुवनेश्वर	प्रो॰ गीता बाली	समावेशी नवाचार के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भूमिका
100वाँ	2013	कोलकाता	डॉ॰ मनमोहन सिंह	भारत के भविष्य को आकार देने के लिए विज्ञान
101वाँ	2014	जम्मू	प्रो डॉ॰ रणवीर चंदर सोबती	समावेशी विकाश के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार
102वाँ	2015	मुम्बई		मानव विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी
103वाँ	2016	मैसूर	डॉ॰ अशोक कुमार सक्सेना	भारत में स्वदेशी विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी
104वाँ	2017	तिरुपति	प्रो॰ डी. नारायण राव	राष्ट्रीय विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी
105वाँ	2018	इम्फाल	डॉ॰ अच्युत सामंत	विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से अपरिवर्तित पहुँच
106वाँ	2019	जलंधर	डॉ॰ मनोज कुमार चक्रवर्ती	भविष्य भारत: विज्ञान और प्रौद्योगिकी
107वाँ	2020	बंगलोर	प्रो॰ के. एस रंगप्पा	विज्ञान और प्रौद्योगिकी : ग्रामीण विकास

परिशिष्ट-V

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महासचिव

वर्ष	नाम	वर्ष	नाम
1913-14	श्री डी. हूपर	1974-77	प्रो॰ आर. डी. तिवारी
1914-26	डॉ॰ जे. एल. साइमनसन	1976-79	प्रो॰ ए. के. शर्मा
1914-20	श्री पी. एस. मैकमोहन	1977-80	डॉ॰ बी. रामचन्द्र राव
1920-25	डॉ॰ सी. वी. रमन	1979-82	डॉ॰ डी. बसु
1924-35	डॉ॰ एस. पी. आगरकर	1980-83	प्रो॰ अरुण कुमार डे
1926-30	डॉ॰ रोलाँ वी. नॉरिस	1982-85	प्रो॰(श्रीमती) अर्चना शर्मा
1930-32	डॉ॰ एच. बी. डन्नीक्लीफ़	1983-86	प्रो॰ एम. के. सिंघल
1932-39	श्री डब्ल्यू. डी. वेस्ट	1985-88	प्रो॰ डी. के. सिन्हा
1935-40	प्रो॰ जी. एन. मुखर्जी	1986-89	डॉ॰(सुश्री) एस. पी. आर्य
1938-34	प्रो॰ पी. पिरजा	1988-91	डॉ॰ एस. सी. पक्राशी
1939-45	प्रो॰ एस. के. मित्रा	1989-92	डॉ॰ (श्रीमती) गौरी गांगुली
1944-45	प्रो॰ पी. सी. मिटर	1991-94	प्रो॰ डी. पी. चक्रवर्ती
1944-49	प्रो॰ एम. कुरेशी	1992-95	प्रो॰ एच. पी. तिवारी
1945-48	प्रो॰ पी. सी. महालानोबिस	1994-97	प्रो॰ एस. पी. मुखर्जी
1948-52	डॉ॰ बी. मुखर्जी	1995-98	डॉ.(श्रीमती) योगिनी पाठक
1948-52	डॉ॰ बी. संजीव राव	1997-2000	प्रो॰ ए. एस. मुखर्जी
1952-53	डॉ॰ एस. आर. सेनगुप्ता	1998-2001	प्रो॰ उमाकान्त
1952-55	डॉ॰ बी. एन. प्रसाद	2000-2003	प्रो॰ ए. बी. बनर्जी
1953-57	डॉ॰ यू. पी. बसु	2001-2004	प्रो॰ बी. सत्यनारायण
1955-58	डॉ॰ बी. बी. जोशी	2003-2006	प्रो॰ बी. पी. चटर्जी
1957-60	डॉ॰ ए. के. डे	2004-2007	प्रो॰ एस. पी. सिंह
1958-61	डॉ॰ बी. एन. प्रसाद	2006-2009	प्रो॰ अभिजित बनर्जी
1960-62	प्रो॰ बी. सी. गुहा	2007-2010	डॉ॰ अशोक कुमार सक्सेना
1961-65	प्रो. पी. एल. गिल	2010-2013	डॉ॰ मनोज कुमार चक्रवर्ती
1962-66	डॉ॰ आत्माराम	2010-2013	डॉ॰(श्रीमती) विजयलक्ष्मी सक्सेना
1965-68	प्रो. चन्द्रशेखर घोष	2013-2016	इंजीनियर निलांशु भूषण बासु
1966-70	प्रो॰ ए. के. साहा	2013-2016	प्रो॰ अरुण कुमार
1968-71	प्रो॰ आर. एस. मिश्रा	2016-2019	प्रो॰ गंगाधर
1970-73	प्रो॰ (श्रीमती) असिमा चैटर्जी	2016-2019	प्रो॰ प्रेमेन्दु पी. माथुर
1971-74	प्रो. रामचन्द्र पॉल	2019-2022	डॉ॰ एस रामकृष्ण
1973-76	डॉ॰ एस. एम. सरकार	2019-2022	डॉ॰ अनूप कुमार जैन

परिशिष्ट-VI

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के कोषाध्यक्ष

वर्ष	नाम	वर्ष	नाम
1913-14	श्री डी. हूपर	1968-71	डॉ॰ एस. एम. सरकार
1914-16	डॉ॰ जे. एल. साइमनसन	1971-74	प्रो॰ ए. के. शाहा
1916-19	श्री आर. डी. मेहतता	1974-76	प्रो॰ ए. के. शर्मा
1919-20	श्री डी. आर. भंडारकर	1976-77	प्रो॰ ए. के. साहा
1920-21	श्री डब्ल्यू. डब्ल्यू. के पाजे	1977-80	प्रो॰ डी. एन. कुंडू
1920-21	श्री ओसवाल्ड मार्टिन	1980-82	प्रो॰(श्रीमती) अर्चना शर्मा
1921-22	श्री ए. के. हार्ले	1982-85	प्रो॰ डी. के. सिन्हा
1922-23	श्री डब्ल्यू. आर. सी. ब्रायरले	1985-86	प्रो॰ अशोक घोष
1923-24	डॉ॰ सी. वी. रमन	1986-88	डॉ॰ सत्येश चन्द्र पक्राशी
1924-25	डॉ॰ बेनी प्रसाद	1988-89	प्रो॰ डी. के. सिन्हा
1925-26	डॉ॰ एस. एल. होरा	1989-91	प्रो॰ डी. पी. चक्रवर्ती
1927-30	डॉ॰ बेनी प्रसाद	1991-92	डॉ॰ डी. बसु
1930-31	श्री के. सी. महिंद्रा	1992-94	प्रो॰ एस. पी. मुखर्जी
1931-32	श्री जैस इंश	1994-95	डॉ॰ डी. बसु
1932-34	श्री के. सी. महिंद्रा	1995-98	डॉ. एस. बी. महतो
1934-37	डॉ॰ एस. एल. होरा	1998-2000	प्रो॰ ए. बी. बनर्जी
1937-38	राय बहादुर,डॉ॰ एस. एल. होरा	2000-2001	प्रो॰ एस. पी. मुखर्जी
1938-39	श्री पर्सी ब्राउन	2001-2003	प्रो॰ बी. पी. चटर्जी
1939-44	प्रो॰ जे. एन. मुखर्जी	2003-2004	प्रो॰ ए. बी. बनर्जी
1944-49	प्रो॰ पी. राय	2004-2006	प्रो॰ अभिजीत बनर्जी
1949-52	प्रो॰ के॰ एन. बग्ची	2006-2007	प्रो॰ ए. बी. बनर्जी
1952-55	प्रो॰ पी. सी. महालोबनिस	2009-2010	प्रो॰ बी. पी. चटर्जी
1955-58	प्रो. बी. के. सरकार	2010-2013	इंजीनियर निलांशु भूषण बासु
1958-60	डॉ॰ बी. सी. गुहा	2013-2016	प्रो॰ ध्यानेन्द्र कुमार
1960-65	प्रो. पी. के. बोस	2016-2019	प्रो॰ रणजीत कुमार वर्मा
1965-68	प्रो॰ (श्रीमती) असिमा चैटर्जी	2019-2022	डॉ॰ शिव सत्य प्रकाश

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

लेखा परीक्षा रिपोर्ट एवं लेखें

31 मार्च, 2021

आर. के. शुक्ला एम. नं. 40304,
UDIN.214O3O44AAAAF - 3257

मिश्रा मिश्रा एंड एसोसिएट्स

'चार्टर्ड अकाउंटेंट'

हेड ऑफ़िस - 111A/402B ,खंडूजा भवन ,80 फीट रोड, अशोक नगर ,कानपुर 208012,

मोबाइल संख्या - 9415738219, 93361 14854, फोन : 0512 - 4025301

स्वतंत्र लेखा परीक्षक रिपोर्ट

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के सदस्यों के लिए वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट

राय:

हमने मेसर्स इंडियन साइंस कांग्रेस के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों का ऑडिट किया है
संस्था के जिसमें 31 मार्च, 2021 को बैलेंस शीट शामिल है, बंदोबस्ती निधि,
उस तिथि के अनुसार, अनुदान का आय और व्यय खाता (योजना और गैर-योजना) और
उस तारीख को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए प्राप्तियां और भुगतान खाते
और महत्वपूर्ण लेखांकन शक्तियों और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी का सारांश भी संलग्न हैं।

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी और स्पष्टीकरणों के अनुसार
हमें दिया गया है, योग्यता के आधार पर दी गई योग्य राय को छोड़कर,
पूर्वोक्त स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण अधिनियम द्वारा आवश्यक जानकारी देना तरीके से आवश्यक है और इस तरह के अनुरूप एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण दें।
भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप ,
31 मार्च 2021 तक संगठन के मामलों की स्थिति आवश्यक है ।

राय के लिए आधार:

हम संस्थान द्वारा जारी किए गए ऑडिटिंग के मानक के अनुसार अपना ऑडिट
भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट से करते हैं। हम संगठन के अनुसार स्वतंत्र हैं
भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा एक साथ जारी आचार संहिता के साथ वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के लिए प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के साथ,
और हमने इनके अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को
आवश्यकताएँ और आचार संहिता से पूरा किया है । हमें विश्वास है कि हमने जो लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है।

योग्यता का आधार:

1) वर्ष के दौरान सरकार से प्राप्त अनुदान को AS-12 के अनुसार बुक किया जाता है।उसी अनुदान के लिए समाधान उपलब्ध कराया गया है, लेकिन इसके लिए कोई समाधान नहीं किया गया है।कुल संपति खाते और गैर आवर्ती निधि अनुदान के बीच उपलब्ध अंतर किया जा सकता है।

2') बैंक द्वारा जमा किए गए सावधि जमा पर ब्याज स्रोत पर कर कटौती के निवल हैं। विभिन्न निधियों पर ब्याज कर् के निवल लिया गया है जो सकल मूल्य पर होना चाहिए था। विभिन्न निधियों पर ब्याज से स्रोत पर काटे गए कुल
आयकर हैं
नीचे दिया गया: -

क) वित्त वर्ष- 2020-21 रु. 6,81,761.00 (बंदोबस्ती निधि की FD पर)
ख)वित्त वर्ष 2019-20 रु 9,25,883.00 रुपये (इसमें एंडोमेंट फंड की FD पर TDS शामिल है)
ग)वित्तीय वर्ष-2018-19 रु. 8, 65,769.00 (बंदोबस्ती निधि की एफडी पर टीडीएस सहित-रु -1,16,075 रुपये)
घ) वित्तीय वर्ष 2017-18 रु. 9,51,651.00
इनका हिसाब नहीं दिया गया है जिसके परिणामस्वरूप निधि को कम बताया गया है और
निवेश मूल्य रु. 6, 81,761.00 (खातों की टिप्पणियों के लिए नोट संख्या 18(5) देखें)
चालू वर्ष के लिए और 2019-20 के लिए रु 9, 25, 883.00।
इसके अलावा स्रोत पर काटे गए आयकर का गैर-लेखांकन रु. 6,81,761.00 होगा संस्था को नुकसान की राशि, क्योंकि इसे अग्रिम आय के रूप खातों की पुस्तकों में कर में नहीं दिखाया गया है ।
3) रुपये 32,40,302 की आकस्मिक देयता। विवाद/अपील के तहत आयकर मांग के लिए नि.व. 2012-13 का खुलासा किया गया है खातों की टिप्पणियों के लिए नोट संख्या 18(6) देखें।
हालाँकि, उसी की वर्तमान स्थिति हमें उपलब्ध नहीं कराई जा सकी। 1961 वित्तीय वर्ष 2015-'16 और 2016-17 के लिए वहाँ आयकर अधिनियम की धारा 148 के तहत मामले के लिए आगे आकस्मिक देयता हो सकता है।
4) 2020-21 के दौरान 25 शाखायो को भेजी गई राशि 42,00,375/-- इन शाखायों में से 14 शाखायो ने उपयोगिता प्रमाण पत्र भेज दिया है। उन्होंने 32,00,000/- रुपये खर्च किए हैं।
विभिन्न उद्देश्यों को व्यय की प्रकृति से किसी संबंध के बिना चार्ज किया गया था और
वास्तविक खर्च किया गया। वर्ष 2019-20 के दौरान 10 शाखायो ने 47,68,175.10 रुपये के उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा नहीं किया। (नोट 18 (8) से संदर्भ)
5) संस्था विभिन्न उद्देश्यों के लिए विभिन्न फंड रखता है। यह देखा गया है कि बिल्डिंग फंड के मामले में, फंड बैलेंस निवेश मूल्य से मेल नहीं खाता जिसके लिए कोई सुलह, समझौता नहीं किया गया है।
6) भवन निधि जो बहुत पहले सृजित की गई थी, बिना किसी खर्च के
क्रिया या लेन-देन से चलाई जा रही है।
7) निम्नलिखित अग्रिम लंबे समय से असमायोजित पड़े हैं:
2012-13 रामकृष्ण मिशन संस्थान रु. 8,300.00
2018-19 नाथको इन्फ्रा प्रोजेक्ट प्रा. लिमिटेड रु. 11,05,315.00
2018- 19 सीनियर पोस्ट मास्टर पार्क स्ट्रीट एचपीओ रु. 2,59,972.00
8)मेसर्स सेवन मुद्रान को 69,639.87 रुपये के प्राप्य के रूप में दिखाया गया है। एक लंबे समय के लिए जैसा कि संस्था द्वारा लंबे समय से उनके पास पड़े स्टॉक के रूप में दावा किया जाता है।
9) निम्नलिखित बकाया दायित्व लंबे समय से असमायोजित पड़े हैं
2009-2010 डॉ. बी.सी. देव मेमोरियल रु. 5000.00
2015-16 सेवा मुद्रण रु.8016.00
10) संस्था द्वारा डॉ.ए.के दे को सलाहकार के रूप में भुगतान करने पर 45000/- रुपये प्रति माह टीडीएस नहीं काटा गया।
11) संस्था ने निर्धारण वर्ष 2015-16, 2016-17,2017 -18, 2018-1 9, 2019-20 से आयकर रिटर्न दाखिल नहीं किया। ।
12) सभी कर्मचारियों पर संस्था द्वारा वेतन पर टीडीएस कम कटौती की जाती है। नीचे के रूप में उदाहरण के लिये.....
नाम वेतन टीडीएस काटा गया टीडीएस काटा जाना चाहिए
डॉ अरुण कुमार पांडे 120058.50 5000 12000
13) संस्था ने हमें 7700000/- रुपये के अनुदान पत्र की प्रति उपलब्ध नहीं कराई सन्दर्भ संख्या. है A|/ISCA/GEN/003/2020/6, तारीख 29.12.2020 है और इसे ए/सी संख्या 39196037175 में जमा किया गया है।
14) वित्तीय वर्ष 2015-16 और 2016-17 के लिए आय छिपाने के मामले को फिर से खोलने के लिए संस्था को आयकर विभाग से धारा 148 आयकर अधिनियम के तहत नोटिस भी प्राप्त हुआ।।

बंदोबस्ती कोष

1) बंदोबस्ती निधि की मीयादी जमाराशियों पर ब्याज प्राप्त होने पर प्रोद्भवन के आधार पर लेखा किया गया है आधार पर नहीं ।
2) बंदोबस्ती निधि से होने वाले ब्याज की भारी हानि के रूप में इसका पर्याप्त हिस्सा बैंक के पास सावधि जमा के बजाय बचत खाता में रखा जाता है । रु. 3,25,41,610.74 बंदोबस्ती निधि में 31/03/2021 की स्थिति के अनुसार के कुल शेष में से, रु. 1,77,54,955.00 सावधि जमा में रखा गया है और शेष 1,47,86,655.74 रुपये बचत खाते में है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में व्यय (पुरस्कार) शून्य है और 2019-20 में 2,60,271.80 है।बचत खाते में इतनी बड़ी राशि रखने के कारणों को स्पष्ट नहीं किया जा सका है।

इन मामलों में हमारी राय में बदलाव किया गया है।

प्रमुख लेखापरीक्षा मामले:

भौतिक संपत्ति सत्यापन पर कोविद -19 महामारी का प्रभाव:कोविड-19 स्थिति के कारण कार्यकारिणी समिति द्वारा चयनित व्यक्ति संपतियों का भौतिक सत्यापन संपतियों का भौतिक सत्यापन नहीं कर सका जब तक लेखा परीक्षा आयोजित की गई थी। इसलिए ऑडिट रिपोर्ट पढ़ते समय उसी पर विचार किया जाना चाहिए।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी:

इस स्टैंड को तैयार करने के लिए संस्था का प्रबंधन जिम्मेदार है। अकेले वित्तीय विवरण जो वित्तीय स्थिति का सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं वित्तीय प्रदर्शन और संस्था के बंद नकद/बैंक शेष
लेखांकन मानकों के अनुसार और लेखांकन के अनुसार भारत में आम तौर पर स्वीकृत सिद्धांत हैं। इस जिम्मेदारी में कानून के अनुसार पर्याप्त लेखा रिकॉर्ड का रखरखाव संस्था की संपत्ति की सुरक्षा और धोखाधड़ी को रोकने और पता लगाने के लिए और अन्य अनियमितताएं, उपयुक्त लेखा नीतियों का चयन और अनुप्रयोग भी शामिल है ,ऐसे निर्णय और अनुमान लगाना जो उचित और विवेकपूर्ण हों, और डिजाइन हों,आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का कार्यान्वयन और रखरखाव जो काम कर रहे थे प्रभावी ढंग से, लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय विवरण तैयार करने और प्रस्तुत करने के लिए प्रासंगिक है जो एक सत्य और निष्पक्ष दृष्टिकोण और भौतिक गलत विवरण से मुक्ति देता है, चाहे धोखाधड़ी के कारण हो या त्रुटि।

वित्तीय विवरण तैयार करने में, प्रबंधन का आकलन करने के लिए जिम्मेदार है एक चालू संस्था के रूप में जारी रहने की संगठन की क्षमता, लागू मामलों के रूप में प्रकट करना लेखांकन के गोइंग कंसर्न आधार का उपयोग करते हुए गोइंग कंसर्न विज्ञापन से संबंधित जब तक कि प्रबंधन या तो संघ को समाप्त करने या संचालन बंद करने का इरादा रखता है, या ऐसा करने के अलावा कोई वास्तविक विकल्प नहीं है।

प्रबंधन भी संस्था की वित्तीय निगरानी के लिए जिम्मेदार रिपोर्टिंग प्रक्रिया है।

वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षक के उत्तरदायित्व:

हमारा उद्देश्य वित्तीय विवरणों के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है:
संपूर्ण सामग्री गलत विवरण से मुक्त हैं, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण, और जारी करने के लिए एक लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जिसमें हमारी राय शामिल है। उचित आश्वासन उच्च स्तर का है
आश्वासन लेकिन गारंटी नहीं है कि एसएएस वसीयत के अनुसार आयोजित एक लेखा परीक्षा बाहर निकलने पर हमेशा एक भौतिक गलत विवरण का पता लगाएं। गलत बयानबाजी से उत्पन्न हो सकता है
धोखाधड़ी या त्रुटि और सामग्री मानी जाती है, यदि व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर, वे पर लिए गए उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को यथोचित रूप से प्रभावित करने की अपेक्षा की जा सकती है
इन वित्तीय विवरणों का आधार।

अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट:

हम रिपोर्ट करते हैं कि: i) हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण मांगे हैं और प्राप्त किए हैं जो सर्वोत्तम हैं
हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए हमारे ज्ञान और विश्वास की आवश्यकता थी;
(ii) हमारी राय में, कानून द्वारा आवश्यक खातों की उचित पुस्तकें किसके द्वारा रखी गई हैं
संस्था जहां तक उन पुस्तकों की परीक्षा से प्रकट होता है;
(iii)बैलेंस शीट, आय और व्यय खाता और प्राप्तियां और इस रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए भुगतान खाते की पुस्तकों के साथ समझौते में हैं
हिसाब किताब;
(iv) हमारी राय में उपरोक्त वित्तीय विवरण लेखांकन मानकों का अनुपालन करता है ICAI द्वारा जारी, जहां लागू हो, को छोड़कर

पेंशन, ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण (एएस-15) और मूल्यह्रास पर देनदारियों के लिए अचल संपत्तियों और इसके लिखित मूल्य (एएस - 10) का;
अंकेक्षक की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले मामलों के संबंध में, हमारी राय में और
(v)हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार;

i) संस्था अपनी वित्तीय पर लंबित मुकदमेबाजी के प्रभाव का खुलासा किया है नोट टू अकाउंट के तहत स्थिति नोट 11।
ii. संस्था के पास व्युत्पन्न अनुबंधों सहित कोई दीर्घकालिक अनुबंध नहीं था।
iii. ऐसी कोई राशि नहीं थी जिसे निवेशक को हस्तांतरित करने की आवश्यकता थी

मिश्रा मिश्रा एंड एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट

Misra Misra & Associates
IIIA/402-B
Mall Road
KANPUR

R.K Shukla
(Partner)
M.N: 403044
FRN: 6900C

आर.के. शुक्ला (साथी)
एम.एन:403044
UDIN - 2140 3044AAAAFJ3257
एफआरएन:6900सी

जगह: कानपुर
दिनांक:09/09/2021

	योग्यता का आधार:	जवाब
1.	वर्ष के दौरान सरकार से प्राप्त अनुदान को AS-12 के अनुसार बुक किया जाता है।उसी अनुदान के लिए समाधान उपलब्ध कराया गया है, लेकिन इसके लिए कोई समाधान नहीं किया गया है।कुल संपत्ति खाते और गैर आवर्ती निधि अनुदान के बीच उपलब्ध अंतर किया जा सकता है।	पिछले वर्षों से, ISCA ने AS-12 के अनुसार पूंजीगत अनुदान का लेखा-जोखा शुरू किया है। हालांकि, कुल संपत्ति खाते और गैर-आवर्ती निधि अनुदान के बीच अंतर के लिए समाधान अभी भी प्रक्रियाधीन है।
2.	बैंक द्वारा जमा किए गए सावधि जमा पर ब्याज स्रोत पर कर कटौती के निवल हैं। विभिन्न निधियों पर ब्याज कर के निवल लिया गया है जो सकल मूल्य पर होना चाहिए था। विभिन्न निधियों पर ब्याज से स्रोत पर काटे गए कुल आयकर हैं नीचे दिया गया; - क) वित्त वर्ष- 2020-21 रु. 6,81,761.00 (बंदोबस्ती निधि की FD पर) ख)वित्त वर्ष 2019-20 रु 9,25,883.00 रुपये (इसमें एंडोमेंट फंड की FD पर TDS शामिल है) ग)वित्तीय वर्ष-2018-19 रु. 8, 65,769.00 (बंदोबस्ती निधि की एफडी पर टीडीएस सहित-रु -1,16,075 रुपये) घ) वित्तीय वर्ष 2017-18 रु. 9,51,651.00 इनका हिसाब नहीं दिया गया है जिसके परिणामस्वरूप निधि को कम बताया गया है और निवेश मूल्य रु. 6, 81,761.00 (खातों की टिप्पणियों के लिए नोट संख्या 18(5) देखें)	बैंक द्वारा ब्याज पर टीडीएस के लिए जारी फॉर्म 16 स्पष्ट रूप से प्रतिबिंबित नहीं करता है कि किस ब्याज से टीडीएस काटा गया है इसके अलावा सभी 4 तिमाहियों में कुछ टीडीएस विवरण प्रमाण पत्र से गायब हैं इसलिए बैंक के साथ बार-बार चर्चा के बाद भी जमा ब्याज का उचित लेखा-जोखा नहीं किया जा सका। वर्ष 2021 के बाद से हर साल टैक्स ऑडिट और इनकम टैक्स फिलिंग पूरी की जानी है ताकि संस्था को टीडीएस का रिफंड मिल सके।
3.	रुपये 32,40,302 की आकस्मिक देयता। विवाद/अपील के तहत आयकर मांग के लिए नि.व. 2012-13 का खुलासा किया गया है खातों की टिप्पणियों के लिए नोट संख्या 18(6) देखें। हालाँकि, उसी की वर्तमान स्थिति हमें उपलब्ध नहीं कराई जा सकी। 1961 वित्तीय वर्ष 2015-'16 और 2016-17 के लिए वहाँ आयकर अधिनियम की धारा 148 के तहत मामले के लिए आगे आकस्मिक देयता हो सकता है।	आयकर अपील जो संबंधित वर्ष के लिए क्षेत्र में थी अभी तक सुनवाई के लिए तय नहीं है इसलिए मामला लंबित है।

4.	2020-21 के दौरान 25 शाखायो को भेजी गई राशि 42,00,375/-- इन शाखायों में से 14 शाखायो ने उपयोगिता प्रमाण पत्र भेज दिया है। उन्होंने 32,00,000/- रुपये खर्च किए हैं। विभिन्न उद्देश्यों को व्यय की प्रकृति से किसी संबंध के बिना चार्ज किया गया था और वास्तविक खर्च किया गया। वर्ष 2019-20 के दौरान 10 शाखायो ने 47,68,175.10 रुपये के उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा नहीं किया। (नोट 18 (8) से संदर्भ)	शाखायों को वर्ष 2020-21 एवं 2019-20 में उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं लेखापरीक्षित लेखा भिजवाने के संबंध में ई-मेल भेजा गया है। वर्ष 2019-20 के 25 शाखायों में से केवल 10 शाखायों ने आज तक रू. 47,68,175.10 मात्र का उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं कराया। वर्ष 2020-21 के लिए 25 शाखायों में से 11 शाखायों ने रू. 10,00,375 मात्र आज तक उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्रदान नहीं किया जो कि वे महामारी की स्थिति के कारण समय पर जमा नहीं कर सके और विस्तार के लिए अनुरोध किया है।
5.	संस्था विभिन्न उद्देश्यों के लिए विभिन्न फंड रखता है। यह देखा गया है कि बिल्डिंग फंड के मामले में, फंड बैलेंस निवेश मूल्य से मेल नहीं खाता जिसके लिए कोई सुलह, समझौता नहीं किया गया है।	बिल्डिंग फंड बैलेंस में अंतर अज्ञात कारण से लंबे समय से था।
6.	भवन निधि जो बहुत पहले सृजित की गई थी, बिना किसी खर्च के क्रिया या लेन-देन से चलाई जा रही है।	सचिव, डीएसटी को भी सलाह के लिए भेजा गया पत्र।
7.	निम्नलिखित अग्रिम लंबे समय से असमायोजित पड़े हैं: 2012-13 रामकृष्ण मिशन संस्थान रु. 8,300.00 2018-19 नाथको इन्फ्रा प्रोजेक्ट प्रा. लिमिटेड रु. 11,05,315.00 2018- 19 सीनियर पोस्ट मास्टर पार्क स्ट्रीट एचपीओ रु. 2,59,972.00	सभी पक्षों को भुगतान के लिए अनुस्मारक भेज दिया गया है।
8.	मेसर्स सेवन मुद्रान को 69,639.87 रुपये के प्राप्य के रूप में दिखाया गया है। एक लंबे समय के लिए जैसा कि संस्था द्वारा लंबे समय से उनके पास पड़े स्टॉक के रूप में दावा किया जाता है।	इस राशि को भुगतान के लिए उनके बिल के साथ समायोजित किया जाएगा।
9.	निम्नलिखित बकाया दायित्व लंबे समय से असमायोजित पड़े हैं 2009-2010 डॉ. बी.सी. देव मेमोरियल रु. 5000.00 2015-16 सेवा मुद्रण रु.8016.00	निम्नलिखित देयता को वित्तीय वर्ष 2021-22 में समायोजित किया जाएगा।
10.	संस्था द्वारा डॉ.ए.के दे को सलाहकार के रूप में भुगतान करने पर 45000/- रुपये प्रति माह टीडीएस नहीं काटा गया।	वर्ष में टीडीएस व्यय की कटौती की अनुमति नहीं दी जाएगी और सरकार को टीडीएस के साथ ब्याज भी देना होगा।

11.	संस्था ने निर्धारण वर्ष 2015-16, 2016-17,2017 -18, 2018-1 9, 2019-20 से आयकर रिटर्न दाखिल नहीं किया।	संस्था को टीडीएस रिफंड नहीं मिल सकता है और आयकर रिटर्न न भरने के कारण ब्याज का भुगतान करना पड़ता है।
12.	सभी कर्मचारियों पर संस्था द्वारा वेतन पर टीडीएस कम कटौती की जाती है। नीचे के रूप में उदाहरण के लिये..... नाम वेतन टीडीएस काटा गया टीडीएस काटा जाना चाहिए डॉ अरुण कुमार पांडे 120058.50 5000 12000	टीडीएस की गलत कटौती के कारण ब्याज देना पड़ता है।
13.	संस्था ने हमें 7700000/- रुपये के अनुदान पत्र की प्रति उपलब्ध नहीं कराई सन्दर्भ संख्या. है A/ISCA/GEN/003/2020/6, तारीख 29.12.2020 है और इसे ए/सी संख्या 39196037175 में जमा किया गया है।	अनुदान पत्र न मिलने के कारण अनुदान के उद्देश्य का पता नहीं चल सका।
	<u>बंदोबस्ती कोष</u>	
1.	सावधि जमा पर अर्जित वास्तविक ब्याज सभी निधियों का लेखांकन प्राप्ति के आधार पर किया गया है न कि प्रोद्भवन के आधार।	सावधि जमा पर अर्जित वास्तविक ब्याज सभी निधियों पर मासिक आधार पर जमा किया जाता है। इसलिए प्रोद्भवन के आधार पर लेखांकन का प्रश्न ही नहीं उठता।
2.	बंदोबस्ती कोष से अर्जित ब्याज में अत्यधिक ह्रास हुआ क्योंकि इसका एक बड़ा हिस्सा बैंक में मियादी जमा के स्थान पर बचत खाते के रूप में रखा गया है। 31/03/2021 को बंदोबस्ती कोष की कुल राशि रु 3,25,41,610.74 में से मियादी जमा के रूप में रु 1,77,54,955.00 तथा शेष राशि रु 1,47,86,655.74 बचत खाते में रखा था वित्तीय वर्ष 2020-21 में व्यय (पुरस्कार) शून्य और 2019-20 में 2,60,271.80 था बचत खाते में इतनी बृहद राशि को रखने के कारण की व्याख्या नहीं की जा सकी।	सभी बंदोबस्ती खातों के बचत खाते की शेष राशि को सावधि जमा में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया चल रही है।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

14, डॉ बीरेश गुहा स्ट्रीट, कोलकाता - 700017

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान लेखे से सम्बंधित समेकित विवरण

प्राप्तियां					भुगतान			
विवरण	योजना	गैर योजना	कुल		विवरण	योजना	गैर योजना	कुल
	(₹)	(₹)	(₹)			(₹)	(₹)	(₹)
प्रारम्भिक नकद एवं बैंक शेष					स्थापना	1,75,63,391.50	7,70,220.00	1,83,33,611.50
हाथ में रोकड़	-	-	2,000.00		कर्मचारी नई पेंशन निधि में अंशदान	7,55,848.00	-	7,55,848.00
बैंक में शेष रोकड़ एस बी आई में रोकड़	-	-	38,87,744.02		कर्मचारी पेंशन निधि में अंशदान	67,43,029.00		67,43,029.00
स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया बचत खाता	-	-	3,005.00		विद्युत प्रभार		2,96,939.00	2,96,939.00
सेंटल बैंक ऑफ़ इंडिया	-	-	1,33,56,049.17		दूरभाष प्रभार	71,958.60	-	71,958.60
सेंटल बैंक ऑफ़ इंडिया बचत खाता			2,500.00		परिवहन व्यय	18,386.00	-	18,386.00
	-	-	-		नगरपालिका कर	949.00	-	949.00
सदस्यता शुल्क सभी वर्ग	6,28,104.00		6,28,104.00		प्रीपेड बीमा	18,803.00	-	18,803.00
प्रवेश शुल्क	10,400.00	-	10,400.00		सुरक्षा गार्ड पर व्यय	16,15,092.00	-	16,15,092.00
आजीवन सदस्यता शुल्क	-	-	12,94,670.00		सफाई एवं भवन अनुरक्षण	5,27,628.00	-	5,27,628.00
डाक व्यय		1,525.00	1,525.00		छुट्टी यात्रा रियायत	27,637.00	-	27,637.00
सरकारी अनुदान			6,64,00,000.00		बीमा	16,100.00	-	16,100.00
प्रकाशन बिक्री			-		अतिथि गृह सम्बन्धी व्यय	53,280.00		53,280.00
लोक सचना निधि			-		विज्ञापन	-	38,900.00	38,900.00
जर्नल सम्बन्धी शुल्क (गैर सदस्य)	-	11,000.00	11,000.00		अनुभागीय अध्यक्षों एवं संयोजकों से सम्बंधित डाक व्यय	-	-	-
विविध आय			29,650.00		विद्यमान सविधाओं का उन्नयन एवं उनमें सुधार	-	3,99,334.00	3,99,334.00
वसूला गया अग्रिम			-		सामान्य प्रिंटिंग	-	4,61,634.00	4,61,634.00
सामान्य	-	-	-		फर्नीचर एवं फिटिंग्स	-	4,93,800.00	4,93,800.00
प्लेटिनम जबली व्याख्यान		10,000.00	10,000.00		कार्यवाहियों का स्वैच्छिक योगदान	29,144.00	-	29,144.00
अतिथि गृह में रहने का प्रभार		-	-		जर्नल का प्रकाशन	8,54,344.00	-	8,54,344.00
जर्नल विज्ञापन		-	-		टी डी एस ठेकेदार	(3,388.00)	-	(3,388.00)
संस्था के व्याख्यान कक्ष से सम्बंधित			-		लेखन - सामग्री प्रभार		20,855.00	20,855.00
प्रतिधारण धन			-		डाक व्यय		1,15,819.80	1,15,819.80
अर्जित ब्याज	4,33,905.00		4,33,905.00		आकस्मिक व्यय		39,452.00	39,452.00
युवा वैज्ञानिक आकस्मिक	2,000.00		2,000.00		यात्रा व्यय		3,89,141.00	3,89,141.00
			-		बच्चों की प्रतिपूर्ति शिक्षा भत्ता	2,43,000.00	-	2,43,000.00
			-		आई एस सी ए शाखाएं		42,00,375.00	42,00,375.00
					संगोष्ठी, परिसंवाद, वाद - विवाद एवं व्याख्यान आयोजित			
					राजभाषा के लिए व्यय			
					पर्व दत्त खर्चे			
					युवा वैज्ञानिक विज्ञापन			
					अग्रिम			
					साधारण			
					जमा			
					हिंदी सप्ताह का मानदेय			
					भवन की मरम्मत और नवीनीकरण			
					देय भविष्य निधि			

विवरण	योजना (रु)	गैर योजना (रु)	कल (रु)	विवरण	योजना (रु)	गैर योजना (रु)	कल (रु)
				ऑडिट व्यय	29,500.00		29,500.00
				विधिक व्यय		84,070.00	84,070.00
				युवा वैज्ञानिक परस्कार			-
				युवा वैज्ञानिक यात्रा व्यय		37,800.00	37,800.00
				युवा वैज्ञानिक आकस्मिक व्यय		500.00	500.00
				बैठक फीस		5,41,500.00	5,41,500.00
				सत्रीय खर्चे		(0.00)	(0.00)
				ए सी प्लांट का परिचालन एवं रख रखाव			-
				आजीवन सदस्यता शल्क निधि में अंतरण		60,94,000.00	60,94,000.00
				बकाया देय	1,83,882.00	17,48,994.60	19,32,876.60
				छटटी नकदीकरण निधि	5,08,950.00	-	5,08,950.00
				ग्रेच्यटी निधि	8,39,768.00		8,39,768.00
				पैंशन का विनिमय	8,55,455.00		8,55,455.00
				प्रतिधारण धन			-
				उपकरण		11,151.00	11,151.00
				युवा वैज्ञानिक विज्ञापन			-
				बैंक प्रभार	7,134.75		7,134.75
				रोकड शेष एवं बैंक जमा राशि	-	-	-
				हस्तगत रोकड	-	-	2,000.00
				बैंक में शेष रोकड एस बी आई में रोकड	-	-	-
				सैंटल बैंक ऑफ़ इंडिया में रोकड	-	-	
				स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया बचत खाता			1,33,92,811.06
				सैंटल बैंक ऑफ़ इंडिया बचत खाता			2,17,31,791.72
	10,74,409.00	**22,525.00**	**8,60,72,552.19**		**3,26,21,265.85**	**1,83,24,683.56**	**8,60,72,552.19**

एस. रामकृष्ण

डॉ एस रामकृष्ण
महा सचिव (सदस्यता

डॉ शिव सत्य प्रकाश
कोषाध्यक्ष

कृते मिश्रा मिश्रा एवं सहयोगियों के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट

R.K Shukla
(Partner)
M.N: 403044
FRN: 6900C

स्थान कानपुर
दिनांक 09.09.2021

भारतीय विज्ञानं कांग्रेस संस्था

14 , डॉ बीरेश गुहा स्ट्रीट , कोलकाता - 700017

31 मार्च, 2021 के रूप में तुलन पत्र

(Amount in Rs.)

	Particulars	Note	As at	As at
I	देताय			
1				
(क)	भंडार और अधिशेष - फंड	1	17,19,19,140.68	13,73,03,979.35
	गैर आवर्ती निधि अनुदान	1a	2,37,85,407.67	2,37,85,407.67
	पूँजी अनुदान	1b	1,95,53,000.00	1,95,53,000.00
2	गैर - वर्तमान देताय			
(क)	लम्बी - अवधि के प्रावधान	2	3,73,59,206.07	3,74,75,924.45
3	मौजूदा देनदारी			
(क)	नई मौजूदा देनदारियां	3	8,57,334.70	44,19,117.60
	कल		25,34,74,089.12	22,25,37,429.07
II	संपत्ति			
1	गैर तात्कालिक परिसंपत्ति			
(क)	संपत्ति			
	i मूर्त संपत्ति	4	2,45,67,743.77	2,54,51,215.66
	i (क) प्रगति कार्य में मूर्त संपत्ति	4	1,50,52,492.70	1,50,52,492.75
	ii अमूर्त संपत्ति	4		
	ii क) पूँजीगत कार्य प्रगति पर अमूर्त	4		
(ख)	गैर मौजूदा निवेश	5	17,23,11,610.93	16,04,16,509.69
(ग)	लम्बी - अवधिऋण और अग्रिम	6	15,52,206.00	17,83,154.00
(घ)	अन्य गैर - मौजूदा संपत्ति।	7	3,87,914.51	3,87,914.51
2	मौजूदा संपत्ति			
(क)	माल	8		
(ख)	नगद और नगद समक्ष	9	3,51,29,311.18	1,72,53,933.59
(ग)	लघ - अवधिऋण और अग्रिम	10		
(घ)	अन्य मौजूदा संपत्ति	11	44,72,810.03	21,92,208.87
	कल		25,34,74,089.12	22,25,37,429.07
	महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	17		
	लेखा पर नोट्स	18		

नोट इन वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न
नोट इन वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न
हमारी इसी तारीख की सलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कते मिश्रा मिश्रा एवं सहयोगियों के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट

R.K Shukla
(Partner)
M.N: 403044
FRN: 6900C

आर के शक्ला
भागीदार

एस रामकृष्ण
डॉ एस रामकृष्ण
महा सचिव (सदस्यता

डॉ शिव सत्य प्रकाश
कोषाध्यक्ष

स्थान कानपर
दिनांक 09.09.2021

भारतीय विज्ञानं कांग्रेस संस्था

14 , डॉ बीरेश गुहा स्ट्रीट , कोलकाता - 700017

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए योजनागत आय व्यय का लेखा

Sr. No	Particulars	NOTE	2020-21 Rs	2019-20 Rs
क.	आय			
1	सरकार से अनदान	12	6,64,00,000.00	6,39,27,000.00
	कम : आशतोष मखर्जी निधि में स्थांनांतरण		20,00,000.00	46,00,000.00
	कम : योजना निर्माण से भवन निधि में		-	-
	कम: गैर आवर्ती निधि में स्थानान्तरण		-	-
			6,44,00,000.00	5,93,27,000.00
2	अन्य कार्यकलापों में आय	13	20,31,768.00	43,75,551.26
			6,64,31,768.00	**6,37,02,551.26**
ख	व्यय			
3	वैज्ञानिक कार्यकलापों एंड परस्कारों में खर्च	14	54,65,797.00	1,70,34,693.00
4	अन्य खर्च	15	67,62,248.85	1,72,59,983.04
5	कर्मचारियों के लाभ का खर्च	16	2,60,79,602.50	2,59,76,153.63
6	ह्रास	4	13,77,271.94	15,42,091.32
			3,96,84,920.29	**6,18,12,920.99**
	आय से अधिक व्यय पर		2,67,46,847.71	18,89,630.27
	जोड : अधिवेश (घाटा) पिछले साल से प्राप्त		(88,38,499.23)	(1,07,28,129.50)
			1,79,08,348.48	**(88,38,499.23)**
	महत्वपर्ण लेखा नीतियां	17		
	लेखा पर नोटस	18		

नोट इन वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न हिस्सा है

नोट इन वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न हिस्सा है

हमारी इसी तारीख की सलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते मिश्रा मिश्रा एवं सहयोगियों के लिए

चार्टर्ड अकाउंटेंट

R.K Shukla
(Partner)
M.N: 403044
FRN: 6900C

एस.रामकृष्ण

शि.स.प्रकाश

आर के शकला **भागीदार**	**डॉ एस रामकृष्ण** **महा सचिव (सदस्यता**	**डॉ शिव सत्य प्रकाश** **कोषाध्यक्ष**

स्थान कानपुर

दिनांक 09.09.2021

31मार्च2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए वित्तीय लेखा की अनुसूचियाँ

	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष पर राशि (रु)	31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष पर राशि (रु)
अनुसूची 1		
निधि		
अन्य निधि		
सामान्य निधि		
उदघाटन राशि	13,17,871.51	13,14,177.48
वर्ष के दौरान जोड़ राशि	3,791.62	3,694.03
वर्ष के दौरान भुगतान	-	-
वर्ष के अंत में शदध अधिशेष	13,21,663.13	13,17,871.51
आरक्षित निधि		
उदघाटन राशि	81,23,930.03	75,42,648.70
वर्ष के दौरान जोड़ राशि	6,58,728.19	5,81,281.33
वर्ष के अंत में शदध अधिशेष	87,82,658.22	81,23,930.03
सार्वजनिक सूचना अधिकारी निधि		
उदघाटन राशि	2,635.40	4,100.00
वर्ष के दौरान जोड़ राशि	73.00	178.60
वर्ष के दौरान भुगतान		1,643.20
वर्ष के अंत में शदध अधिशेष	2,708.40	2,635.40
सर आशुतोष मुख़र्जी फ़ेलोशिप अवार्ड फंड		
उदघाटन राशि	16,96,043.00	16,96,043.00
वर्ष के दौरान जोड़ राशि	20,25,505.00	
वर्ष के दौरान भुगतान	36,80,000.00	
वर्ष के अंत में शदध अधिशेष	41,548.00	16,96,043.00
कल	1,01,48,577.75	1,11,40,479.94
सम्पति कोष		
भवन निधि		
उदघाटन राशि	11,67,641.47	11,67,641.47
वर्ष के दौरान जोड़ राशि	50,107.88	
वर्ष के अंत में शदध अधिशेष	12,17,749.35	11,67,641.47
आवास निर्माण अग्रिम निधि		
उदघाटन राशि	11,68,870.78	11,68.870.47
वर्ष के दौरान जोड़ राशि	61,633.22	
वर्ष के अंत में शदध अधिशेष	12,30,504.00	11,68,870.47
आई एस सी ए विकास निधि		
उदघाटन राशि	1,35,17,922.17	1,28,97,879.38
वर्ष के दौरान जोड़ राशि	6,27,776.05	6,20,042.79
वर्ष के अंत में शदध अधिशेष	1,41,45,698.22	1,35,17,922.17
योजना आवास निधि		
उदघाटन राशि	1,75,07,545.32	1,75,07,545.32
वर्ष के दौरान जोड़ राशि		
वर्ष के दौरान जोड़ राशि	1,75,07,545.32	1,75,07,545.32
कल	3,41,01,496.89	3,33,61,979.74
आजीवन सदस्यता शुल्क निधि		
उदघाटन राशि	10,16,40,018.90	9,27,88,766.20
वर्ष के दौरान जोड़ राशि	87,09,608.66	1,00,83,135.15
	11,03,49,627.56	10,28,71,901.35
वर्ष के दौरान भुगतान	5,88,910.00	12,31,882.45
वर्ष के अंत में शदध अधिशेष	10,97,60,717.56	10,16,40,018.90
कल	10,97,60,717.56	10,16,40,018.90
आय व्यय खाते में जमा शेष	(रु)	(रु)
उदघाटन राशि	(88,38,499.23)	(1,07,28,129.50)
वर्ष के दौरान जोड़ राशि	2,67,46,847.71	18,89,630.27
वर्ष के अंत में शदध अधिशेष	1,79,08,348.48	(88,38,499.23)
कल	17,19,19,140.68	13,73,03,979.35

अनुसूची 1 क			
	गैर आवर्ती निधि अनुदान		
	उदघाटन राशि	2,37,85,407.67	2,37,85,407.67
	वर्ष के दौरान जोड़ राशि		-
	वर्ष के अंत में शदध अधिशेष	2,37,85,407.67	2,37,85,407.67
अनुसूची 1 ख			
	पूंजी अनुदान		
	उदघाटन राशि	1,95,53,000.00	-
	अन्य	-	45,53,000.00
	आवास	-	1,50,00,000.00
		1,95,53,000.00	1,95,53,000.00
अनुसूची 2			
	गैर - मौजूदा देनदारियां		
	लम्बी अवधि के		
	ग्रेच्युटी फंड		
	उदघाटन राशि	1,41,54,458.42	1,77,15,323.11
	वर्ष के दौरान जोड़ राशि	7,19,031.55	8,07,994.31
		1,48,73,489.97	1,85,23,317.42
	वर्ष के दौरान भुगतान	8,39,768.00	43,68,859.00
			-
	वर्ष के अंत में शदध अधिशेष	1,40,33,721.97	1,41,54,458.42
	पेंशन निधि		
	उदघाटन राशि	1,29,13,880.34	1,76,17,640.15
	वर्ष के दौरान जोड़ राशि (ब्याज)	7,50,344.87	8,93,044.19
	वर्ष के दौरान जोड़ राशि (अन्य	67,43,029.00	63,87,261.00
		2,04,07,254.21	2,48,97,945.34
	वर्ष के दौरान भुगतान	75,32,273.00	1,19,84,065.00
	वर्ष के अंत में शदध अधिशेष	1,28,74,981.21	1,29,13,880.34
	छटटी नगदीकरण		
	उदघाटन राशि	1,04,07,585.69	1,31,90,877.09
	वर्ष के दौरान जोड़ राशि	5,51,867.20	6,18,004.60
		1,09,59,452.89	1,38,08,881.69
	वर्ष के दौरान भुगतान	5,08,950.00	34,01,296.00
		-	
	वर्ष के अंत में शदध अधिशेष	1,04,50,502.89	1,04,07,585.69
	कल	3,73,59,206.07	3,74,75,924.45
अनुसूची 3			
	मौजूदा देनदारियां		
	गैर योजना	2,57,706.70	2,13,892.00
	योजना	1,86,026.00	18,24,273.60
		4,43,732.70	20,38,165.60
	जमा		
	पिछले खाते के	3,05,832.00	3,38,204.00
	जोड़ जोड़	-	-
		3,05,832.00	3,38,204.00
	कम :भुगतान	-	32,372.00
		3,05,832.00	3,05,832.00
	योजना प्रतिधारण धन		
	प्रारम्भिक	1,07,770.00	1,07,770.00
	वर्ष के दौरान जोड़	-	-
		1,07,770.00	1,07,770.00
	कम वर्ष के दौरान भुगतान	-	-
	वर्ष के अंत में शदध अधिशेष	1,07,770.00	1,07,770.00
	अग्रिम		
	सदस्यता अंशदान	-	-
	सदस्यता आवेदन	-	19,67,350.00
		-	19,67,350.00
	कुल	8,57,334.70	44,19,117.60

भारतीय विज्ञानं कांग्रेस संस्था

अनसूची-4 -2020-2021 के अचल संपति

	विवरण	दर	मूल कीमत 01.04.2020 को	योग	विक्रय / समायोजन	कुल कीमत 31-03-21 को	ह्रास 31.03.2020 तक	ह्रास वर्ष के लिए	समायोजन ह्रास	कुल 31.03.2021 तक ह्रास	शुद्ध ब्लॉक 31-03-21 को	शुद्ध ब्लॉक 31-03-20 को	31.03.21 तक न माना गया ह्रास
			(₹)	(₹)	(₹)	(₹)	(₹)	(₹)	(₹)	(₹)	(₹)	(₹)	(₹)
	भवन निधि संबंधी												
	मख्य भवन	10	4,32,682.25	-	-	4,32,682.25	1,09,603.36	13,092.61	-	1,22,695.97	3,09,986.28	3,23,078.89	1,92,152.83
	उपभवन	10	64,191.61	-	-	64,191.61	12,798.02	379.65	-	13,177.67	51,013.97	51,393.62	47,597.14
	कल		4,96,873.86	-	-	4,96,873.86	1,22,401.38	13,472.25	-	1,35,873.63	3,61,000.27	3,74,472.52	2,39,749.97
2)	कार्यालय की साज - सज्जा के												
	योजनार्थ अनदान संबंधी												
	साज - सज्जा अतिरिक्त	10	89,35,512.82	-	-	89,35,512.82	25,93,749.30	5,21,863.32	-	31,15,612.62	58,19,900.18	63,41,763.50	11,23,130.28
	नलकप	10	4,67,573.12	-	-	4,67,573.12	34,712.23	1,029.64	-	35,741.87	4,31,831.25	4,32,860.89	4,22,564.50
	व्याख्यान कक्ष का	10	37,44,567.74	-	-	37,44,567.74	4,86,304.48	60,862.97	-	5,47,167.45	31,97,400.30	32,58,263.27	28,32,222.50
	कल		1,31,47,653.68	-	-	1,31,47,653.68	31,14,766.01	5,83,755.93	-	36,98,521.94	94,49,131.73	1,00,32,887.66	43,77,917.28
3)	गैर योजना अनावर्तित निधि अनदान संबंधी												
	फैक्स मशीन	10	51,979.20	-	-	51,979.20	1,439.11	42.64	-	1,481.75	50,497.45	50,540.09	50,113.08
	EPABX मशीन	10	1,72,920.00	-	-	1,72,920.00	53,419.91	2,576.59	-	55,996.50	1,16,923.50	1,19,500.09	93,734.15
	कल		2,24,899.20	-	-	2,24,899.20	54,859.02	2,619.24	-	57,478.26	1,67,420.94	1,70,040.18	1,43,847.23
4)	गैरज भवन निधि अनदान संबंधी												
	गैरज भवन	10	10,701.95	-	-	10,701.95	2,543.01	75.42	-	2,618.43	8,083.52	8,158.94	7,404.66
	कल		10,701.95	-	-	10,701.95	2,543.01	75.42	-	2,618.43	8,083.52	8,158.94	7,404.66
5)	टाडपराडटर सनावर्ती निधि अनदान संबंधी												
	टाडपराडटर	10	9,088.79	-	-	9,088.79	18.80	0.57	-	19.37	9,069.41	9,069.98	9,064.26
	कल		9,088.79	-	-	9,088.79	18.80	0.57	-	19.37	9,069.41	9,069.98	9,064.26
6)	योजनागत अनावर्ती निधि अनदान सम्बन्धी												
	टाडपराडटर	10	48,417.49	-	-	48,417.49	4,147.90	123.01	-	4,270.91	44,146.58	44,269.59	43,039.44
	फर्नीचर												
	सामान्य	10	11,45,142.81	-	-	11,45,142.81	4,63,621.64	30,415.47	-	4,94,037.11	6,51,105.70	6,81,521.17	3,77,366.51
	व्याख्यान कक्ष	10	90,726.00	-	-	90,726.00	54,945.48	2,447.41	-	57,392.89	33,333.11	35,780.52	11,306.40
	अतिथि गह	10	9,06,584.00	4,93,800.00	-	14,00,384.00	5,57,142.07	34,465.94	-	5,91,608.01	8,08,775.99	3,49,441.93	45,368.79
	मख्य भवन वातानकलन	10	11,81,906.49	-	-	11,81,906.49	5,20,308.11	22,803.90	-	5,43,112.01	6,38,794.48	6,61,598.38	4,33,559.37

	III) उपभवन का वातानकल	10	4,36,044.00	-	-	4,36,044.00	1,38,928.91	22,897.68	-	1,61,826.59	2,75,945.41	2,98,843.09	69,866.25
	IV) अनलिपियात्रा	10	17,748.90	-	-	17,748.90	986.79	29.25	-	1,016.04	16,732.86	16,762.11	16,469.58
	V) जनार	10	35,755.75	-	-	35,755.75	2,953.96	87.63	-	3,041.59	32,714.16	32,801.79	31,925.46
	VI) इलेक्टॉनिक टाइपराइटर	10	31,642.97	-	-	31,642.97	1,752.66	51.98	-	1,804.63	29,838.34	29,890.31	29,370.49
	vii) जेरॉक्स मशीन	10	80,529.61	-	-	80,529.61	53,516.40	2,701.32	-	56,217.72	24,311.89	27,013.21	-
	viii) कंप्यटर	60	10,09,849.99	-	-	10,09,849.99	5,32,298.23	21,002.31	-	5,53,300.54	4,56,549.45	4,77,551.76	4,42,547.90
	ix) प्रोजेक्टर	10	52,600.00	-	-	52,600.00	26,383.90	2,621.61	-	29,005.51	23,594.48	26,216.09	1,01,335.90
	x) चारदीवारी का निर्माण	10	1,01,656.95	-	-	1,01,656.95	12,464.80	369.75	-	12,834.55	88,822.40	89,192.15	85,494.63
	xi) संस्था की पराणी	60	1,68,786.10	-	-	1,68,786.10	60,525.48	0.10	-	60,525.58	1,08,260.53	1,08,260.63	1,08,260.46
	xii) संस्था के प्रदर्शनी बोर्ड का	10	3,17,425.00	-	-	3,17,425.00	1,45,100.47	10,496.07	-	1,55,596.54	1,61,828.46	1,72,324.53	67,363.86
	xiii) जनसंबोधन प्रणाली	10	84,725.00	-	-	84,725.00	35,318.29	1,047.67	-	36,365.96	48,359.04	49,406.71	38,930.03
	xiv) ईमेल	60	13,500.00	-	-	13,500.00	13,499.00	-	-	13,499.00	1.00	1.00	-
	xv) कार्यालय की कार	15	7,20,686.00	-	-	7,20,686.00	2,20,997.42	35,301.64	-	2,56,299.06	4,64,386.93	4,99,688.57	2,64,344.30
	xvi) वेबसाइट	60	65,900.00	-	-	65,900.00	43,014.37	3.22	-	43,017.59	22,882.41	22,885.63	22,880.26
	xvii) लैपटॉप	60	3,57,860.00	-	-	3,57,860.00	3,55,763.65	1,257.81	-	3,57,021.46	838.54	2,096.35	-
	xviii) सॉफ्टवेयर	60	5,98,247.00	-	-	5,98,247.00	5,98,246.00	-		5,98,246.00	1.00	1.00	-
	कल		74,65,734.06	4,93,800.00	-	79,59,534.06	38,41,915.53	1,88,123.79	-	40,30,039.32	39,31,222.73	36,25,546.52	21,89,429.63
7)	राष्ट्रीय कषि अकादमी के अनावर्ती अनदान से सम्बंधित												
	प्रिंटर सहित कंप्यटर	60	2,86,825.00	-	-	2,86,825.00	13,262.79	0.02	-	13,262.81	2,73,562.19	2,73,562.21	2,73,562.17
	लॉन की स्थापना	60	50,500.00	-	-	50,500.00	2,356.12	0.01	-	2,356.13	48,143.87	48,143.88	48,143.87
	फर्नीचर	10	52,190.00	-	-	52,190.00	21,200.25	628.83	-	21,829.08	30,360.92	30,989.75	24,701.39
	कल		3,89,515.00	-	-	3,89,515.00	36,819.17	628.87	-	37,448.02	3,52,066.98	3,52,695.84	3,46,407.43
	जर्नल का योजनागत शल्क	60	47,79,304.46	-	-	47,79,304.46	8,54,242.69	53.63	-	8,54,296.32	39,25,008.14	39,25,061.77	39,24,972.39
	कल		47,79,304.46	-	-	47,79,304.46	8,54,242.69	53.63	-	8,54,296.32	39,25,008.14	39,25,061.77	39,24,972.39
8)	योजनागत तदर्भ निधि												
	मरम्मत एवं नवीनीकरण	100	17,348.60	-	-	17,348.60	17,348.60	-	-	17,348.60	-	-	-
	अतिथिगह का वतनकलन	10	52,750.90	-	-	52,750.90	40,683.22	1,206.77	-	41,889.99	10,860.91	12,067.68	-
	एलेक्ट्रोकोपिएर मशीन	10	22,080.00	-	-	22,080.00	17,028.65	505.13	-	17,533.78	4,546.22	5,051.35	
	कल		92,179.50	-	-	92,179.50	75,060.47	1,711.90	-	76,772.37	15,407.13	17,119.03	-
9)	अनोददिष्टि अचल सम्पति												
	फर्नीचर एवं जनर												
	सामान्य	10	8,407.84	-	-	8,407.84	552.14	16.36	-	568.50	7,839.34	7,855.70	7,692.11
	पस्तकालय	10	8,153.95	-	-	8,153.95	6,288.65	186.53	-	6,475.18	1,678.77	1,865.30	-
	व्याख्यान कक्ष	10	41,454.45	-	-	41,454.45	31,970.93	948.35	-	32,919.28	8,535.17	9,483.52	-
	कार्यालय एवं अभिलेख कक्ष	10	23,228.54	-		23,228.54	17,914.51	531.40	-	18,445.91	4,782.63	5,314.03	-
	अतिथिगह	10	7,847.20	-	-	7,847.20	6,052.20	179.50	-	6,231.70	1,615.49	1,794.99	-
	उपस्कर	10	6,50,833.42			6,50,833.42	2,63,904.68	38,692.91	-	3,02,597.59	3,48,236.19	3,86,929.10	-
	कल		7,39,925.40	-	-	7,39,925.40	3,26,683.10	40,555.05	-	3,67,238.16	3,72,687.59	4,13,242.65	7,692.11

10	आशुतोष मुखर्जी की पुरातभी	10	1,00,000.00	-	-	1,00,000.00	62,469.81	1,853.00	-	64,322.81	35,677.19	37,530.00	19,000.00
			1,00,000.00	-	-	1,00,000.00	62,469.81	1,853.00	-	64,322.81	35,677.19	37,530.00	19,000.00
11	कार्यालय के स्वचालन के अनदान से योजना												
	i) प्रिंटर सहित कंप्यटर	10	3,40,162.00	-	-	3,40,162.00	1,53,207.05	438.21	-	1,53,645.26	1,86,516.74	1,86,954.95	1,82,572.80
	II) फर्नीचर	10	37,110.00	-	-	37,110.00	23,731.09	703.95	-	24,435.04	12,674.96	13,378.91	6,339.45
	III) जनरेटर	10	4,70,909.00	-	-	4,70,909.00	80,237.30	34,115.61	-	1,14,352.91	3,56,556.09	3,90,671.70	49,515.60
	IV) जेरॉक्स मशीन	10	1,05,000.00	-	-	1,05,000.00	43,074.64	6,192.82	-	49,267.46	55,735.42	61,928.24	1,32,829.52
	v) फैक्स मशीन	10	16,500.00	-	-	16,500.00	8,112.49	240.65	-	8,353.14	8,146.86	8,387.51	5,981.25
	vi) लेख एवं सदस्यता के												
	सॉफ्टवेयर पैकेज	60	74,970.00	-	-	74,970.00	74,967.17	-	-	74,967.17	-	-	-
	कल		10,44,651.00	-	-	10,44,651.00	3,83,329.74	41,691.25	-	4,25,020.98	6,19,630.07	6,61,321.31	3,77,238.62
12	भवन												
	तीसरे फर्श का निर्माण	10	79,21,163.13	-	-	79,21,163.13	49,18,835.53	3,00,232.76	-	52,19,068.29	27,02,094.83	30,02,327.59	-
	निर्माण लिफ्ट	10	33,64,311.00	-		33,64,311.00	12,71,645.13	1,11,451.78		13,83,096.91	19,81,214.09	20,92,665.87	-
	मार्बल प्लान्क का निर्माण	10	10,000.00	-	-	10,000.00	6,481.38	351.86	-	6,833.24	3,166.76	3,518.62	-
		10	9,06,946.25	-		9,06,946.25	1,81,389.26	90,694.63	-	2,72,083.88	6,34,862.37	7,25,557.00	-
	कल		1,22,02,420.38	-	-	1,22,02,420.38	63,78,351.29	5,02,731.02	-	68,81,082.32	53,21,338.05	58,24,069.08	-
			4,07,02,947.28	**4,93,800.00**	**-**	**4,11,96,747.28**	**1,52,53,460.00**	**13,77,271.93**	**-**	**1,66,30,731.93**	**2,45,67,743.75**	**2,54,51,215.48**	**1,16,42,723.58**

अनुसूची 5		
गैर चालू निवेश		
	(रु)	**(रु)**
सामान्य निधि		
अंतरिम जमा	63,230.38	59,438.76
बैंक में		-
	63,230.38	59,438.76
प्रारक्षित निधि		
अंतरिम जमा	83,14,680.75	77,16,599.56
बैंक में	4,17,977.47	3,57,330.47
	87,32,658.22	80,73,930.03
पेंशन निधि		
अंतरिम जमा	1,09,15,383.21	1,02,31,249.34
बैंक में	16,55,063.00	24,44,307.00
	1,25,70,446.21	1,26,75,556.34
भवन निधि		
अंतरिम जमा	8,47,113.56	7,98,275.68
बैंक में	47,479.93	46,209.93
	8,94,593.49	8,44,485.61
आजीवन सदस्यता निधि		
अंतरिम जमा	9,68,17,216.58	8,97,06,164.92
बैंक में	1,28,22,540.98	81,12,053.98
	10,96,39,757.56	9,78,18,218.90
उपदान निधि		
अंतरिम जमा	1,09,10,748.27	1,02,96,657.72
बैंक में	31,22,973.70	38,57,800.70
	1,40,33,721.97	1,41,54,458.42
भवन निर्माण अग्रिम निधि		
अंतरिम जमा	8,75,922.91	8,23,772.69
बैंक में	3,54,581.08	3,45,098.08
	12,30,503.99	11,68,870.77
संस्था विकास निधि		
अंतरिम जमा	92,64,556.36	91,55,372.31
बैंक में	48,81,141.86	43,62,549.86
	1,41,45,698.22	1,35,17,922.17
छुट्टी तुलना निधि		
अंतरिम जमा	83,06,506.89	78,25,582.69
बैंक में	26,52,946.00	25,82,003.00
	1,09,59,452.89	1,04,07,585.69
संस्था आशुतोष मुखर्जी निधि		
अंतरिम जमा	-	-
बैंक में	41,548.00	16,96,043.00
	41,548.00	16,96,043.00
कुल	17,23,11,610.93	16,04,16,509.69
अनुसूची 6		
लम्बी अवधि ऋण और अग्रिम		
अग्रिम सामान्य	15,19,096.00	17,83,154.00
अग्रिम कर्मचारी	33,110.00	
	15,52,206.00	17,83,154.00
अनुसूची 7		
अन्य गैर मौजूदा परिसंपत्तियां		
हाईटेंशन लाइन के लिए सुरक्षा जमा	3,76,914.51	3,76,914.51
सी ई एस सी लिमिटेड में सुरक्षा जमा	1,000.00	1,000.00
टेलेक्स के लिए सुरक्षा जमा	10,000.00	10,000.00
सदस्यता प्राप्त	-	-
	3,87,914.51	3,87,914.51
अनुसूची 8	**(रु)**	**(रु)**
माल		
मुद्रण कागज़ का पेपर	-	-
कक्ष क्षतिग्रस्त का प्रावधान	-	-
	-	-

अनुसूची 9			
	नगद और नगद समकक्ष		
	नगद	2,000.00	2,000.00
	चालू खाता		
	स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया	-	38,87,744.02
	सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया	-	1,33,56,049.17
	स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया कार्य कारी सचिव	-	-
	बैंक के साथ सार्वजनिक सूचना अधिकारी	2,708.40	2,635.40
	स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया बचत खाता	1,33,92,811.06	3,005.00
	सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया बचत खाता	2,17,31,791.72	2,500.00
		3,51,29,311.18	1,72,53,933.59
अनुसूची 10			
	लघु अवधि ऋण और अग्रिम		
	त्यौहार अग्रिम	-	-
		-	-
अनुसूची 11			
	अन्य मौजूदा संपत्ति		
	प्रीपेड खर्च	4,424.00	43,952.00
	मौजूदा सुविधाओं के सुधार में प्रीपेड उन्नयन		-
	प्रीपेड बीमा	18,803.00	42,278.00
	अग्रिम कर - आय कर अपील	20,36,339.00	20,36,339.00
	सी ई एस सी लिमिटेड		-
	सेवा मुद्रा से प्राप्य	69,639.87	69,639.87
	प्रोविडेंट फंड	23,43,604.16	-
		44,72,810.03	21,92,208.87

आय	2020-2021			2019-2020		
अनसची-12	योजना (रु)	गैर योजना (रु)	कल (रु)	योजना (रु)	गैर योजना (रु)	कल (रु)
सरकारी अनुदान	6,64,00,000.00	-	6,64,00,000.00	6,39,27,000.00	-	6,39,27,000.00
	6,64,00,000.00	-	6,64,00,000.00	6,39,27,000.00	-	6,39,27,000.00
अनसची-13						
अन्य कार्यकलापों से आय		2020-2021			2019-2020	
	योजना (रु)	गैर योजना (रु)	कल (रु)	योजना (रु)	गैर योजना (रु)	कल (रु)
सदस्यता शुल्क प्राप्ति		10,21,578.00			27,80,987.00	
घटाएं प्रारक्षित निधि में अंतरण		50,000.00			50,000.00	
		9,71,578.00			27,30,987.00	
जोड़ प्रवेश शुल्क		10,400.00			3,10,200.00	
जोड़ आजीवन सदस्यता शुल्क से अंतरण		5,73,710.00			9,55,450.00	
	-	15,55,688.00	15,55,688.00	-	39,96,637.00	39,96,637.00
अतिथि गृह आवास प्रभार	-	-	-	-	28,600.00	28,600.00
संस्था व्याख्यान कक्ष से सम्बंधित सेवा हाल (नेट)	-	-	-	-	71,600.00	71,600.00
डाक व्यय	1,525.00	-	1,525.00	58,984.00	-	58,984.00
विविध आय	-	29,650.00	29,650.00	-	1,00,049.00	1,00,049.00
प्रकाशित ग्रंथों की बिक्री	-	-	-	1,200.00	-	1,200.00
निविदा कागजात की योजना बिक्री	-	-	-	-	-	-
जर्नल शुल्क (गैर सदस्य)	11,000.00	-	11,000.00	26,250.00	-	26,250.00
कागज का क्षतिग्रस्त स्टॉक	-		-	69,639.87		69,639.87
फिक्स्ड एसेटस की बिक्री पर लाभ	-	-	-	-	22,586.39	22,586.39
बचत बैंक खाते पर ब्याज	-	4,33,905.00	4,33,905.00		5.00	5.00
ब्याज आय (प्रोदयत)				-	-	
सामान्य निधि	-		-	-	3,693.03	3,693.03
भवन निधि	-		-	-	33,172.97	33,172.97
उपदान निधि	-		-	-	8,07,994.31	8,07,994.31
भवन निर्माण अग्रिम निधि	-		-	-	49,340.39	49,340.39
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विकास निधि	-		-	-	6,20,051.79	6,20,051.79
आजीवन सदस्यता शुल्क	-		-	-	53,05,885.15	53,05,885.15
पैंशन निधि	-		-	-	9,51,229.19	9,51,229.19
योजना निर्माण निधि	-		-	-	5,20,434.33	5,20,434.33
जनसूचना अधिकारी निधि	-		-	-	168.60	168.60
छुट्टी तुलना निधि	-		-	-	6,18,004.60	6,18,004.60
	12,525.00	20,19,243.00	20,31,768.00	1,56,073.87	1,31,29,451.75	1,32,85,525.62
	-	-	-	-	89,09,974.36	89,09,974.36
कम: निधि स्थानांतरण (ब्याज उपार्जित पर देय नहीं)	12,525.00	20,19,243.00	20,31,768.00	1,56,073.87	42,19,477.39	43,75,551.26

व्यय

अनुसूची-14

वैज्ञानिक कार्यकलापों और परस्कार पर खर्चे	2020-2021			2019-2020		
	योजना (रु)	गैर योजना (रु)	कुल (रु)	योजना (रु)	गैर योजना (रु)	कुल (रु)
मजीय व्यय	-	-	-	3,200.00	-	3,200.00
यात्रा व्यय	4,87,622.00	-	4,87,622.00	42,30,733.00	-	42,30,733.00
बैठक फीस	5,41,500.00	-	5,41,500.00	11,10,000.00	-	11,10,000.00
संस्था की शाखाएं	42,00,375.00		42,00,375.00	50,58,030.00	-	50,58,030.00
संगोष्ठी, परिसंवाद।, वाद - विवाद एवं व्याख्यान	2,00,000.00		2,00,000.00	56,00,000.00	-	56,00,000.00
संस्था के प्लेटिनम जयंती से सम्बंधित मानदेय	(10,000.00)	-	(10,000.00)	1,30,000.00	-	1,30,000.00
पंडित जवाहर लाल नेहरू जन्म शत वार्षिकी अवार्ड		-	-		-	-
पंडित जवाहर लाल नेहरू पुरस्कार		-	-		-	-
पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार	-	-	-	80,000.00	-	80,000.00
स्वर्ण पदकों एवं बिल्लों की लागत	-	-	-	3,36,000.00	-	3,36,000.00
सदस्यता शुल्क	-	-	-		-	-
सदस्यता शुल्क	-	-	-		-	-
पत्रिकाओं के लिए बिल्डिंग शुल्क	-	-	-		-	-
101 वां विज्ञान कांग्रेस		-				-
युवा वैज्ञानिक परस्कार	-	-	-	1,75,000.00	-	1,75,000.00
यात्रा व्यय	-	-	-	1,93,330.00	-	1,93,330.00
प्रकाशन	-	-	-		-	-
लेखन सामग्री	-	-	-		-	-
विज्ञापन	47,800.00	-	47,800.00	18,900.00	-	18,900.00
आकस्मिक व्यय	(1,500.00)	-	(1,500.00)	14,500.00	-	14,500.00
विदेश में बैठकों में भाग लेने वाले प्रतिनिधि मंडल से सम्बंधित व्यय	-	-	-		-	-
कागज़ की स्क्रीनिंग एवं मूल्यांकन प्रदर्शनी	-	-	-	85,000.00	-	85,000.00
	54,65,797.00	-	54,65,797.00	1,70,34,693.00	-	1,70,34,693.00

अनसची-15	2020-2021			2019-2020		
अन्य व्यय	योजना (₹)	गैर योजना (₹)	कल (₹)	योजना (₹)	गैर योजना (₹)	कल (₹)
हरभाष प्रभार		1,03,634.60	1,03,634.60	-	1,02,733.00	1,02,733.00
परिवहन प्रभार		18,386.00	18,386.00	-	43,909.00	43,909.00
नगर पालिका कर		949.00	949.00	-	889.00	889.00
सुरक्षा गार्ड पर व्यय		17,62,668.00	17,62,668.00	-	17,76,133.00	17,76,133.00
लेखा परीक्षा शुल्क	-	1,00,000.00	1,00,000.00	-	29,500.00	29,500.00
सफाई एवं भवन अनुरक्षण		5,27,632.00	5,27,632.00		4,77,929.00	4,77,929.00
महाध्यक्ष के लिए डाक एवं लेखन सामग्री पर व्यय			-	49,000.00		49,000.00
विज्ञापन	97,728.00		97,728.00	1,04,407.00		1,04,407.00
विदयुत शुल्क	3,39,720.00	-	3,39,720.00	5,57,924.00		5,57,924.00
विध्यमान सुविधा का उन्ननयन एवं उसमें सुधार	4,43,286.00		4,43,286.00	4,87,951.00		4,87,951.00
साधारण प्रकाशन	4,61,634.00		4,61,634.00	18,33,469.00		18,33,469.00
अतिथि गृह व्यय		53,280.00	53,280.00		58,086.00	58,086.00
बीमा	-	58,378.00	58,378.00		16,873.00	16,873.00
बैंक प्रभार		7,134.75	7,134.75		3,205.12	3,205.12
ए सी सयंत्र का परिचालन एवं अनुरक्षण अ			-		1,20,360.00	1,20,360.00
कागज़ का क्षतिग्रस्त स्टॉक			-	47,485.32	-	47,485.32
चल समपत्तियों की बिक्री पर लाभ और हानि						-
हिंदी सप्ताह के लिए मानदेय	5,500.00		5,500.00			-
अन्य संचालन व्यय						
स्टेशनरी का खर्च	51,402.00		51,402.00	1,79,392.00	-	1,79,392.00
डाक व्यय	17,10,255.50		17,10,255.50	48,69,942.60	-	48,69,942.60
आकस्मिक व्यय	64,477.00		64,477.00	1,96,426.00	-	1,96,426.00
भवन की मरम्मत और नवीनीकरण	6,670.00		6,670.00	31,700.00	-	31,700.00
विधि व्यय	85,170.00		85,170.00	2,94,073.00	-	2,94,073.00
राज भाषा बैठक के लिए आकस्मिक व्यय	10,000.00		10,000.00	27,846.00	-	27,846.00
प्रकाशन व्यय						-
सत्रीय प्रकाशन			-	15,71,996.00	-	15,71,996.00
कार्यवाही के प्रकाशन			-	21,840.00	-	21,840.00
पत्रिकाओं के प्रकाशन	8,54,344.00		8,54,344.00	43,54,266.00	-	43,54,266.00
मुद्रण पेपर की कीमत			-	2,648.00	-	2,648.00
फोकल थीम प्रकाशन	-	-	-	-	-	-
	41,30,186.50	26,32,062.35	67,62,248.85	1,46,30,365.92	26,29,617.12	1,72,59,983.04

अनसची-16 **कर्मचारियों के लाभ व्यय**	2020-2021			2019-2020		
	योजना (रु)	गैर योजना (रु)	कल (रु)	योजना (रु)	गैर योजना (रु)	कल (रु)
स्थापना	9,02,409.00	1,74,07,679.50	1,83,10,088.50	6,03,974.00	1,82,99,991.63	1,89,03,965.63
तदर्थ बोनस	-	-	-	-	-	-
कर्मचारियों को नई पेंशन योजना के लिए योगदान	-	7,55,848.00	7,55,848.00	-	7,67,277.00	7,67,277.00
कर्मचारियों के लिए ग्रेच्युटी कोष में योगदान	-	-	-	-	-	-
कर्मचारियों के पेंशन कोष में योगदान	-	67,43,029.00	67,43,029.00	-	58,75,033.00	58,75,033.00
अवकाश नकदीकरण के लिए योगदान	-	-	-	-	-	-
छुट्टी यात्रा रियायत	-	27,637.00	27,637.00	-	4,29,878.00	4,29,878.00
कर्मचारियों की वर्दी	-	-	-	-	-	-
बच्चों की प्रतिपूर्ति शिक्षा भत्ता	-	2,43,000.00	2,43,000.00	-	-	-
	9,02,409.00	2,51,77,193.50	2,60,79,602.50	6,03,974.00	2,53,72,179.63	2,59,76,153.63

अनुसूची 1अ

निवेश और बैंक के साथ आजीवन सदस्यता शुल्क निधि की मेलमिलाप

आजीवन सदस्यता शुल्क निधि				(रु)
01-04-2020 का शेष राशि				10,16,40,018.90
			(रु)	
जोड़: 2020-2021 वर्ष के दौरान प्राप्त			28,83,750.00	
जोड़ : नीचे विस्तत रूप में				
	टी डी आर संख्या	(रु)		
	32399434877	3,29,857.40		
	32654087378	1,15,151.32		
	33171568280	5,41,462.42		
	33062685839	6,29,286.55		
	33251159345	5,21,197.87		
	33529725604	1,43,440.65		
	30275144311	1,52,604.86		
	10959318622	5,20,604.86		
	34169506239	2,69,260.24		
	10959318633	2,28,052.81		
	37580408810	8,84,368.93		
	34803843458	4,81,100.37		
	38515614449	3,53,078.09		
	38515614971	3,53,078.99		
	39960992731	14,626.30	55,37,171.66	
31-03-2021 वर्ष के दौरान ब्याज प्रदयत दिया गया		2,88,687.00		
			2,88,687.00	87,09,608.66
				11,03,49,627.56
कम: 20 % सदस्यता आय के रूप में ISCA को हस्तांतरित				5,73,710.00
कम: फंड दवारा किये गए खर्च				15,200.00
				10,97,60,717.56
	आजीवन सदस्यता निधि का शेष राशि (अ)			10,97,60,717.56
आजीवन सदस्यता निवेश			(रु)	
पिछले खाते के मताबिक़ शेष राशि			8,97,06,164.92	
जोड़ें : नया FD No	39960992731		15,73,880.00	
			9,12,80,044.92	
जोड़ : वर्ष के दौरान ब्याज प्रोदभत	टी डी आर संख्या	(रु)		
	32399434877	3,29,857.40		
	32654087378	1,15,151.32		
	33171568280	5,41,462.42		
	33062685839	6,29,286.55		
	33251159345	5,21,197.87		
	33529725604	1,43,440.65		
	30275144311	1,52,604.86		
	10959318622	5,20,604.86		
	34169506239	2,69,260.24		
	10959318633	2,28,052.81		
	37580408810	8,84,368.93		
	34803843458	4,81,100.37		
	38515614449	3,53,078.09		
	38515614971	3,53,078.99		
	39960992731	14,626.30	55,37,171.66	
		ब	9,68,17,216.58	

	(रु)	(रु)	
भारतीय स्टेट बैंक की आजीवन सदस्यता खाता का शेष राशि 01-04-2021		81,12,053.98	
जोड़ वर्ष की दौरान स्थानांतरण	38,21,800.00		
(पिछले साल का बैलेंस ट्रांसफर) वर्ष के दौरान सदस्यता के स्थानांतरण	21,73,880.00		
बचत बैंक ब्याज 31-03-2021	2,88,687.00	62,84,367.00	
		1,43,96,420.98	
कम : फिक्स्ड डिपाजिट	15,73,880.00	15,73,880.00	
		1,28,22,540.98	(स)
	भ = Rs	ब + Rs	म Rs
	10,97,60,717.56	9,68,17,216.58	1,28,22,540.98
चालू वर्ष में हस्तांतरित करने की लिए		1,20,960.00	

कृते मिश्रा मिश्रा एवं सहयोगियों के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट

R.K Shukla
(Partner)
M.N: 403044
FRN: 6900C

आर के शुक्ला
भागीदार
एम् एन ओ: 403044
ऍफ़ आर एन: 6900C

स्थान कानपुर
दिनांक 09.09.2021

एस. रामकृष्ण
डॉ एस रामकृष्ण
महा सचिव (सदस्यता कार्य)

डॉ शिव सत्य प्रकाश
कोषाध्यक्ष

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

नोट - 17

महत्वपूर्ण लेखा नीतियां:

1. खाते ऐतिहासिक लागत के आधार पर गोइंग कंसर्न अवधारणा के तहत तैयार किए जाते हैं।

2. सदस्यता से आय, सरकारी अनुदान और निवेश पर ब्याज का हिसाब प्रोद्भवन आधार होता है।

3. फरवरी और मार्च के महीने के लिए प्राप्त सदस्यता "पूर्व-प्राप्त सदस्यता के रूप में अगले वर्ष के लिए ली जाती है ।

4. 20% आजीवन सदस्यता शुल्क (खर्चों का निवल) को वर्ष में शुद्ध आय के रूप में रसीद माना जाता है और शेष 80% आजीवन सदस्यता शुल्क निधि खाते में दिनांक 04.10.2013 वित्त समिति की बैठक के निर्णय के अनुसार और दिनांक 21.09.2013 को आयोजित कार्यकारिणी बैठक में अपनी अनुमोदन के बाद रखा जाता है ।

5. रु. 50000 का हस्तांतरण के बदले रु. 25000 सामान्य निधि खाते से आरक्षित निधि खाते में वित्त समिति की दिनांक 21.09.2013 को हुई बैठक में निम्नलिखित के अनुमोदन से 04.10.2013 को आयोजित कार्यकारी समिति की बैठक के निर्णय के अनुसार किया गया ।

6. तुलन-पत्र में अचल आस्तियों को लागत घटाकर मूल्यह्रास पर लिया जाता है बशर्ते कि 2006-07 "जर्नल की योजना सदस्यता" को छोड़कर जो बैलेंस शीट में लागत कम मूल्यह्रास पर दिखाया गया है 2010-11 से प्रभावी है । इस प्रकार अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास का बकाया (अन्य, "योजना जर्नल की सदस्यता") 31.03.2006 तक अचल संपत्तियों की लागत से पहुंचने तक के लिए कम कर दी गई है। निर्धारित दर पर चालू वर्ष के लिए अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास की गणना के लिए आयकर अधिनियम '1961 "जर्नल की योजना सदस्यता" के मामले में मूल्यह्रास तक की बकाया राशि द्वारा 31.03.2010 को मूल्यह्रास की गणना के लिए आने की लागत से कम कर दिया गया है।

7. फंड योजना और गैर योजना विभाजन के तहत दिया जाता है। आगे योजना व्यय के तहत और इसके अलावा योजना के तहत व्यय और गैर योजना व्यय, व्यय को पूंजी, सामान्य और वेतन व्यय में आबंटित किया जाता है।

8. बंदोबस्ती के अलावा सावधि जमा में निवेश को वहन लागत और अर्जित ब्याज पर बताया गया है।सावधि जमा पर निधि खाते में लिया जाता है। हालांकि, सावधि जमा की परिपक्वता के समय सामान्य निधि में से निवेश किया जाता है, उस पर अर्जित कुल ब्याज आय में जमा किया जाता है और सामान्य निधि खाते से अंतरित कर व्यय खाता में निवेश ज्यादातर 39 महीने की अवधि के लिए किया जाता है क्योंकि इस अवधि के लिए ब्याज, ब्याज की अधिकतम दर मिलता है।

9. बंदोबस्ती निधि में सावधि जमा में निवेश पर ब्याज की गणना नकद आधार पर की जाती है।

10. अतिथि शाला के आवास शुल्क और ISCA व्याख्यान कक्ष के सेवा शुल्क का हिसाब वर्ष के दौरान नकद आधार लगाया गया है।

नोट -18

खातों पर नोट्स:

1. प्रबंधन ने पुस्तकालय किताबें , जर्नल और आईएससीए मूल्य की भौतिक सत्यापन रिपोर्ट वर्ष 2020-21 की कार्यवाही का प्रकाशन नहीं दी है।
2. "जर्नल की योजना सदस्यता" हालांकि 2008-09 में पूंजीकृत है, 31.03.2010 तक कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया गया है । तथापि, चालू वर्ष के दौरान रु .53.63 में मूल्यह्रास के रूप में 'आय और व्यय खाता ' में आरोप लगाया गया है।
3. वास्तविक व्यय के अनुसार हस्तांतरित अनावर्ती निधि अनुदान के आबंटन का आधार
फंड खाते को अनुदान देने के लिए पूंजीगत संपत्ति के कारण खर्च किया गया।
4. योजनागत और गैर योजना अनुदान डीएसटी से i) सामान्य, ii) वेतन और iii) पूंजी के तहत उप शीर्षों को निर्दिष्ट किए बिना प्राप्त होता है। हालांकि, 3 प्रमुख शीर्षों के सुलह का उल्लेख ऊपर बना है। संस्था के त्रैमासिक पर डीएसटी को उपयोगिता प्रमाण पत्र भी जमा करता है।
5. बैंकों के पास सावधि जमा पर ब्याज से स्रोत पर आयकर कटौती नहीं की गई है।बैंक से आवश्यक विवरण उपलब्ध न होने के कारण खाते में डाल दिया गया है। मामला हो गया है
बैंक के साथ उठाया गया और उचित दस्तावेज उपलब्ध होने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।
6. रुपये 32,40,302/- की आयकर मांग के लिए आकस्मिक देयता। आकलन वर्ष 2012 -2013 के लिए अपील के अधीन है। पिछले वर्ष के आंकड़ों को फिर से समूहीकृत किया गया है और जहां आवश्यक हो वहां पुनव्यवस्थित किया गया है :।
7. पिछले वर्ष के आंकड़ों को फिर से समूहित किया गया है और फिर से एक उनकी तुलना चालू वर्ष के आंकड़ों से की जा सकती है।
8. यह अनुशंसा की जाती है कि शेष राशि, रसीद और भुगतान खाता और एक प्रमाण पत्र
मानक प्रारूप में चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा हस्ताक्षरित यूडीआईएन युक्त निधि का उपयोग वित्तीय वर्ष के अंत से 31 मई के भीतर सभी शाखायों से प्राप्त होना चाहिए ।

मिश्रा मिश्रा एंड एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट

R.K Shukla
(Partner)
M.N: 403044
FRN: 6900C

आर.के.शुक्ला	डॉएस. रामकृष्ण .	डॉ .शिव सत्यप्रकाश:
सहभागी	महासचिव	कोषाध्यक्ष
एमएनओ :403044	(सदस्यता कार्य)	
एफआरएन :6900C		
जगहकानपुर :		
दिनांक :09/09/2021		

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था
31 मार्च 2021 को अक्षयनिधि कोष का तुलन पत्र

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष (रु)	पूर्ववर्ती वर्ष (रु)
देयता			
अक्षयनिधि कोष शेष	19	3,25,41,610.74	3,11,94,608.74
कुल		3,25,41,610.74	3,11,94,608.74
संपत्ति एवं परिसंपति			
अक्षयनिधि निवेश	20	3,25,41,610.74	3,11,94,608.74
कुल		3,25,41,610.74	3,11,94,608.74

हमारी इसी तारीख की सलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते मिश्रा मिश्रा एवं सहयोगियों के लिए
चार्टर्ड अकाउटेंट

R.K Shukla
(Partner)
M.N: 403044
FRN: 6900C

एस. रामकृष्ण

आर के शुक्ला
भागीदार
एम् एन ओ:
403044
ऍफ़ आर एन:
6900C

डॉ एस रामकृष्ण
महा सचिव (सदस्यता कार्य)

डॉ शिव सत्य प्रकाश
कोषाध्यक्ष

स्थान कानपुर
दिनांक 09.09.2021

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

अक्षयनिधि कोष का आय एवं व्यय खाता

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष (रु)	पूर्ववर्ती वर्ष (रु)
आय			
-	21	13,47,002	14,57,949
		13,47,002	14,57,949
व्यय			
-	21		2,60,272
		-	2,60,272
व्यय पर आय की अधिकता		13,47,002	11,97,677
कम : सम्बंधित कोष में स्थानांतरित		13,47,002	11,97,677
		-	-

हमारी इसी तारीख की सलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते मिश्रा मिश्रा एवं सहयोगियों के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट

R.K Shukla
(Partner)
M.N: 403044
FRN: 6900C

आर के शुक्ला

भागीदार
एम् एन ओ: 403044
ऍफ़ आर एन: 6900C

डॉ एस रामकृष्ण
महा सचिव
(सदस्यता कार्य)

डॉ शिव सत्य प्रकाश
कोषाध्यक्ष

स्थान कानपुर
दिनांक 09.09.2021

अनुसूची19

अक्षयनिधि अधिशेष

	विवरण	01-04-2020 का अधिशेष	सम्बंधित निधि अंतरित	दान	31.03.2021का
		(रु)	(रु)	(रु)	(रु)
1	बी सी गुहा स्मारक निधि	2,03,331.39	9,313.00	-	2,12,644.39
2	जी पी चटर्जी एवं श्रीमती सुनील चटर्जी निधि	8,88,517.38	37,819.00	-	9,26,336.38
3	प्रोफेसर हीरालाल चक्रवर्ती एवं श्रीमती तोरु चक्रवर्ती निधि	4,23,136.60	18,799.00	-	4,41,935.60
4	प्रोफेसर के पी रोडे : स्मारक व्याख्यान निधि	2,09,247.66	8,371.00	-	2,17,618.66
5	प्राण वोहरा पुरस्कार निधि	7,76,377.13	38,146.00	-	8,14,523.13
6	राज कृष्टों दत्ता स्मारक पुरस्कार निधि	1,80,182.00	7,794.00	-	1,87,976.00
7	प्रोफेसर उमाकांत सिन्हा स्मारक पुरस्कार निधि	3,93,838.81	16,429.00	-	4,10,267.81
8	डॉ बी सी देव स्मारक पुरस्कार निधि	7,26,942.03	32,464.00	-	7,59,406.03
9	प्रोफेसर आर सी शाह स्मारक पुरस्कार निधि	1,67,365.19	7,939.00	-	1,75,304.19
10	प्रोफेसर आर सी मेहरोत्रा स्मारक पुरस्कार निधि	3,64,042.74	15,167.00	-	3,79,209.74
11	प्रोफेसर एस के मुखर्जी स्मारक पुरस्कार निधि	3,27,557.45	12,638.00	-	3,40,195.45
12	प्रोफेसर (श्रीमती) अणिमा सेन स्मारक पुरस्कार निधि	2,33,399.00	8,931.00	-	2,42,330.00
13	प्रोफेसर (श्रीमती) गौरी गांगुली स्मारक पुरस्कार निधि	3,69,189.15	18,441.00	-	3,87,630.15
14	प्रोफेसर एस एस कटियार स्मारक व्याख्यान निधि	7,96,819.00	34,427.00	-	8,31,246.00
15	भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था पुरस्कार निधि	1,08,10,687.66	4,93,217.00	-	1,13,03,904.66
16	भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विक्रम साराभाई विज्ञान एवं	16,60,698.29	57,279.00	-	17,17,977.29
17	भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	37,52,552.00	1,46,687.00	-	38,99,239.00
18	भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था रॉयल्टी निधि	8,25,142.50	32,314.00	-	8,57,456.50
19	भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था इनफ़ोसिस फाउंडेशन यात्रा	7,41,439.76	29,524.00	-	7,70,963.76
20	प्रोफेसर आर सी मेहरोत्रा जीवन काल उपलब्धि पुरस्कार	30,77,239.00	1,15,577.00	-	31,92,816.00
21	प्रोफेसर एम् के सिंघल स्मारक पुरस्कार निधि	14,62,191.00	75,265.00	-	15,37,456.00
22	प्रोफेसर अर्चना शर्मा स्मारक अवार्ड निधि	7,07,618.00	35,675.00	-	7,43,293.00
23	प्रोफेसर जे के मन्ना स्मारक अवार्ड निधि	8,09,313.00	38,298.00	-	8,47,611.00
24	प्रोफेसर व्ही के पूरी स्मारक अवार्ड निधि	7,34,545.00	30,717.00	-	7,65,262.00
25	प्रोफेसर डब्ल्यू डी बेस्ट स्मारक अवार्ड निधि	5,53,237.00	25,771.00	-	5,79,008.00
		3,11,94,608.74	13,47,002.00	-	3,25,41,610.74

अनुसूची 20
अक्षयनिधि निवेश

	विवरण	2020-2021			2019-2020
		मियादी जमा में	बैंक में रु	कुल रु	रु
1	बी सी गूहा स्मारक निधि	1,25,000.00	87,644.39	2,12,644.39	2,03,331.39
2	जी पी चटर्जी एवं श्रीमती सुनील चटर्जी निधि	4,20,000.00	5,06,336.38	9,26,336.38	8,88,517.38
3	प्रोफेसर हीरालाल चक्रवर्ती एवं श्रीमती तोरु चक्रवर्ती निधि	2,25,000.00	2,16,935.60	4,41,935.60	4,23,136.60
4	प्रोफेसर के पी रोडे : स्मारक व्याख्यान निधि	95,000.00	1,22,618.66	2,17,618.66	2,09,247.66
5	प्राण वोहरा पुरस्कार निधि	4,25,000.00	3,89,523.13	8,14,523.13	7,76,377.13
6	राज कृष्टों दत्ता स्मारक पुरस्कार निधि	1,00,000.00	87,976.00	1,87,976.00	1,80,182.00
7	प्रोफेसर उमाकांत सिन्हा स्मारक पुरस्कार निधि	1,85,000.00	2,25,267.81	4,10,267.81	3,93,838.81
8	डॉ बी सी देव स्मारक पुरस्कार निधि	3,79,955.00	3,79,451.03	7,59,406.03	7,26,942.03
9	प्रोफेसर आर सी शाह स्मारक पुरस्कार निधि	1,20,000.00	55,304.19	1,75,304.19	1,67,365.19
10	प्रोफेसर आर सी मेहरोत्रा स्मारक पुरस्कार निधि	2,30,000.00	1,49,209.74	3,79,209.74	3,64,042.74
11	प्रोफेसर एस के मुखर्जी स्मारक पुरस्कार निधि	1,50,000.00	1,90,195.45	3,40,195.45	3,27,557.45
12	प्रोफेसर (श्रीमती) अणिमा सेन स्मारक पुरस्कार निधि	1,00,000.00	1,42,330.00	2,42,330.00	2,33,399.00
13	प्रोफेसर (श्रीमती) गौरी गांगुली स्मारक पुरस्कार निधि	2,00,000.00	1,87,630.15	3,87,630.15	3,69,189.15
14	प्रोफेसर एस एस कटियार स्मारक व्याख्यान निधि	5,00,000.00	3,31,246.00	8,31,246.00	7,96,819.00
15	भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था पुरस्कार निधि	64,00,000.00	49,03,904.66	1,13,03,904.66	1,08,10,687.66
16	भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विक्रम साराभाई विज्ञान एवं	8,00,000.00	9,17,977.29	17,17,977.29	16,60,698.29
17	भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	20,00,000.00	18,99,239.00	38,99,239.00	37,52,552.00
18	भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था रॉयल्टी निधि	3,00,000.00	5,57,456.50	8,57,456.50	8,25,142.50
19	भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था इनफ़ोसिस फाउंडेशन यात्रा	5,00,000.00	2,70,963.76	7,70,963.76	7,41,439.76
20	प्रोफेसर आर सी मेहरोत्रा जीवन काल उपलब्धि पुरस्कार	15,00,000.00	16,92,816.00	31,92,816.00	30,77,239.00
21	प्रोफेसर एम् के सिंघल स्मारक पुरस्कार निधि	10,00,000.00	5,37,456.00	15,37,456.00	14,62,191.00
22	प्रोफेसर अर्चना शर्मा स्मारक अवार्ड निधि	5,00,000.00	2,43,293.00	7,43,293.00	7,07,618.00
23	प्रोफेसर जे के मन्ना स्मारक अवार्ड निधि	5,00,000.00	3,47,611.00	8,47,611.00	8,09,313.00
24	प्रोफेसर व्ही के पूरी स्मारक अवार्ड निधि	5,00,000.00	2,65,262.00	7,65,262.00	7,34,545.00
25	प्रोफेसर डब्ल्यू डी बेस्ट स्मारक अवार्ड निधि	5,00,000.00	79,008.00	5,79,008.00	5,53,237.00
		1,77,54,955.00	1,47,86,655.74	3,25,41,610.74	3,11,94,608.74

अनुसूची 21

अक्षयनिधि अधिशेष

	विवरण	2020-2021 आय रु	व्यय रु	सम्बंधित निधि	2019-2020 आय रु	व्यय रु	सम्बंधित निधि
1	बी सी गहा स्मारक निधि	9,313.00		9,313.00	10,209.00	6,760.00	3,449.00
2	जी पी चटर्जी एवं श्रीमती सुनील चटर्जी निधि	37,819.00		37,819.00	41,404.00	12,060.00	29,344.00
3	प्रोफेसर हीरालाल चक्रवर्ती एवं श्रीमती तोरु चक्रवर्ती निधि	18,799.00		18,799.00	20,648.00	4,000.00	16,648.00
4	प्रोफेसर के पी रोडे : स्मारक व्याख्यान निधि	8,371.00		8,371.00	9,844.00	-	9,844.00
5	प्राण वोहरा पुरस्कार निधि	38,146.00		38,146.00	35,146.00	10,000.00	25,146.00
6	राज कृष्टों दत्ता स्मारक पुरस्कार निधि	7,794.00		7,794.00	8,440.00	12,060.00	(3,620.00)
7	प्रोफेसर उमाकांत सिन्हा स्मारक पुरस्कार निधि	16,429.00		16,429.00	18,215.00	4,000.00	14,215.00
8	डॉ बी सी देव स्मारक पुरस्कार निधि	32,464.00		32,464.00	33,798.00	16,771.36	17,026.64
9	प्रोफेसर आर सी शाह स्मारक पुरस्कार निधि	7,939.00		7,939.00	8,858.00	8,532.36	325.64
10	प्रोफेसर आर सी मेहरोत्रा स्मारक पुरस्कार निधि	15,167.00		15,167.00	19,403.00	-	19,403.00
11	प्रोफेसर एस के मुखर्जी स्मारक पुरस्कार निधि	12,638.00		12,638.00	14,201.00	5,000.00	9,201.00
12	प्रोफेसर (श्रीमती) अणिमा सेन स्मारक पुरस्कार निधि	8,931.00		8,931.00	10,153.00	-	10,153.00
13	प्रोफेसर (श्रीमती) गौरी गांगुली स्मारक पुरस्कार निधि	18,441.00		18,441.00	18,914.00	11,920.00	6,994.00
14	प्रोफेसर एस एस कटियार स्मारक व्याख्यान निधि	34,427.00		34,427.00	40,664.00	22,060.00	18,604.00
15	भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था पुरस्कार निधि	4,93,217.00		4,93,217.00	5,05,638.00	13,643.00	4,91,995.00
16	भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विक्रम साराभाई विज्ञान एवं प्रौदयोगिकी स्मारक पुरस्कार निधि	57,279.00		57,279.00	79,451.00	-	79,451.00
17	भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विज्ञान एवं प्रौदयोगिकी उत्कृष्ट पुरस्कार निधि	1,46,687.00		1,46,687.00	1,62,218.00		1,62,218.00
18	भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था रॉयल्टी निधि	32,314.00		32,314.00	33,458.00	-	33,458.00
19	भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था इनफोसिस फाउंडेशन यात्रा पुरस्कार निधि	29,524.00		29,524.00	38,718.00	70,012.08	(31,294.08)
20	प्रोफेसर आर सी मेहरोत्रा जीवन काल उपलब्धि पुरस्कार निधि	1,15,577.00		1,15,577.00	1,31,712.00	2,060.00	1,29,652.00
21	प्रोफेसर एम् के सिंघल स्मारक पुरस्कार निधि	75,265.00		75,265.00	73,314.00	-	73,314.00
22	प्रोफेसर अर्चना शर्मा स्मारक अवार्ड निधि	35,675.00		35,675.00	37,965.00		37,965.00
23	प्रोफेसर जे के मन्ना स्मारक अवार्ड निधि	38,298.00		38,298.00	41,797.00	12,060.00	29,737.00
24	प्रोफेसर वी के पुरी स्मारक अवार्ड निधि	30,717.00		30,717.00	35,020.00	33,590.00	1,430.00
25	प्रोफेसर डब्ल्यू डी बेस्ट स्मारक अवार्ड निधि	25,771.00		25,771.00	28,761.00	15,743.00	13,018.00
		13,47,002.00	-	13,47,002.00	14,57,949.00	2,60,271.80	11,97,677.20

ISCA कार्यालय में हिन्दी सप्ताह समारोह

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

(विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत एक व्यावसायिक संस्था,
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार)
14 डॉ. बिरेश गुहा स्ट्रीट, कोलकाता – 700 017, भारत